



I SSN 2229-547X VI DEHA



“बिदेह” १२१ म अंक ०१ जनवरी २०१३ (वर्ष ६ मास ६१ अंक १२१)

ई अकमे अङ्क:-

१. सप्तद्वीप सप्ते

१. गद्य



१.१. पंकज चौधरी (नरतरी)- बिहनि कथा : प्रवक्ता



१.२. जगदीश प्रसाद यादव-दूरी तपस्या-गटिबिबला/ सप्त



१.३. रिसुभ्रिब ठाकुर- प्रेम-पत्र / सप्तद्वीप सप्ते



१.४. उमेश मिश्र- मिथिलाक आर्यी सङ्कतिक संकलन



१.७. गजेन्द्र शर्मा- जगदीश प्रसाद मंडल एकठाँ बायोथीका- आगाँ



१.७. नरेन्द्र कुमार सा- गाँव में विज्ञान के लोकप्रिय बनने में नागरिक दुधि मानस बिलब



१.१. सन्काबाण सा- बिलुप्त कथा- भोज

२. पद्य



२.१. जगदीश चन्द्र शर्मा 'अनिल'- की भेंट आ की लोवा फेन (आमे गीत)- आगाँ



२.१. पंकज ठाकुर (नरनारी)- भुँजि गजन/ भुँजि गीत : दिय ले दबस जगदर दिय/ गजन 1-

3/तागक-शैल/ हजन/ करिता : माँ मैथिली दुधि आह्वान करैत । । । २.



मनोज कुमार मिश्रा



प्रश्न २. श्री. गुन राम- उदस नाँ



३.२. अमित मिश्र- गीत १-३



३.४. आशीष अनटिकाव- नुमयन बनाकोरी कण १.



केशव कावीगव- दिनव डिप्लामेरी



३.७. सुनी कायत केव दूग पोष्ट करिता- छोटी-नहास रात-वेस १.
करिता-क२ दैनिक उपकार महशिय



धीति प्रिया सा-



३.७.१. राजदेव मण्डलक तीन पोष्ट करिता-शिक सरव/ छानती रू/ दिक आरुख १.
प्रसाद मण्डलक आठो गीत



जगदीश



३.११. बाबू बिनोद साह- पठन-निबन्ध तनि पोष करिये बरुआ १.



मन्मथ कुमार मिश्र- गुलाबी छे



३. जितेंद्र जितु- गरीबीक जाड/ कथा नए... ? ४.



बाबूजी कुमार सा- छो खर्च ले छी



डॉ. रीतिता सा-

अली देशिक लेखी हय २.



कामिनी कायायनी - बिबिध पत्रिका बन.



जाति सा टोपरी- शिष्टमे उमेर



बानना फूते-

पंकज टोपरी (नरनरी)- बान गजन



बिदेह मैथिली पोथी डाउनलोड सागठ



VIDEHA MAITHILI BOOKS FREE DOWNLOAD SITE

बिदेह ज्ञ-पत्रिकाक सब्ठा पुरान अंक (ब्रेल, तिरहुता आ देवनागरी मे) पी.डी.एफ. डाउनलोडक लेन नीटाँक निकषव उपलब्ध अछि । All the old issues of Videha e journal (in Braille, Tirhuta and Devanagari versions) are available for pdf download at the following link.

बिदेह ज्ञ-पत्रिकाक सब्ठा पुरान अंक ब्रेल, तिरहुता आ देवनागरी कसमे Videha e journal's all old issues in Braille Tirhuta and Devanagari versions


बिदेह ज्ञ-पत्रिकाक पहिन ३० अंक


बिदेह ज्ञ-पत्रिकाक ३०म सँ आगाँक अंक





बिदेह आब.एस.एस.कीड एनीमेटेडकेँ अपन सागठ/ बनगपव नगाडु ।



 रत्नग "लेखाउठ" पत्र "एड गाडजेठ" ये "कीड" सेलेक्ट कए "कीड यू.आर.एन." ये <http://www.videha.co.in/index.xml> ठाँगप केतासँ सेहो बिदेह कीड प्राप्त कए सकैत छी। गूगल वीडियो पठरी लेन <http://reader.google.com> पत्र जा कऽ Add a Subscription बटन क्लिक करूँ आ पानी स्थानमे <http://www.videha.co.in/index.xml> पेन्ट कक आ Add बटन दराउ।

 Join official Videha facebook group.

 Join Videha googl egroups

 बिदेह रेडियो: मैथिली कथा-कविता आदिक सहित गौडकान्ठ सांगठ

<http://videha123radio.wordpress.com/>

मैथिली देखागरी वा मिथिलाकबये नहि देखि/ लिखि पायि बहल छी, (cannot see/write Maithili in Devanagari / Mthilakshara follow links below or contact at ggajendra@videha.com) तँ एहि हेतु नीटाँक निक सभ पत्र जाउ। संगहि बिदेहक सुभ मैथिली भाषापाक/ बचना लेखनक नर-प्रबान अरु पढ़ू।
<http://devanaagarii.net/>

<http://kaulonline.com/uninagari/> (एतए रत्नमे अनन्तागन देखागरी ठाँगप करूँ, रत्नसँ कापी करूँ आ रडि डाक्यूमेन्टमे पेन्ट कए रडि कागतरुँ सेर करूँ। विशेष जानकारीक लेन ggajendra@videha.com पत्र संपर्क करूँ।) (Use Firefox 4.0 (from WWW.MOZILLA.COM) / Opera / Safari / Internet Explorer 8.0 / Flock 2.0 / Google Chrome for best view of 'Videha' Maithili e-journal at <http://www.videha.co.in/>.)

Go to the link below for download of old issues of VIDEHA Maithili e magazine in .pdf format and Maithili Audio/ Video/ Book/ paintings/ photo files. बिदेहक प्रबान अरु आ ऑडियो/ रेडियो/ गेथी/ चित्रकला/ कोष्ठ सभक कागत सभ (उद्यापन, रड सुत्र साव आ दूरस्थित मय सहित) डाउनलोड करवाक हेतु नीटाँक निक पत्र जाउ।

VIDEHA ARCHIVE बिदेह आर्काइव



जातिवैश्व प्र मलकरि रिद्यापति । भावत आ लेपातक माठिमे पसवत मिथिनाक धवती प्राचीन कालसँ मलन प्रकम ओ मलिना लोकनिक कर्मभूमि बहन अछि । मिथिनाक मलन प्रकम ओ मलिना लोकनिक छि मिथिना बन मे देखू ।



गोरी-शेकरक पानरणि कालक मूर्ति, एहिमे मिथिनाकबमे (१५०० वर्ष पूर्वक) अभिलेख अंकित अछि । मिथिनाक भावत आ लेपातक माठिमे पसवत एहि तबलक अग्राय प्राचीन आ नर स्थापन, छि, अभिलेख आ मूर्तिकलाक लेल देखू मिथिनाक खोज

मिथिना, मैथिल आ मैथिलीसँ सम्बन्धित सूचना, सम्पर्क, अनुसंधान संगहि विदेहक सर्च-गंजन आ नृज सरिस आ मिथिना, मैथिल आ मैथिलीसँ सम्बन्धित वेबसाइट सभक समग्र सक्तक लेल देखू विदेह सूचना सर्च अनुसंधान

विदेह जानबुतक डिस्कसन फोरमपर जाउ ।

"मैथिल आर मिथिना" (मैथिलीक सभसँ लोकप्रिय जानबुत) पर जाउ ।

1.संपादकीय

१

१

साहित्य अकादेमी द्वारा हरा प्रवक्ताक लेल घोषणा । हिन्दीमे निथेरना द्वारा मैथिलीमे मात्र प्रवक्ताक लेल लिखन जेकराक प्रवृत्ति, जे सुधाधन दुखधामा मे पहिलेसँ बहन अछि, आ तकरा (नर) ज्ञानरादक अनुसन्ध प्रवृत्त कएन जेकराक प्रवृत्ति ओगमे सेहो बहन अछि, आर तकरा प्रसाव ओ अपन जातिरादी हरा मध्य केनक अछि । तेतना समिति आदि संस्था (नर) ज्ञानरादी कष्टवताकेँ ज्ञान हरा रज्ज मध्य पसारित बहराक चेष्टा करैत बहैत अछि । गेथीक क्रांतिप्रेरक स्थानपर चमचागिरी, लेखकीय दायित्वक स्थानपर जातिरादी कष्टवता छनिते बहैत ? नृष्टस कोणसँ हराकेँ, रैडनिक (नर) ज्ञानरादी हरा जे अहाँ जातिरादी रिदाधामाकेँ टेलेज केनाग तँ दूर, ओगमे सहयोग करए, की ए तबलक तबलकेँ रटार दइ अहाँ मैथिली साहित्यक पुनर्जागरण राधक तब ले रनि बहन छी ।

"निःशुक्ल" करिता संग्रहकेँ प्रवक्ताक ले भेटैत ओग लेल महेंद्र माकेँ सहस्रा" सँ, देवेन्द्र माकेँ मधुकी (संप्रति मजबूतप्रव)सँ आ योगानन्द माकेँ रदनाम करिप्रव लैगसँ रज्जाउन गेल आ ग भाव देन गेल । आ ओ सभ छनकि अरुणात "मा" सौवत केँ । सायास "निःशुक्ल" करिता संग्रह साहित्य अकादेमी द्वारा ले मगाउन गेल, जे



एकठा गनीगन काज अछि । तबब-दबबमे निर्णय कएन गेल, आर जएत पोथी आरि सकन ओही मध्यमे ले निर्णय हएत, से तर्क देन गेल । पूर्ण कपस कार्य ठडस टिकेन (उज्जव, ज्ञान आ नश्वर) मैथिल ज्ञान जूरी चुन गेल जे कोनो बिस्व ले बह ।

ई गनीगन काजकेँ हब सुबपव चुनौती देन जाएत ।

मृत प्रवक्ता जन शैलिका रम्यकेँ चुन गेल छहि आ अमराद प्रवक्ता जन महेन्द्र नावाय बायकेँ- दू गोठेकेँ रमाग । संगमे नटकेतक "ला एन्ट्री: मा प्रमि", सुभाष चन्द्र यादवक "रनित रिगड़" आ जगदीश प्रसाद मन्दक "गामक जिनगी" क रिकम्प "निर्भुकी" रिलेरी तब जे तीन सानस जान प्राण नगेल अछि जे ई पोथी सबकेँ मृत प्रवक्ता ले भेटैक, से योब निम्नीय अछि । "ला एन्ट्री: मा प्रमि" २००+ से प्रकाशित बह आ ज किताब अगिला सानस प्रवक्ताक लेसमे ले बह, ई पोथीकेँ मृत साहित्य अकादेमी ले भेटि सकत । दूदा की एकव स्थान मैथिलीक पहिल आ एक धरि एकमात्र गोन्यार्डन ड्रामाक कपमे बकाव ले बह, की ज्ञानरादी रिचारावा ज स्थान ई पोथीसँ छुनि सकत ? सुभाष चन्द्र यादवक "रनित रिगड़" आ जगदीश प्रसाद मन्दक "गामक जिनगी" अगिला सान सेहो लेसमे बह । दूदा ताबानन्द रियोगी आ महेन्द्र नावाय बाय कि (नर रैडानिक) ज्ञानराद द्वारा प्रकाशित छहि आ सुभाष चन्द्र यादव आ मेघन प्रसाद अग्रिम ७७ आलोचकमे सुभाष चन्द्र यादवक "रनित रिगड़" क रिकम्प बायदेर ना- योगानन्द ना- महेन्द्र मरगिया- मोहन भावराज- मायानन्द मिश्र- चन्द्रनाथ मिश्र "अमर" आदिक मडवत सकन जेयो जू जए तू की सुभाष चन्द्र यादवक मैथिली पाठकक दुद मे जे स्थान छै, से की कम क सकत ज मडवतकावी सब ? जगदीश प्रसाद मन्दक "गामक जिनगी" क स्थान मैथिलीक आग धरि सर्वप्रथम नक्का सगलक कपमे रनि गेल अछि, की ओ स्थान कियो दोसव छुनि सकत ?

पठ, निर्भुकी आ चमेठी याक महेन्द्र ना, देवेन्द्र ना आ योगानन्द नाकेँ -

निर्भुकी

<http://books.google.co.in/books?id=CuB1Li h1 VDI C&pg=PP1&pg=PP1#v=onepage&q&f=false>

२

बिदेहक सगलमे धीरेन्द्र प्रेमसिकेँ एकठा ककड़ । मोन पडन छन्हि- "बसी-रकरी एकठि धोकरी" । बाजा सनसेक गाथामे जत सनसे बाजा बह छहि छुडमन टोव भ २ जाग छहि आ जत छुडमन बाजा बह छहि सनसे टोव भ २ जाग छहि । साहित्य ज्ञानराद जातिक अभावपव समीक्षा करै, समानातुव पवस्वाक उदाहराद कष्टवता रिलेरी अछि । समानातुव पवस्वा मिथिना आ मैथिलीक उदाव पवस्वाकेँ लेखकित करै त ज्ञानरादी समीक्षाकेँ मिथिलक कष्ट तब प्रभावित करै छै । समानातुव पवस्वाक योड । ज्ञानरादी समीक्षामे गभा रनि जाग, आ ज्ञानरादी साहित्यमे तू गभा छैले ले, सब योड क थोन ओल छै । आ सएह काव बह जे मैथिलीक सुखएन दूधा धावाक साहित्य दर अछि । आ सएह काव बह जे अतुकातु करिता ह्वा रा तकातु, रहवहाज गजन ह्वा रा आजाद गजन; लोना, दोहा, रुन्दनिया, कराग, कसीदा, नात, हजन, लंगू, हकू रा ठनका- राका सब ठाम समानातुव पवस्वा कत स कत रति गेल; नाटक-उपन्यास-समीक्षा, रिहनि-नघ-दीर्घ कथा सब केतमे अछुत साहित्य मैथिलीक समानातुव पवस्वामे निखन गेल दूदा ज्ञानरादी सुखएन दूधाधारा आ जातिरादी बगमट छन-प्रपट आ सरकारी संस्थापव नियंत्रक अछैत मवनास अछि ।



गजेंद्र ठाकुर

gajendra@videha.com

अपन मतब gajendra@videha.com पब पठाउ ।

२. गद्य



२.१. पंकज चौधरी (नरनशी)- बिहनि कथा : प्रवक्ता

—



२.२. ज्योति प्रसाद शrivastava-दूटी तय्यका-गटियारना सलम

—



२.३. रिशभ ठाकुर- प्रेम-पत्र / सपनाक खरकान

—



२.४. उमेश मिश्र- मिथिलाक खाँडी संस्कृतिक संकलन



२.३.

गजेन्द्र शर्मा- जगदीश प्रसाद मंडल एकठाँ राबोधाकी- आगाँ



२.३.

नरेंद्र कुमार सा- गाम से रिहिन के लोकथिय बनऽ से नागन दुधि मानस बिलब



२.१.

सन्तारवाण सा- रिहिन कथा- भेन



पंकज टोषरी (नरनली)

रिहिन कथा : प्रस्ताव

मैथिलीमे स्नातकोत्तर के उपरि ग्रहण केनाक उपरांत मृदुन साहित्य सृजनमे लागि गेला । नीक आ प्रभारी लेखनी लेखक कावशे मगरिहानय सुब पब खूँ खाति रठैबनहि ।

रोजगावक तकमे दिन्नी चन गेला द्वाद शहरिया तडक-तडक ले सोहैनहि । शहरक भीड़-भक्का आ ताम-नाममे साहित्यक संग छुटैत रूमना गेननि त गाम आपस आरि गेलाह आ मधुनियेमे एकठाँ निजि क्रियानयमे शिक्षकक पद संनारि साहित्यक प्रति समर्पित भ गेला । शिक्षकक लोकरीसँ जतेक आमद गेनि तहिँ घरला चनर कठिन । घबमे सब दिन नन्ना-छुट्टी नगले बहिन छननि । द्वाद हारि ले माननहि । साहित्यक खूँ पेल बहि गेला । जिनगीक गाडी जेन-तेना खीचले जा बहन छुनाह ।

साहित्यिक क्षेत्रमे हनक प्रसिद्धि दिन-प्रतिदिन बढन जा बहन छन । भविसके कोना पत्र-पत्रिका छन जाहिमे हनक बचना नहि छुपैत छन । कतेको गौथीक प्रकाशन भ गेन छन । तीन लेब मैथिली भाषा जेन "साहित्य अकादमी" प्रस्तावक हेतु सेहो नामित भेला द्वाद भेटैननि नहि । एहि रवख हनक एक गोष्ट गौथी के अमरीकामे सेहो सम्मानित कएन गेन छन । देशीभरिमे गौथीक खूँ चर्चा चनन । खूँ सवालना भेन । एतए तक की एहि गौथी के मैथिली साहित्यमे मीन के पाथर सेहो कहन जाए नागन । एहि रवख मैथिली भाषामे "साहित्य अकादमी" प्रस्तावक जेन ओ प्रेरन दारेदाव छथि । सबके भरोस आ अपेक्षा जे एहि लेखक आ प्रस्ताव जेन मृदुन जी सभसँ उपहाङ्ग लोक छथि ।



लेस ... ओहो दिन आएन । प्रवक्ताक घोषणा कएन गेल । मृदु ... की । । । ? ? ? प्रवक्ताक घोषणा अछि कबए रना छन । प्रवक्ताक लेन जखन साहित्यिक नाँउ घोषित भेल त शिका जागत जे की प्रवक्ताक मैथिली भाषाक लेन अछि की ? सब गोठे अपन-अपन तर्क लगा एहि घोषणाक भुक्त तर्क बलन छनाह ।मृदुन अछि लेब छुटी गेनाह ।

प्रवक्ताक समूहमेसँ एक गोठे मृदुनसँ प्रश्न केननि, "मृदुन की एकटा मैथिली साहित्यिक उदावता कहल ? की अहाँ संग आय भेल ?" मृदुन नम्रव स्माँ छोटित बजनाह, "एहि प्रश्नक लेनी महत्त्व ले जे प्रवक्ताक हमरा भेलैत की ले, एकरा महत्त्व ले जे हमरा संगे आय भेल की ले, महत्त्वपूर्ण की जे की प्रवक्ताक संगे आय भेल । ? " कोना भाषाक लेन "साहित्य अकादमी प्रवक्ताक" यदि एलन गोठे के देन जाएत अछि जे ओहि भाषासँ जुड़ल नहि छथि, त की एकटा ओहि भाषाक व्यापकता रा उदावता कहल जाए ? जे मैथिली की अगल मैथिली पेल लेसत छथि हुनका प्रसंगमे की केलन उदावता अछि ? की समित सभनक की कथित व्यापकता या उदावता अस्मिता सभना पर प्रहार नहि अछि ? यदि की व्यापकता या उदावता प्रथा बनि गेल त जे अगल मैथिलीमे निथेत छथि तनिका की साहित्यिक समाज की जरूर देत ?

(तिथि: 21.12.2012)

ई कनापर अपन मतब ggajendra@videha.com पर पठाओ ।



जगदीश प्रसाद मिश्र

दृष्टी नम्रव-पट्टिबाना/ सलस

पट्टिबाना

जेठ मास, दैनिक तीन बजेत । देखेमे बातिस रत लेसी नम्रव दिन बनेत मृदु जलिया कायाक संग माया की लौकिक संग छाया चनिते बहत तलिया नम्रव दैनिक संग धृगो एते रटि -चटि जागत जे मनोमनको दिनसँ, प्रेमशक्ति दौड़मे छोट बनि जागत । सूर्यक शक्तिराश एते उग्र कप पकड़ि नगत जे धवतियो तारा जकाँ अंगि उगलैपर उताहन भइ जागत । धवती-अकास रीच वृक्षाएन नृ एक-ताले राधमे नटैत । जेना बाय-बाबाक रीच रा मनभावतक सवबहम दिन भेल, तलिया । तेहन तीव्र रेखित सुखमान लेखि भेल ओग टिड् जकाँ श्याम सुनक दवरज्जापर अरि दारामे सागकिन ओगठा ओसाक सुगंधपर टाक नान टात खसिते अरि मृना गेल । जलिया रन अरि साँस चलैत अमरुदूक गेगत तलिया भेल । लेकका टाह पीलेक अन्धवास श्याम सुनक, तीन बजेक । बगतक यक ओसापर टाह बनैत बहति तै सागकिनक खड़खड़ एरसँ ले पलेखि सकनाह



जे राग नगन राम जकाँ कियो छथि । सागनिक रात सामान्य तँ सद्गुण उपद्रुस नैक जे जग काजमे लथ नागन अछि अ कवा पूरा नी । सहर केननि । चार पीरत दवरज्जापव अगिते देखननि जे अ अमडू भेन के छियाह । दूह निहावननि तँ चिन्हन चेहरा सुलेमानक । आँखि रन्न, कहरीत मनरनाक तँ रानियो अस्पष्ट जकाँ भऽ जाग छै, तँ रान-रक्ष रा पशु जकाँ दूध बूमर कठिन भऽ जागत, तथापि छाती थीव करैत श्याम सुनव ठैकननि-

“सुलेमान भाय, सुलेमान भाय ? ”

पानिक तलक अराज जलिया उपर ले अरैत दूदा पानिक उपरक अराज कमपित होगत, नहिक अन्कून ततए धरि जागत जतए ओ पूर्ण अस्थिर ले भऽ जागत । श्याम सुनवकेँ उतव अरैस पल्लि मन पछा गेननि भिनसुका अराज । “पठिया जेर पठिया, पठिया जेर पठिया । ”

दूदा नगले मनकेँ नख घटा उछलि कहनकनि । भविसक रौदक छेष्ट आ मेलनिक याविस एते रेखा गेन छथि जे आँखि थोलेक साहसे ले होगत छन्हि । चिन्हन दवरज्जा आ चिन्हन रानी अकाँ न करौष्ट लेडत अ-थिन्तु आँखि उठा सुलेमान राजन-

“श्याम भाय, केकर दूह देखि घबस निकनलौ जे एको पागक लोहनि ले भेन । उषाव-पुषाव ए उमेवमे थाएर नीक ले बूने छी, कखन छी कखन ले छी, केकरा आ कऽ मवर तँ कोसत । जनथे आ कऽ जे निकनलौ, सहर छी । खानि पेटमे पानियो भोकरे करै छै । पेटमे रगल नछै । ”

सुलेमानक रात सुनि श्याम सुनवकेँ भेननि जे भविसक एकरे रिनाग रुदर कह छै । बुधाएन रिनाग जलिया छुटपठागत अपनो रछाकेँ कठ छेले तैयार हूअ नछैत तलिया भविसक होगत-हेतग । दूदा लोहो तँ अमान ले एक सग कते तीव नागन छन्हि । कोनो घड़ीमे तँ कोनो राहिये कोनो छातीमे तँ कोनो माथमे । भूख-पियास, थकान गत्यादिस रैन छथि । तैसत श्याम सुनव कहननि-

“सुलेमान भाय, आँखि नीक जकाँ थोह । एके कप चार रलाले छलौ जे आँगठ भऽ गेन अछि । राजू पहिले चार पीर अकि थोनाग थाएर ? ”

पानि भवन रातमे आस नगरत सुलेमान राजन-

“भाय, ए घबकेँ कहियो दोसबाक बूमलौ जे कोनो रात रज्जेमे सकोच लथ । देखे तते दर्द भऽ बहन अछि जे कनी पीरपव छटा खनि दिअ पहिले, तखन बूमन जेते । ”

सए घबक जूनाल पविराव गोधनपुवमे । समारपुवस पूर सुथेत पचायतक गाम गोधनपुव । जगठाव मवदे-मोहिये मिनि रिछनक कारोबार करैत अछि । गाम-गामस मोथी कनि, अपनस सैनक डोरी राँटि रिछन रीनि, उतवमे अरवा ठाढ़ी, दछिन घनश्यामपुव, पूर घोघवडीला आ पछिम मेरु-कोठिया-लैया धरि रज्जाव रना कारोबार करैत अछि । ओना जूनाल खानि गोधनपुव ठामे ले आलो-आलो गाममे अछि दूदा रिछनक कारोबार गोधनपुव ठामे होगत । शहर-राजवमे जलिया वग-रिवगक रसुत-जात रिकागत तलिया गामो-समाजक रज्जावमे चलेत अछि । जगमे वग-रिवगक रसुत-जातक रिफ्री-रफ्री चलेत अछि । किछ रसुतगत आ अछि किछ भारगत ।

सागयो पविराव अपन-अपन क्षेत्र रना भिनसले जेव रना-रना निकनि जागत अछि । ओना कहियो कान सुलेमानो जेरेमे निकलेत, दूदा आग अमगले निकनन छन । अपनामे सीमाक अतिक्रमण कबरो करैत आ नहियो करैत । खुना रज्जाव तँ ओह ले ठिकाँ होगत जे रिसरास रसुतक रिफ्री कव । ले तँ घटिया मान आ रसी दाममे रसुतक रिफ्री लथ । दूदा गोधनपुवक पठियारनामे से ले एकवगाह रसुत, एक वगाहे दाममे रिकागत ।



पीठ-सँ घुँगी धरि जखन श्याम सुनव दस रैव रत्नाह तखन सुलेमान पड़ल-पड़ल राजन-

“भाय, आर उतवि जाउ । एह, अर राप ले आगे जिनगीसँ घुबलौ । मन हनुक भेल ।”

कहि बूढ़बूढ़ा कऽ उठि रैसत राजन-

“भाय, अछेत जकाँ भऽ गेल छलौ । आँखि टोन्हिया गेल छल । सौसे अन्तार वृत्ति पड़ल नगन छल । आ तँ बहल बहन जे दवरज्जाक पछिला देरानक ठेकन बहन, ले तँ कतए लोख कऽ मरिबै तैक ठीक ले ।”

श्याम सुनव सुलेमानक रात्रे सुनैत आ मन-मन रिचावला करैत जे हो-न-हो दवरज्जापव मरि जागत तँ झूठदूसरी चिट्ठी जकाँ लोक केना झूठ दूँत तैक कोनो ठीक ले । जगठाम घबप चिट्ठी रैसल घबक सब किछु छनि जाग छै तगठाम कि होगत । झूठा जग दुःखतिक दुःखपव सुलेमान पहुँचि गेल छल ओगठाम मनुषक मनुषपना केनेल होग, होग तँ अछि । सतवि-पचतवि बरख सुलेमान सब दिन पचास किछो मीठव रिछानक लोम नऽ कऽ ठहलि रैचि जीरि कोपार्जन करैत अछि, ओहने कि कहल जाय । जे खून-पसीना एकरइ कऽ जीर बहन अछि । ओकव अतीम लोको कियो परिवारक सुनि परिठे ? मन ठमकिते पड़लखि-

“सुलेमान भाय, आर केनेल मन नछै, किछु खाग-पीरक गच्छा होय ?”

झूसकी दैत सुलेमान राजन-

“भाय, आर जीर गेलौ । आर थोर कवर किल । किछु दिन आँडो दूनियाँ केनेल-लेनेल देखि लेर ।”

जहिना गड़-घाँक ठेक जेत रहसँ पहिले बहत अछि झूठ रनि निकनिते किछु रैसिया जागत झूठा मृत-धन निकनता पछाति सुआस पड़ल नछै, जगसँ कप रदनि जाग छै, पाणि आस नगर नछै छै, तलिना सुलेमान राजन-

“भाय, सलेन भात-लोठी खागक मन ले होय ।”

“तखन ?”

“ठेका जे गहक चकि लोठी भऽ जागत तँ मन तिरपित भऽ जगत । तले नह सेहो लेर ।”

सुलेमानक रात सुनि श्याम सुनव कहलखि-

“कत देखत अछि ? रातूँन-लोठी आनि दग छी, नीक जकाँ नह लेर ।”

श्याम सुनवक रात सुनि रैसत सुलेमान राजन-

“भाय, एना किअ रजै छी । पचासो दिन पानि पील छै, आ कतेको दिन नहल छै, तखन कत देखत ले बहत । लोठी-रातूँन कथिनेल अर, अ । ‘गनमे काज छै । हम सब तबक नृवि बखल छी ओना ठाढ़-ठाढ़ रा रैसि कऽ नह नग छी आ जँ सासुव-समिठव गेलौ तँ लोठी-रातूँन नऽ कऽ नह लेलौ । ओना भाय, की कहल लोको सब अजीर-अजीर अछि । ले मान-जान जकाँ नागवि छै आ ले मनुषपना छै । एक दिन अलि लोदमे मन तरनि गेल । एक गोलक दवरज्जापव कत देखनि, सागकित अछा नह गेल गेलौ । मन भेल पहिले चारि गोठ पानि पीर नी । तली रीच एकठा मोठल आरि सठल लेकनक जे कत छरा जयत ।”



सुलेमानक रात सुनि श्याम सुनक मनमे रातगीक आरि गेलथिन । तयसा नदीक तैपव राग नगन एगट पक्षी ।
झुदा अपनाकेँ सम्हारि कहलथिन-

“अहूँ सुलेमान भाय कोन थिसा भुखएतमे पसारे छी । मर दे नहाऊ, आँगनमे तारै रोटी बनरै छी ।”

सुलेमान कत दिस आ श्याम सुनक आँगन दिस रहताह । जहिना भोजनक पूर्व स्नानसँ खुशी भोगत तहिना सुलेमान कत दिस रहता । झुदा श्याम सुनक मनमे प्रेम-पव-प्रेम उठैत नगननि । पहिन प्रेम उठैतनि जे मृत्युसंज्ञापव पड़त यात्रीकेँ रा कासीपव चढ़ैत यात्रीकेँ पृथ्वी भोजन देन जागत अछि तगठाम अपना झूठे सुलेमान कहलक जे गहमक रोटी । रिन मेहनक गहमक रोटी ओहने भोगत जेहने डमरुएत मानदह आम । जे सोने रोटी कहैत त मड़ आ रोटीक मेहन अचाव, पिआजू, नून-मिबचाय, तेन सेहो भोगत, झुदा ठैका गहमक रोटी केहने हत ? सभकेँ अपन-अपन प्रेमी भोग छै । जे से ले भोग छै त जूबशीतनमे रसिया अवरौ चाडक भात जेन पहिले लोक तड़ आ-भुज आ किछु रना नगए झुदा तै कि मोठका चाडक रसिया भातक प्रेमी नून-पिआजू-अचाव ले हेते । झुदा जेते जन्दिदराजीक जकवति अछि -जन्दिदराजी ए जेन जे भुखएत पेठे स्नानक पछाति दोसब कप पकड़ैत- तगये बसदव तवकावी रनाएर सभर ले, तै दूठा घेरा पका चैनी आ रोटीसँ काज चनि सकै । सए केतनि ।

स्नान कएत मोतहारी जकाँ दवरज्जापव अरिते सुलेमानक भुखएत मन प्रेमी भोजनक राठ तकए नगन । रव-रव आँगन दिस तकैत ।

आगूमे थारी देखिते सुलेमानक मन साँउनक सुहारन जकाँ हवि उठैतनि । रोटीक पहिन टुक चैनीक सग झूठे अरिते दतिया कऽ दाँत पकड़ा जीह बस चूसए नगननि । बस परिते रिहँसत सुलेमान राजन-

“भाय, दुनियाँमे करै किछु ले छै । छै सरठी अपना मनमे । जार आँख तके छी तारै रड़रड़ा याँ, आँख झुनिते दुनियाँ रिया-प्रताक थैन जकाँ उमरि जाग छै । अपने झगले सृष्टिक लोप भऽ जाग छै ।”

सुलेमानक गलीव रिदाव सुनि श्याम सुनक मनमे उठैतनि जे भोजेते जे भोजहकिक बसगव रात सुनित तै ओ आरो रसी आनन्दित भोगत छै । झुदा अपन रात तै रिन प्रेम पछने ले हत । द्विमे दुनियाँ हेबाएत छै । राटी आएत धाव जकाँ कतए-स-कतए भसिया जाएत तेकर ठेकन बहत । श्याम सुनक पछतथिन-

“सुलेमान भाय, ए उमेवमे एठ भावी काज किछु करै छी ?”

श्याम सुनक प्रेम सुनि सुलेमान रिहँस भऽ गेल । जिनगीक हवन सिपाही जकाँ तवसत राजन-

“भाय, जखन अहाँ घबक रात पछिये देलौ तखन किछु ले सभ रात कहिये दी ।”

सुलेमानक रात सुनि श्याम सुनक बूनि गेला जे रविआतीक भोज हूँ चहैत अछि, से ले तै चबिआ दियनि-

“सुलेमान भाय, कहने छलौ जे गम-गम रोटी खाएर सबाएन ले खाएर आ अपने गपक पाछु सरलै छी ?”

श्याम सुनक रात सुनि हाँ-हाँ दूठा रोटी आ अंधा चैनी आ एक मोठे पानि पीर सुलेमान राजन-

“भाय, माए-बापक रड़ दुनाक रोटी छेनि । खाग-पीरक कोनो दुख-तकलीक परिवारमे ले बह । कपड़ क कारोबार छन । चबिआ चनरैसँ नऽ कऽ खादी भंडारसँ छै धरि कारोबार छन ।”



श्याम स्नानक मनमे ठूठनि- मोरागत, ठौ.री, कम्प्यूटर, कपड १, जूतासँ घब भवन बहे छै द्वाद सवक करै ठेकन ले । भवि पेठे अन्न ले, कठेला रस ले, छुछुछे घबमे सव केना कछि जाग छै । । स्नानक परिवारिक जिनगीक नतिगव गप सुनि श्याम स्नान जिज्ञासा केननि-

“ओ कारोबार किछ छोछि देनि । मेलने आ आमदोक धियातसँ तँ निके छन ? ”

रामा हाथ छनिप ठोकेत स्नान राजन-

“गाम-गामक बारू-भैया सब गरीरक कावखाना उज्जाल देनक । खादी भुडावकेँ नृष्टि लेनक । छुछुछे हाथे कि कबिने । ”

लेब जिज्ञासा करैत श्याम स्नान प्रछननि-

“कौन-कौन तबक कपड १ रनले छेनि ? ”

स्नान- “पहिल रससँ नः कः ओक सतगा धरि रनले छेनि । ”

दूरेत नार देखि जहिना नग्या -नारिक- निवाशि भः जागत जे जँ जिनगी रचियो जगत, तँ जीर केना । तलि स्नानक तबसत मन काँप नगन ।

आगू रठलेत श्याम स्नान प्रछननि-

“अ तँ धिया-प्रतक खेत भेल, जग दिओ । ”

श्याम स्नान स्नानकेँ तँ कहि देननि द्वाद मन ठमकनि । काजक कपमे समाज रठन अछि । ओग काजक नृष्टि तँ ओकरा लेन सुबक्षित अछि । जँ कागजी त्रानक अबारो बहते आ रिकसित लेखनिक त्रान देन जाग तँ कि घब-घब पाठशाला ले रनते । जकबत छन समायानुकुन ओकरा रनलेक । से ले भेल ।

तेसब लेठी आगत स्नान राजन-

“भेल तँ सख द्वाद परिवार रितछि गेल । ”

परिवारक रितछे सुनि श्याम स्नान आगू रठि प्रछननि-

“अपन परिवारक कारोबार मरि गेल तेकब पछाति कि केनि ? ”

श्याम स्नानक प्रश्न सुनि उत्साहित गेगत स्नान राजन-

“कि केनि ? हमरो जूनीक उठानि बह । मनमे अरोपि लेनि जे दुनियाँमे करैसँ कया कः परिवार जीरित बखले कर । ”

स्नानक सकल्पित रात सुनि रात-राती दैत श्याम स्नान प्रछननि-

“दोसब कौन काज केनि ? ”

स्नान- “गाम-गामक कपड १ रनिताब ररग छनि छेनि । ”



“बमरगमे कतए ? ”

“भिरडी । भिरडीमे नम्र चले छै । ओगमे कपड़ । बुनाग होग छै । गमैया नुबि तँ बहल कब, नगल लेकरी भँ गेल । ओना मजदूरी लेठ कम बल दूदा काजक माप सेहो बँ । जते कवर तते लत । जूखन-जहन बहल कबि दिनकेँ ले दिन आ रातिकेँ ले राति बूमि । खुर कमेजो । ”

श्याम सुनब- “तखन ओकरा किछ छोड़ा देनि ? ”

श्याम सुनबक रात सुनि सुजमानकेँ ओलि भेलनि जहिना छोटेप बोलवा-तेलवा कऽ छोटे नगनास होगत । क्रमतेन कृत जकाँ दूत मनि आ ठोबमे कूड़कूड़ी आरन नगन नमल साँ छोड़त राजन-

“भाय, चाबि सात खुर कमेजो, पाँच सात रिहारी-मवाठीक हनु उठन । हनु ले उठन कतेकेँ जान गेल, कतेकेँ बह-लेठी छिनए, कतेकेँ कमाग वृष्टन । सब किछ छोड़ा जान बचा गाय आ रि गेलो । ”

श्याम सुनब- “गामे आरि लेब कि केनि ? ”

सुजमान- “तेली दिस पठियाक आ कारोराब शुक केनि । सब पवानी नागत बँ छी, घीटि-तीटि कऽ कहुना दिन रीतले छी । ”

श्याम सुनब- “सुजमान भाय, हम आ ले कलर जे अल ले काज कक, दूदा काजक ओकाति तँ देख पड़त किने । कल्ला-कल्ला तँ टानीस-पटास किनामीठव सागकिन चनले तेले ? ”

“हँ से ले किछ चनले तेले । आर कि ओ कोस बहन जे घटामे एक कोस लोक चले छले । ”

“एक तँ आ लिना शिरीव ठीन भँ बहन अछि तगपव सागकिन चनले छी । ततले ले हो-न-हो कते बस्ता-पेवामे गाविये पवर आ लय-पव छूटि जअत तँ के देखत ? ”

एक तँ सुजमानक जवन मन ठह्र एत तगपव सँ परिवारक जन लय-पव छूटि सुनि न राजन-

“भाय, केतरो अन्हाबमे अन्हाबमे लोक ठेबिया किछ ले गेल, दूदा हमदू कोना समाजक लोक छी तँ सब समाज अपन-अपन धर्मक पानन करैत अछि । तहमे हम तँ चिनार छी, गोठे-गोठे अन्हा कऽ आगू रढ़ी जागत दूदा सब तेहले तँ नहिये अछि । तहमे जागत लोककेँ खोड़ रिनास होग छै । ”

सुजमानक जागत रात सुनि श्याम सुनब ठमकनाह । रात तँ बड़ सुनब अछि दूदा जागतक की अर्थ बुने छथि, से रिनु जनले रात ले बूमि सकर । एके टीजक नाउ-शिरद ठेब अछि, नाउक सग काज जूड़न अछि । तगठाम रिनु प्रहल काज ले चत । प्रहलखिन-

“भाय, जागत केकरा कहे छि ? ”

जेना सुजमानकेँ बठले होग तलिना पाँच-दऽ राजन-

“भाय, जखन आँखि मून देथे छि तँ बूमि जाग छि जे सूतन अछि आ आँखि तकेत बँह तँ बूमि जाग छि जे जागत अछि । ”

लेब तकल आ दूनरक ओसरी श्याम सुनबकेँ नगननि । दूदा ओसरीमे ले आगू रढ़त प्रहलखिन-



“कते गोठैक परिवार अछि । ”

सुलेमान- “अछि तँ रत्त झुदा चाक लेठीकेँ सासुब रसेल अखन तीनिये गोलक अछि । ”

श्याम सुनव- “लेठीसँ ले किअए अ काज कबले छी । ओ तँ जूअन हएत ? ”

लेठीक नाँ सुनि सुलेमान बिहिन भऽ गेल । जेना कते सुख-दुख दनु रहल गावा-जोड़ि कऽ सायाक गीत गलेत तल्लि सुलेमान राजन-

“भाय, उमेवक ठनालमे लेठी भेल । सबसँ छोटे अछि । ओकरा दू अक्खल ले पढ़ी देखै, तँ लोक कि कहत ? ”

लोक नाज सुनि श्याम सुनव हवा गेल । एहना जिनगीमे लोक-नाज जरीरित अछि । रिहसत प्रचुरनि-

“मन नगा कऽ पढ़ीए किले ? ”

केकरा मनक रात ई हागमे के कहत । सब अपन लेखे लेखएत अछि । सुलेमान राजन-

“भाय, से तँ ओकरे मन कहते जे मन नगा कऽ पढ़ी छी कि मन उड़ि कऽ पढ़ी छी । ”

“अहाँ कि देखै छिई ? ”

“भाय, हम तँ अपना धामे नागत बह छी । तखन केना देखै ? ”

“सगी-साथी सब कहत हएत किले ? ”

“हँ, से तँ कहै जे जाग्य पढ़ीले आ चलि जाग्य सिनेमा देखै, मेच देखै । ”

“परीछामे पास करै किले ? ”

“हँ से तँ ठोड़-ठोड़ि नगले पास कगये जाग्य । ”

“तर तँ अशि अछि ? ”

“हँ, से तँ ओकरेप ठक नगेल छी । जँ करी लोकबी भेल तँ दिने रदनि जएत । ”

लेठीक रात छोड़ा श्याम सुनव प्रचुरनि-

“घबराती कि सब करै छथि ? ”

पनीक नाँ सुनि सुलेमान पसिज गेल । पनी, पनी बहन ? संग चलिहारि, कष्ट-कृषिक पवरात केने बिना कखनो ग्वक काज करैत तँ कखनो सगीक, कखनो प्रेमीक, जिनगीक अंतिम क्षण धरि बहक प्रतिज्ञा... । राजन-

“भाय, कल्ला कऽ बूढ़ि या भनस भान कऽ नग्य । लेछारी दयासँ पीछी त अछि । ”



“गताज किछ ले करा दग छियनि ? ”

“गवीर घबक लोकक गताज कि हेते । जते पथ गेग छै तगसँ रसी रूपथ गेग छै । तखन तँ चाँ छी जे रोटावी पहिले मय । ”

“स किछ ? ”

“एतेछी जिनगीक सभ कयाग कृषी जखत, जखन हम मयि जेरे आ ओग रोटावीक भीख कतक नागत । ”

सुलेमानक रात सुनि श्याम सुनव ग्रम भ२ गेताह । किछ कान पछाति कहनखि-

“आग बहि जाड । कानि एमरसँ रेटेत-रिक्नेत छनि जखर । ”

हँसत सुलेमान राजन-

“भाय, जेना आग एको पाग रोहनि ले भेत तेना नीके रहत । मदा, रमवयाह घरवातीकेँ एक नजबि ले देख लेर से केले रहत । ”

(विद्वान, पट्टिया, चटांग आ सोनवि बुनिलाव एर रचनिलाव लेन...)



सलेस

तस्मिन् लेखक रीच सीता नहाति त्रैसन सनक काका, प्रेम बस पीर प्रेमीक संग अक्षरपिया छानि पकड़ि, अक्षरिन् कृतक गंधमे गमिआगते द्रुलक द्रुसकी सौम्यता सिंगारव जकाँ मलयतेननि। अजीर गालो दुनियाँ अछि। ले सतिथे अछि आ ले रेशेथे अछि। रलौनिहारकेँ धन्यवाद दी जे एक दिस रिक्केक किन्यास राँष्टि पातिये-पाति, पाते-पात पवसि देननि तँ दोसर दिस-वाति रना आगूमे ठाढ़ क२ देननि। धरमक संग पाप, सुकर्मक संग क्रूर्य, रिद्वानक संग मूर्ख आ प्रकृत्य मोगीक जोड़। नगा-नगा, शतिआनी रीच पात्रेक पते-पते सेहो पवसि देननि। जते आगू दिस सनक काका देखेत छुनार ओते छुगन्ता नछेत छुननि। एक दिस पानिक ठोप चन्द्रादक कहलैत, तँ दोसर दिस अस्मि अथाह स्त्रीवसागव, द्रुदा चन्द्रादको तँ करैत दूक तँ करैत पानिक तँ करैत दूपनिया सेहो गेगते अछि। कहु जे ग केलेन दुनियाँक थेत छी जे कियो असकरमे सोनरो तान ध२ नछरो करैत, गेलो करैत आ देखरो करैत तँ कियो झिड़-झाड़ तकैत। जते देखिनार तते नीक नाच। दुनियाँक चक्रव-भ्रुव देख सनक काकाक मन तले-तब उदास भेत जागत बहनि। जहिना ध्वती रविआती बग-बगक रात करैत तल्लि मनमे उठैत बहनि। अनेले मनुख रनि जन्य गेलौ। मनुखपना जखन एले ले कएत तखन मनुख किछु भेलौ। द्रुदा पना आओत केना? राँसक पना ओरि गेगते अछैत छै, केरा-मोथी-अड़ि कोच गतवादिक सेहो ओल्लि अछैत द्रुदा मनुखमे से कल भेत। किन पलेक मनुख ठाढ़ छैत। ठाढ़ तँ छैत द्रुदा मुह ठाढ़ छैत की अछुह? जखन जानरोमे केँ-कैँ गेगते छै, तखन अपन हिससा मनुखे किछु छोड़ा देत। अनेले दुनियाँक महजानमे कसि मरैले छुड़पठाग छी। दुनियाँमे के एलेन अछि जे सुख-सागवमे त्रैस अनन्द ले छैह द्रुदा दुनियाँ तँ दुनिये छी किले? बग-रिबगक सागव सब सेहो रसन अछि। स्त्रीव सागव, सुख सागव, नान सागव, काबी सागव। सनक काकाक मन ठमकननि। जलैतमे जतए लोआग द्रुदा समाधि तँ ठोपव जेर। जू से ले तँ छैतव जकाँ थूक धारमे भसिआगत बहर। उदास मन, रिबहागत रग सनक काकाक बहनि। तखने भातीज-मनमोलन गौनीधिनक मोवामे किलो आपेक अंगूब आ सेर आगूमे बधि देनखिनि। मोवा आगूमे देखिते ठकका मारि काका हसनार। काकाक ठककाक छोटे मनमोलनकेँ ले नगननि, जना आमक गाछपव गौना बेलनापव कोलोकेँ खसले गोनराकेँ खूँसी गेगते सल्ले खूँशी मनमोलनकेँ भेत। द्रुदा निशान साधन आमक महत किछु आरो। ठकका मारि राजन-

“काका, ग अलीक सलेस छी।”

सलेस खुनि सनक काका टैकनार जे सलेस कहि की कहै। पछुनखि-

“कतक सलेस छी?”

मनमोलन- “कश्मीरी सेर छी आ पूनाक चमन अंगूब।”

सनक काकाकेँ मन तले-तब सनकन जागत जे ग छोड़। कि वृत्ति मजक कव आएन। जलिना राप एकोठा क्रूर्य ले छोड़नकेँ तली उतावक अपलो भेत अछि आ सेर-अंगूब देखरए आएन अछि। तामसकेँ तरमे दलैत काका कहनखि-

“लौ मनमोलन, एक दिक भोजे की आ एक दिक बाजे की। रछा सबकेँ द२ दिक। अपने अमबलेरा आ नताम दुगव गेगए। जते त्रैह जेर तते अपन दुबिये छैत। अछा लोआ, एकव भाउ की छै?”



“एकव भाँ बूँक केन जकबति पड़ा गेल काका ? ” मनमोहन राजन ।

मन-मन सक काका सोचतनि जे छोड़ । नमन छिना-बूँक जकाँ बूँक पड़ा । कहतनि-

“रौआ, आर तँ सज्जति चन-चलो छी दूदा अपना देन-कोसक लन बूमर कोला अपना हत ? ”

एक तँ सक काकाक रानामी थकलै बहननि जे घरो लोक सकल कहै छन्हि । केना ले कहनि सभ अपन परिवारक रान-रुछा ले करै आ ज सक काका से बूमर ले करै छथि । परिवारोमे सक काकाक सकी यह बहन जे अपन-परिवार आ दोसर परिवारमे भेदे ले बूमरनि । जहिना अपन परिवार तलिना दोसरक । अपन धरि मनमोहन यह बूँक जे परिवारोस राडल-रौल छथि तँ सभ टीजक दुख-तकनीक होगते छन्हि । मनमोहनक नजबि कड़ा आ नगन । सक काका बूँक कोशि कब नगनाह, काव कि छै । मनमे मिसयो भवि सन्देह अपनाप ले भेलनि । मन गराही दैत बहन जे निमान प्रतीत बाक्सक देन नका तगठाम रितीना केना भक्ति-भजन करैत जिनगी गुदुषि करै छनाह । केहना सघन रान सुकाठ-ककाठ कि आ ले होड़ दूदा आमक गाछ आम आ नतामक गाछ नताम कड़र रिसरि जयत । दोहरा क मनमोहनकेँ पुछतनि-

“ले रौआ, जहिना एके गोले डाकरो आ गजनीयरो ले भ सके कि एक तँ दूक दिना अतग-अतग छै । दूदा सेरक जगह ज अपनास नीक नताम आ अगुवक जगह अनबनरा लेने अरित तँ कले ले रौओ रोपि देति । ”

सक काकाक प्रश्न सुनि मनमोहन उछलैत राजन-

“काका, दुनियाँ आर घब-आंगन बन जा बहन अछि । आ अहाँ पुस्तैनी रिचाव बखति छी । ”

मनमोहनक साँसक गवमीकेँ अकैत सक काकाक सकी तेज ले भेलनि । मिड़मिड़ गत कहतनि-

“रौआ, ज दुनियाँ घब-आंगन रनि गेल तँ ओ नीक रात छी, दूदा ज तँ नीक रात ले जे कियो लोड़ी-छोड़ी रना भाया, साहित्य-संस्कृतिकेँ ओमरा मठिया मेठ क दिख । से कले बूमा दए जे कि भ बहन छै ? ”

“काका, दुनियाँ आर नर पीढ़ीक अछि तँ केतरो दूमेर ओ चले कबत । ” गमलेत मनमोहन राजन ।

मनमोहनक प्रश्न सक काकाक सकी पाछु दूमेर ससरनि । पछुआ पकड़ा कहतनि-

“रौआ, जर्मनी-जापानी आ अंग्रेजी शिर्द ई लेन चढ़-चढ़ी भ गेल जे ओकर विकास अगुआ मशीनमे पहुँचि गेल आ मशीनक नाओ बाधि-बाधि अहाँक घब-अंगनामे छिड़ा या दैतक । अहाँ भूमि-दूनि क राज मिथिना कहि-कहि ओत पहुँचि गेलो जे ओ सभ की कहनि तेकर डिग्रीबिये दोरा लेत । तखन अहाँ बूमर जे केलेन नर हगक नर लोक रनि गेलो ? ”

सक काकाक रात सुनि मनमोहन ठमकन दूदा पाछु हठैले तैयार ले भेल । राजन-

“काका, रजावमे अपन एक-स-एक आगयो-पीरक आ कलो-कनहरी तेहन आरि गेल अछि जे अपना एठामक कन-कनहरीकेँ के पुछत ? ”

मनमोहनक प्रश्न सुनि सक काका, सकी आगु दूमेर ससरिते, कहतनि-



“লৌখা, কোনো দেশ-কোষক রিকাসমে ওগঠামক মাটি, পানি, হরা গত্যাদি পাচ ভূত দ্রব্য তরু ভেন। অস্কৃত গতিয়ে সৃষ্টি চলিত খি। অস্না ঐঠামক নতাম রা কোনো আন কন খি, ঐঠামক কান-ফিয়াক গতিয়ে জে জকবী চন ও প্রকৃতি পৈদা কনক। অস্না ঐঠাম একরে অভার ভেন, জগস পলাড়ী কনকে মৌদনী ক্ষেত্রে নীক মানন জাগত খি।”

অস্না কৌ মনমোলন নিকতর দেখি মৌদনস হঠেক রিচাব কব নগন। দ্দা সের-অগবক গৌনীখীন রীচক সীমা বনন। কমান চাব জকা সীমা পহিলে কে ঠপত। পাছু হঠেত মনমোলন রাজন-

“কাকা, আশা নগা অনলে চুলো জে কাকাকে নীক কন খুঁবনি।”

মনমোলনক রাত স্মি সনক কাকা তাবতম্যমে পড়া গেনাহ জে অস্না ধরি জে হম বুনে ছেনি তগস ভিন্ন লে ত মনমোলন খি। আশাক দোহাগ নগা রজ্জি জে আশা নগা অনলে চুলো। আশা ত সভকে অস্না-অস্না হোগ ঠে। সরলক দেহেটা অনগ-অনগ লে খি, মনক উড়ান সেহো হোগ ঠে। পিজবামে বন স্বগগোকে গোসিনিহাব সিখরৈ জে আত্মা বাম পদ - চিত্রকুঠে কে ঘাষ্টপব, ভা সতন কে ভীড়। তনসী দাস চানন বগড়, তিনক কল বঘুরিব...। দ্দা সেহো ত লে বুনি পড়া। তখন? ও ত প্রচুরি পতা চনত। কনকনি-

“লৌখা, জহিনা ঘবক লোক হমরা রতাহ কল তলিা লে ওকরা সভকে সনকপনিযে কন খুঁবনি।” কহি মনে-মন মোচ নগনাহ। ভাগ পীর কियो রাজি চুকন চুখি আকি অসখিব মোলে মোচি কনলে চুখি জে জেলেন খাএ অন তেলেন বনে মন। দ্দা খুঁ চৌড়াকে ত ডিচা-রীচা নীক নহিয়ে ঠে। ভবি দিন দেখে চিএ জে ঐঠামস ওগঠাম, ওগঠামস ঐঠাম টনহাগতে বহে। তগপব স দিনো-দিন আগুএ দ্দা সসবি বহন খি। সে কেনা? রহুকপিয়া লে ত ঠা। সনাগ বিচ জকা সভ নষ্ট পকড় বনা। তলী রীচ মনমোলন রাজন-

“কাকা, অহা অসলে হাখে রাটি দিও।”

মনমোলনক রাত স্মি সনক কাকা ঠমকি গেনা। জহিনা কোনো ঠপাবি কদৈলে দৃ ডেগ পাছু হঠি দৌড় ক ঠপি জাগত তলিা কাকা পাছুস আগু রহি কনকনি-

“লৌখা, রতবসিয়া হাখ ভা গেন, ওল্লা হবদম খবখবাগ তগপব কোনো কাজ কল কান ত আরো লেসী খবখবা নগে। অস্না চীজ জে খোড়-খাড চিচি আগয়ো গেন ত লে কোনো, দ্দা তেলব জে একোটা অগুব খসি পড়ত ত তেল মন কি কনক। যাহ লে জে সনকালক ঠেকান কন। তহা হমরা চলিত তেল মনকে ঠেস নগা, সে নীক লে বুনে চী।”

কাকাক রাত স্মি মনমোলন রাজন-

“ত কী কাকা, ঘমা ক ন জাগ?”

অনলে ওমবীয়ে ওমবান অস্না কৌ দেখি সনক কাকা, ঠাটি-পঠাটি কনকনি-

“জা তেলব খুঁ চিখহ জে ঘমা ক ঘবপব ন জা রা দোকানদারকে ঘমা দলক রা বস্তা-পেবামে কোনো খিয়ে-পুতেকে দ দলক। হম কিচ লে কনক। এতে দিনক পড়াতি দবরজ্জাপব এনহ সল খুঁ খি।”

সনক কাকক রাত স্মি জহিনা জাডস কঠা কियो দেহ-হাখ তানি খচেত ভা জাগত তলিা মনমোলনকে ভেন। দ্দা...?



ई कनकाश अश्विन मयतः ggaj endra@videha.com पत्र पठाउ ।



बिदेहियर ठाकुर, धनया, लेपान । तन-कतार ।

प्रेम-पत्र / सपनाक अकान

प्रेम-पत्र

हमर प्राणप्राय नयता

मनभरिके माया आ ह्वर मात्र अहाँके ।

हम एठाँय कृषिगत बहि अहाँक कृषिगतताक कामना करैत छी । अहाँक रियोगमे बिना पानिक माछ आ बिना लेहू कऽ माँस बनत हम एतऽ परिवारक भवण-गोमण जन प्रेमजीरीक ठेपौ नगा दिन काँटि बहन छी ।

कालिक हेलनसँ साँच हमर मन रूढ दुखित अछि । अहाँक उपवाग छन जे हमरा रिसबि गेलौ, रवारब हेलन ले करैत छी । अहाँकेँ हमर खाले ले अछि । ह्मदा सँ गऽ ले छै । किएक तँ हम तँ रस शिरीब छी जलिकऽ आओ अहाँ छी । जौँ ग्रास जेरऽरना होला हम छी तखन आँमीजन तँ अहाँ छी । आर अही कछु जकरा बिना हम एक पन राँटि ले सकर, ओकरासँ अलग बहराक कम्पना केना कवर ? ह्मदा तैयो पविष्टिती लोककेँ दोसब कऽ सामने रिरमि कऽ दै छै । आन नग काम कवर, ओहो प्रचल्ल गर्माये, रूढ पैघ रात छै । घबमे रसिया-करसिया किछु ले खाग छेलौ । ह्मदा एतऽ सुखन अरुस टिराएर नत भऽ गेल अछि । लेपानमे बहैत कान रिदेशी माले सुन्न हएत से कम्पना करैत छेलौ । ओतुकाँ लोक सब आनन्दसँ, खुशी साथ जीरन रातीत करैत हेतार, से झ्रम छन । पैसा जेना गाछसँ हिना कऽ नाथ- दू नाथ पठारैत अछि, तहिना बूमागत छन । शायद एखन अछुँ ओह मोटेत हएर । ह्मदा देखू दिदेशिरी, सँ गऽ ले छै । सुन्न कहन गऽ जगह रियोगाभासमे तडपि-तडपि मवऽरना स्थान छै । एतऽ पैसाक मल्ल सगे मनुष्यक खरीद-रिपरी होग छै । दोसब दिस बातिमे अहाँ सग रितएन ओ पन सब, ह्वरक तीत-मीठ गप-सप रिठनीक थोता जकाँ हमरा मनस पठनमे आरि कऽ निन्द ग्रेडि दैए । कखना-कखना रिदेशी छोडि कऽ अही सग ओगठाय साग-पात आ दिरस गमएराक गछा होगए । ह्मदा रिगतक दुःख-दर्दसँ मन तबसि जागए । सँच, नीक खाना, नीक कपडऽ आ नीक गल्ला जन कतेक तबसि गेल छेलौ । नीक खएर आ नीक नगाएर सपना भऽ गेल छन ।

एतऽ आरि परिवार ठेकर एकठाँ किनब मिनत अछि । दायिद्व पूरा कवराक एकठाँ सगवा अछि । हम एतलमे खुशी छी । ह्मदा तैयो हेलन कवराक पयष्टि पैसा आ समय ले हएर, दोसबक रशिये रूढद जकाँ जेतएर, घब- परिवारसँ दूर बहर चित्तुक रिमय मिक ।

एहन रिमय पविष्टितीमे हमर साथ देर, आगेरिग्रास रूढ एर, अपनाये धैर्यताक राक मजगूत बाखर अहाँक कर्तरा अछि । कावण अहाँक धैर्यता आ आगेरिग्रासे प्रवासमे हमरा होसना प्रदान कवत ।

अनुमे समय-समयमे हेलन करैत बहर से राटाक सग एखन रिबाय । राँकी दोसब पत्रमे ।

अहाँक ह्वरी

एकान्त बाय

मकभूमि छैन, कतार



सपनाक थरान

एक दिन बमलाचो आगमने सँ महेश महेश... किलान करै छथि । तखन टोकिये पवसँ कारी कहे छथिन, लोआ एम्हले आउ- कारीक मन रड पिड एत आ मन थिन बह । बमलाचो गायक लेछी आ महेशक संगी छन । रूठिया बमलाचोकेँ रजा कऽ महेशकेँ वृत्तान्त सुनलैत छथिन ।

महेश जे तीन सात पहिले गेल छनाह कताव, अपन सपना पूरा कबराक जेल । जयराक लेब अलुत हर्षित- माथना घब रनाए, पनीक जेल नीक कपड १, रजा-रूठिकेँ नीक खुनये पड एत आ जरान रहिनक शोदी कवर । हतपतमे पाम्पाई रनौनक । अपन कियो ले बहे दिदेशिये । तैयो घरक पड सी मदनक सहयोगमे लुकव मायासँ रीजा मञ्जेलक । पहिले कनि पैसेमे भऽ जएत कहिते धनपव चठसँ पहिले १ नाथ नगद लेराक ज़िद कबऽ नागत । पैसे ले भेलक कावशे दोरव कऽ कागज बनरा जेलक । आर दू-माछ दू रातव भऽ गेलै महेशकेँ । की कबत घबसे, सब सद्मक आधिक लेब गोडिते ओ गेताह कताव । दूदा लुका सबकेँ ले छली एना, काम नाथुकेँ कैलक दिन-राति धूपमे तबूक उठाएर आ देह धुनि रिन्डिड कम्प्रेन्सिये काम कवर । ले खएराक नीक राख्वा, ले सुतराक । कम्पनी सेहो सगाथ ।

घरक याद रड सतलैक महेशकेँ । दूदा प्रतिज्ञाक अठन बहिन महेश । कतरो दूध पीड १ होगते काम ले छोडथिन । ओगठाय राज रठि कऽ घब छिवरी बखराक स्थिति आरि गेलै । एतऽ पगाव जल्लिक तल्लि । दिन-दिन सोटि-सोटि कमजोव भऽ गेल लेछावा महेश । एक दिन काम करैत कान करैत नाथि गेल लुका । साथी-संगीक सहयोगमे अप्पतान नऽ जा रचथि । दूदा नाथ रिना काम कऽ भऽ गेल । दुपवसँ कम्पनी तैरा गन्तीस करैत नागत आ कम्पनीक समान सब लोकमान भेल कहैत मास सेहो काठि जेलक । शिबीर रिना कामकेँ भेलसँ उपचार कबराक रदना महेशकेँ घब पठा देलक । महेशक आधिक लेब रव-रव ठपकेत बहन ।

घब पहुँचलक बाद ओ माथक स्थिति देखि लोक भऽ गेताह । जेना दूदसँ किछु खराज ले निकलन । माथ सेहो अन्तिम साँस लेलक रस महेशक जेल । लोआ-रूठि राख् सलेसक प्रतीकामे । पनीक जेल सेहो किछु ले । हाथ खाली । रड ग्लानि भेलनि महेशकेँ ।

किछु दिन बाद उपराग सबसँ महेशक सैर्यताक राख ठूँटि गेलै । ओ राख रड मजगुत होग छै आ ठूँटनापव सरनाथि होग छै । एत भेल महेशक साथ । अपन जरान रहिनक रिराह दहेजक कावा ले भऽ सकन आ गायक लोकक तना सुनि-सुनि ओ पागत भऽ गेताह ।

महेश रनि कऽ सृष्टिक बका कवर उद्धथ बखल हमर लेछी ए गवरीक चपेठामे जिनगी नवक रना जेलक । आ लय सब दर-दर ठूँटि बहन छी । अते कहैत रूठियाक आधिक लेब भवन आ जेब-जेबसँ टिचिया उठन आ पिया-पुता जकाँ ह्चकि-ह्चकि कानऽ नगलैह ।

बचनापव अपन मतेर ggajendra@videha.com पब पठाउ ।



गजेंद्र मन्दन

मिथिलाक खड़ी सङ्कृतिक सकल

नाच गाँधी- मिथिला नाचकला परिवर्धन- पकड़ि या

कम्पनी- ली बाय तखन साह पे. स्. खीनान साह

पता, गाय- पकड़ि या, गोसुठ- बतनसावा, अनुमदन- कृतपवास (मधुबनी)

मेलजब- ली ठकाग यादर पे. स्. कुसन यादर



पता, गाय- दसरुवनियाँ, पोस्ट- बतनसावा, अमरकंटक- कृतपवास (मधुबनी)

नाट- (१) अन्ता कदत (२) नटिया बानी (३) शीत रसत (४) गुगती घट्या (५) बाजा कँवर वृजभान

अभिनेता कर्तृ नाट/पता-

श्री भागी नान दास-	सुर- भायनान दास	नटमिनियाँ (मधुबनी)
श्री बासन्त शर्मा-	श्री जगत शर्मा	नेहरू (मधुबनी)
श्री नन्दी शर्मा-	श्री रमणी शर्मा	नेहरू (मधुबनी)
श्री सुन्दर शर्मा-	श्री नागेश्वर शर्मा	हवियाली (सुपौन)
श्री रासदेव सदाय-	सुर. कृष्ण सदाय	सन्ध्या (नर्मनी)
श्री नावायण सदाय-	श्री गंगा सदाय	रत्नली (सुपौन)
मो. जालिद उर्फ बाजा	मो. डोमी नदक	सुन्दे द्रवम (मधुबनी)
श्री बज्जीत बास	श्री नरन बास	शुद्धीना (मधुबनी)

बाद्य एवं वादक नाट/पता-

आञ्जन-	श्री छेदी पडित	सुर. चन्द्र पडित	रवारावा (सुपौन)
नान-	श्री परमेश्वर भावती	सुर. जगन्नाथ भावती	दसरुवनियाँ (मधुबनी)
काँबलेट-	श्री चन्दर बास	श्री ज्ञान बास	नटमिनियाँ (मधुबनी)
नटवा-	श्री नान बास	सुर. कृष्ण बास	नटमिनियाँ (मधुबनी)
तोक-	श्री कननद बास	सुर. शम्भु बास	नटमिनियाँ (मधुबनी)
ड्रमेट-	श्री भोले दास	श्री योगेन्द्र दास	नर्मनी (सुपौन)



अन सदस्यगण-

श्री याे गेन्द्र यादर	श्री ठकाे यादर	असुहबनियाँ
घुन दास	श्री भायनान दास (ताति)	नछुमिनियाँ
दिनेश बाय	श्री सीताबाय बाय	नछुमिनियाँ



नाच गाँठी- ली ली 108 ली भगवती नाचगाँठी- सिमबाहा सलुवी

कम्पनी- ली बायचन्द्र मण्डन पे. ली वृजनात मण्डन

पता, गाय- सिमबाहा, गेसुठ- रवसागन, जिना- सप्तवी (नेपाल)

मैलेजव- ली बाय सुन्दर बाय पे. ली सुवी बाय

पता, गाय- दडवी, गेसुठ- रवसागन, जिना- सप्तवी (नेपाल)

नाच- (1) अन्हा कदत (2) नटिया बानी

अभिनय कर्तृ नाउ/पता-

ली शनी पासरान	ली दूथी पासरान	खडकपुर (रवसागन)
ली लक्ष्मण बाय	ली कैतू बाय	दडवी (रवसागन)
ली लोटू बाय	ली लीप्रसाद बाय	दडवी (रवसागन)
ली सत्य नावायण बाय-	ली नन्नी बाय	दडवी (रवसागन)
ली देर नावायण यादर-	ली नन्नी यादर	दडवी (रवसागन)
ली परमेश्वर मण्डन-	ली तेजी मण्डन	सिमबाहा (रवसागन)
ली बघू मण्डन-	सूर. थाक मण्डन	सिमबाहा (रवसागन)
ली चरितुव मण्डन-	सूर. कावी मण्डन	सिमबाहा (रवसागन)
ली जोगी मण्डन-	ली रत्नाङ्ग मण्डन	सिमबाहा (रवसागन)
ली लोटू बाय	ली प्रसाद बाय	दडवी (सप्तवी)

बाद्य एर वादक नाउ/पता-



काँबलेठ-	श्री देर नावायण बाय	स्र. नाथो बाय	दडवी (रबसागन)
काँबलेठ-	श्री दूथी बाय	स्र. कावी बाय	खडकश्रव (रबसागन)
ठोतक-	श्री नशीरनान बाय	श्री कैतू बाय	दडवी (रबसागन)
नडेवा-	श्री बाय प्रसाद बाय	श्री स्ररी बाय	दडवी (रबसागन)
ठावमोनियम-	श्री चवितुव मण्डन	श्री कावी मण्डन	दडवी (रबसागन)

अन सल्लेखी-

शिर नावायण दास	श्री ठकाग दास	दडवी (रबसागन)
----------------	---------------	---------------



कौसी नाट्य कला पविषद- सिमबाहा-सुपौन

कम्पनी- श्री गया प्रसाद मण्डन पे. श्री बाय नारायण मण्डन

पता, गाय- सिमबाहा, गौसठ- लौआराथेव, भाया- खबरिठिया, जिना- सुपौन

सैलजब- श्री दया नन्द मण्डन पे. श्री बाय नखन मण्डन

पता, गाय- सिमबाहा, गौसठ- लौआराथेव, भाया- खबरिठिया, जिना- सुपौन ।

नाट- (1) अन्हा कदत (2) सती नटिया

अभिनय कर्तक नाट/पता-

श्री अरुण कृपाव मण्डन	श्री नथ मण्डन	सिमबाहा (सुपौन)
श्री कन्दी पासरान	स्र. रत्नाद्व पासरान	पवसा माधो (सुपौन)
श्री बाय प्रसाद शर्मा	स्र. रितठ शर्मा	पवसाहा (सुपौन)
श्री देरबाज शर्मा	स्र. तपेन्द्रिब शर्मा	सिमबाहा (सुपौन)
श्री चन्द्र नारायण मण्डन	स्र. बन्नाथ मण्डन	सिमबाहा (सुपौन)
श्री दुधी पासरान	श्री रौचन पासरान	पवसा माधो (सुपौन)
श्री रिजय कृपाव बाय	श्री बाय सूरकप बाय	सिमबाहा (सुपौन)
श्री रौचन शर्मा	स्र. बायसुन्दर शर्मा	पवसाहा (सुपौन)

बाद्य एव वादक नाट/पता-



हाबमोनियम-	श्री सत्य नावायण मण्डन	सुर. खूनीनान मन्दन	सिमबाल (स्वपोन)
गोनक-	श्री गणेश बाय	श्री रिनन्देय बाय	एकडावा, खबरिठिया (स्वपोन)
काँबनेठ-	श्री शिर नावायण सदा	सुर.	एकडावा, खबरिठिया (स्वपोन)
नडेवा-डिणी-	श्री धनेय बाय	श्री	पवसाल, नाँआ बाथेव (स्वपोन)
मागन-	श्री हबिनावायण पासरान	सुर. नकडेदी पासरान	सिमबाल (स्वपोन)
मागन-	श्री तेज नावायण मण्डन	सुर. खूनीनान मण्डन	सिमबाल, लोआराथेव (स्वपोन)
भट्टा या-	श्री नानदेर मण्डन	श्री रट्टा मण्डन	सिमबाल, लोआराथेव (स्वपोन)
जोकव-	श्री सीताबाय बाय	पवसाल, नाँआ बाथेव (स्वपोन)

अन्य सल्लोगी-

श्री सुभाष कुमार बाय श्री कन्हैया नान बाय लोबाल, खबरिठिया (स्वपोन)



बामनीना नाछे कता परिवर्द्ध- बसुआव जिता-सुपौन

कम्पनी- श्री मोठेन मण्डन पे. सूर. नन्नी मण्डन

पता, गाय- बसुआव, गोसुठे- दूगवाहा, भाया- फि नर्मनी, अन्नमण्डन- फि नर्मनी, जिता- सुपौन (रिहाव)

बैलखर- श्री बिलोक नाथ सा पे. सूर. बायेश्वर सा

पता, गाय- बसुआव, गोसुठे- दूगवाहा, भाया- फि नर्मनी, अन्नमण्डन- फि नर्मनी, जिता- सुपौन (रिहाव)

नाछ- (१) अन्हा कदत (२) सती नटिया (३) बाजा सनछे (४) रिद्यापति (५) धूक कृत (६) सुन्ताना डकु (७) बाजा छविचन्द्र (८) छम्पा नीना (९) बायाया

अभिनय कर्तक नाउ/पता-

श्री बामू मण्डन	सूर. गोपी मण्डन	बसुआव (सुपौन)
सूर. बाज क्रमाव ठाकुर	श्री बामजी ठाकुर	बसुआव (सुपौन)
श्री धनिक नान मण्डन	सूर. बामजी मण्डन	बसुआव (सुपौन)
श्री देर नावायण मण्डन	सूर. रनदेर मण्डन	बसुआव (सुपौन)
सूर. भोता सा	सूर. जयदेर सा	बसुआव (सुपौन)
सूर. जिलेर मण्डन	सूर. नन्नी मण्डन	बसुआव (सुपौन)
श्री शनी मण्डन	सूर. नानजी मण्डन	बसुआव (सुपौन)
श्री सीताबाम मण्डन	सूर. कपतान मण्डन	बसुआव (सुपौन)

बाद्य एर बादक नाउ/पता-

হাবমোনিয়ম-	শ্রী ত্রিলোক নাথ সা পে.	স্র. বামেশ্বর সা	বসুন্ধাব (স্বপোন)
ঠোনক-	স্র. বামগুণাম মণ্ডন	স্র. সতী মণ্ডন	বসুন্ধাব (স্বপোন)
নঙেবা-ডিগ্ৰী-	শ্রী মন্ড নান বাম	স্র. তিয়া নান বাম	বসুন্ধাব (স্বপোন)
মাগন-	দেৱীনান মণ্ডন	স্র. খুশীনান মণ্ডন	বসুন্ধাব (স্বপোন)
মানড	শ্রী কিশোরী মণ্ডন	স্র. লেরিত মণ্ডন	বসুন্ধাব (স্বপোন)
ডিগ্ৰী সদেরনা-	স্র. বামকিগুন মণ্ডন	স্র. শিক্তি মণ্ডন	বসুন্ধাব (স্বপোন)
ভড়া যা-	শ্রী নাবায়া দ্বিথিয়া	স্র.....	বসুন্ধাব (স্বপোন)
জোকব-	শ্রী সীতাবাম বাম	পবসান, না'আ রাথৌ (স্বপোন)
ডান্সব-	শ্রী ছোঠেনান মণ্ডন	শ্রী ব্ধু মণ্ডন	বসুন্ধাব (স্বপোন)
জোকব-	শ্রী বামখনি মণ্ডন	স্র. ধনিক নান মণ্ডন	বসুন্ধাব (স্বপোন)



गठहरी नाच कता पविषद- गठहरी जिता-सुपौन

कम्पनी- श्री जगदीश साह पे. सर. गंगा प्रसाद साह

पता, गाय- गठहरी, गौसठ- फ नर्मनी, भाया- फ नर्मनी, अन्नमण्डन- फ नर्मनी, जिता- सुपौन (रिहाव)

बैलखब- श्री बामरिनास साह पे. सर. भोता साह

पता, गाय- गठहरी, गौसठ- फ नर्मनी, भाया- फ नर्मनी, अन्नमण्डन- फ नर्मनी, जिता- सुपौन (रिहाव)

नाच- (1) कृमव वृजभन (2) बाजा नन (3) बाजा सनलेश (4) गृगती घट्या (5) शीत-रसत

अभिनय कर्तृ नाउ/पता-

नायक-	बामरिनास साह	सर. भोता साह	गठहरी (सुपौन)
नारी पात्र-	रैजू सदाय	सर. सोती सदाय	गठहरी (सुपौन)
नारी पात्र-	अशोक सिंह	श्री रनराम सिंह	गठहरी (सुपौन)
द्वितीय खतनायक-	दूखी मण्डन	सर. लीनान मन्दन	गठहरी (सुपौन)
जोकर-	रिजय साह	सर. केशो साह	गठहरी (सुपौन)
नारी पात्र-	बघुनाथ सदाय	सर. मोती सदाय	गठहरी (सुपौन)
अभिनय-	सुकुमार मण्डन	द्वितीय-बतसारा (मधुनी)
अभिनय-	बामरिनास मण्डन	सर. धनिकनान मण्डन	द्वितीय (सुपौन)
अभिनय-	रवि नारायण मण्डन	द्वितीय (मधुनी)
अभिनय-	बाम रणद्वर द्विधिया	सर. रघुनाथ द्विधिया	ननपंथी कृतपवास (मधुनी)
अभिनय-	श्री साह दास	सर.	पिपराही-रनगामा (मधुनी)



बिदेह एव बिदेह नाउ/पता-

हाबमोनियम-	श्री जगदीश साह	स. गंगा प्रसाद साह	गठहरी (स्वपोन)
होनक-	श्री जगत साकी	स. दाह्व साकी	गठहरी (स्वपोन)
नडेवा-छिणी-	श्री बायकिश्वर सदाय	स. सोती सदाय	गठहरी (स्वपोन)
सागत-	श्री सुकुदेव साकी	गठहरी (स्वपोन)
सागत-	श्री बायेश्वर साह	स. अरुण साह	गठहरी (स्वपोन)
छिणी सदैवना-	श्री बायकिश्वर सदाय	गठहरी (स्वपोन)
भडि या-	सडि नान सदाय	श्री सबहग सदाय	गठहरी (स्वपोन)
होनकिया-2	बायशीस यादव	ननपट्टी-कृत पवास (मधुबनी)
हाबमोनियम-2	श्री तनुकान साह	हबियाली-न नर्मती (स्वपोन)



आदर्श रान-कन निकेतन- १ नर्मली-पुनरसि (जिता-सुपौन)

कम्पनी- श्री बाय शिवण कामत पे. सर. शिरधर कामत

पता, गाय- सुवयाही, भाया- झजियासी, अनुमण्डन- कूनपवास, जिता- मधुनी (रिहाव)

सैलजब- श्री अशोक सिंह पे. सर. रतनाय सिंह

पता, गाय- गठहरी-पुनरसि, गोसूट- १ नर्मली, भाया- १ नर्मली, अनुमण्डन- १ नर्मली, जिता- सुपौन (रिहाव)

यजन- (१) काँट तग (२) आनंद कानून (३) लोहा सिंह (४) मागक कलजा (५) टूटि आ सिनू

अभिनय कर्तक नाउ/पता-

नायक-	हेम नावायण साह	सर. तन्मी साह	गठहरी (सुपौन)
नारी पात्र-	बाय रितास साकी	सर. शोभित तान साकी	गठहरी (सुपौन)
नारी पात्र-	अशोक सिंह	श्री रतनाय सिंह	गठहरी (सुपौन)
नारी पात्र-	रवि नावायण साह	श्री मिश्री तान साह	गठहरी (सुपौन)
नारी पात्र	रवि नावायण साह	श्री तन्मी साह	गठहरी (सुपौन)
अभिनय-	बाय सागर साकी	श्री शोभित साकी	गठहरी (सुपौन)
अभिनय-	सत्य नावायण साह	श्री तन्मी साह	गठहरी (सुपौन)
अभिनय-	जगत नावायण साह	श्री तन्मी साह	गठहरी (सुपौन)
अभिनय-	लोहित साह	श्री बाय तन्मी साह	गठहरी (सुपौन)
अभिनय-	लीवा तान साह	सर. सुकदेव साह	गठहरी (सुपौन)
अभिनय-	जिवा तान साह	सर. सुकदेव साह	गठहरी (सुपौन)



अभिनेय-	बामरातार यादर	श्री नृजाग यादर	गठहरी (स्वपौन)
अभिनेय-	गगा पासरान	स्र. कस्यमान पासरान	गठहरी (स्वपौन)
अभिनेय-	बामरन्द यादर	स्र. सुधी यादर	गठहरी (स्वपौन)
अभिनेय-	शिक्षन साह	स्र.....	गठहरी (स्वपौन)
गायक-	यदन प्रसाद साह	स्र. गगा प्रसाद साह	गठहरी (स्वपौन)

बाद्य एर बादक नाउ/पता-

हारमोनियम-	जगत नारायण साह	श्री तस्फी साह	गठहरी (स्वपौन)
ठैकेता-	बास रितान साकी	स्र. शोभित नान साकी	गठहरी (स्वपौन)
ठैकेता-	श्री शिव साकी	गठहरी (स्वपौन)
मागत-	श्री बास नारायण साह	स्र. रछा नान साह	तस्फीशुब-धरली (मधुबनी)
हारमोनियम-2	अशोक सिंह	श्री रनबास सिंह	गठहरी (स्वपौन)



कला निकेतन नाचगोष्ठी- तस्मिन्निर्वा (जिता-मधुबनी)

(1945-1965)

कम्पनी- श्री समेती साह पे. स्त्र. मंगन साह

पता, गाय- तस्मिन्निर्वा, गोसू- डुजना, भाया- नवहिया, अनुमण्डन- कुनपवास, जिता- मधुबनी (रिहाव)

मेलजब- स्त्र. महेस्वरी पाठक पे. स्त्र. कावी पाठक

पता, गाय- ममोवा, गोसू- डुजना, भाया- नवहिया, अनुमण्डन- कुनपवास, जिता- मधुबनी (रिहाव)

नाचक मंचन- (1) जगती रादशाह (2) रमि-डुजाक (3) रिदेशिया (4) शीत-रमि (5) जोडा क मनियाव (6) राजा नन

अभिनय कर्तक नाउ/पता-

नारी पात्र-	स्त्र. अचकी गोसाँग	तस्मिन्निर्वा (मधुबनी)
नारी पात्र-	स्त्र. रतुवी मण्डन	स्त्र. सुनव मण्डन	तस्मिन्निर्वा (मधुबनी)
प्रकम पात्र- (मधुबनी)	श्री बायदास साकी	स्त्र. सुरशि साकी	तस्मिन्निर्वा
प्रकम पात्र-	स्त्र. घोली साकी	स्त्र. सुनव साकी	तस्मिन्निर्वा (मधुबनी)
प्रकम पात्र (मधुबनी)	स्त्र. रसुदेर ठाकुर(डुर्क रतु ठाकुर)	स्त्र. केतु ठाकुर	तस्मिन्निर्वा
जोकर-	स्त्र. अष्टव द्रुधिया	तस्मिन्निर्वा (मधुबनी)
अभिनय-	स्त्र. दुधाय साह	तस्मिन्निर्वा (मधुबनी)
नारी पात्र- (मधुबनी)	स्त्र. बतन मण्डन	ममोवा



अभिनय- स्त्र. रितम साहनी स्त्र. कपा साहनी तस्मिन्निर्वा (मधुनी)

बाह्य एव रान्द्र नाङ्गता-

हावमोनियम- स्त्र. तुनस्री मण्डन मनोरा (मधुनी)

ठैकैता- स्त्र. बधुनाथ ठाकुर तुजना (मधुनी)

नागार्च- स्त्र. कुसन राय स्त्र. कचन राय तस्मिन्निर्वा (मधुनी)

मागत कवतान- स्त्र. रछा मण्डन स्त्र. पटी मण्डन तस्मिन्निर्वा (मधुनी)

डिगरी सैदा- स्त्र. अशिकी गोसाँगा तस्मिन्निर्वा (मधुनी)

भुङा या- स्त्र. अशिकी गोसाँगा तस्मिन्निर्वा (मधुनी)

अन्य सहयोगी-

स्त्र. नेराजी साह स्त्र. भैबर साह तस्मिन्निर्वा (मधुनी)

(सकल सहयोग- वामननास साह, तस्मिन्निर्वा, मधुनी)



आदर्श नाचगोष्ठी- तस्मिन्निर्वा (जिता-मधुरनी)

(1968-1977)

कम्पनी- स्म. गर्तु गोसाँग

पता, गाय- तस्मिन्निर्वा, गोसू- छजना, भाया- नवहिया, अन्वमण्डन- कनपवास, जिता- मधुरनी (रिहाव)

मैलजब- स्म. लराजी साह पे. स्म. भैवर साह

पता, गाय- तस्मिन्निर्वा, गोसू- छजना, भाया- नवहिया, अन्वमण्डन- कनपवास, जिता- मधुरनी (रिहाव)

नाटक मंचन- (1) रापक ततुया (2) दयाद रस (3) निमा द रस (4) रस-उजाकन (5) गोपीचन (6) शिकव लोसिना (7) उतिम चन ।

अभिनय कर्तृ नाउ/पता-

प्रकम पात्र-	स्म. रतुवी मण्डन	स्म. सुनव मण्डन	तस्मिन्निर्वा (मधुरनी)
प्रकम पात्र-	श्री बाय अमिन दास	स्म. जतुवी दास	तस्मिन्निर्वा (मधुरनी)
प्रकम पात्र-	स्म. मोती दास	स्म. धुतव दास	तस्मिन्निर्वा (मधुरनी)
नारी पात्र-	श्री नहनी दास	स्म. सोनाग दास	तस्मिन्निर्वा (मधुरनी)
नारी पात्र	स्म. वधनी दास	स्म. सुनव दास	तस्मिन्निर्वा (मधुरनी)
अभिनय-	श्री शिर नारायण मंडन	तस्मिन्निर्वा (मधुरनी)
अभिनय-	स्म. डुरवी मधिया	तस्मिन्निर्वा (मधुरनी)

राज्य एव रान्त नाउ/पता-



हावमोनियम-	स्र. रत्नी मण्डन	स्र. सुनव मण्डन	नक्षत्रिनियाँ (मधुबनी)
छैकैता-	स्र. श्री नान गोरगाँ	स्र. रू गोरगाँ	नक्षत्रिनियाँ (मधुबनी)
नागार्च-	स्र. वामेश्वर बाब	स्र. नेरी बाब	मनोवा (मधुबनी)
सागत कवतान-	स्र. रत्ता मण्डन	स्र. पटी मण्डन	नक्षत्रिनियाँ (मधुबनी)
डिगरी सैदा-	स्र. चमकनान गोरगाँ	नक्षत्रिनियाँ (मधुबनी)
भट्टा या-	स्र. सुनव दास	नक्षत्रिनियाँ (मधुबनी)

(सकल सहयोग- वामननास साहू, नक्षत्रिनियाँ, मधुबनी)



तस्मिन्निर्वा नाचपाठी- तस्मिन्निर्वा (जिता-मधुरनी)

(1970-1982)

कम्पनी- श्री बाजेन्द्र प्रसाद साह पे. सर. सुन्दर नान साह

पता, गाय- तस्मिन्निर्वा, पोस्ट- छजना, भाया- नवहिया, अनुमण्डन- कनपवास, जिता- मधुरनी (रिहाव)

मैलखर- सर. रतुरी मण्डन पे. सर. सुन्दर मण्डन

पता, गाय- तस्मिन्निर्वा, पोस्ट- छजना, भाया- नवहिया, अनुमण्डन- कनपवास, जिता- मधुरनी (रिहाव)

नाटक मंचन- (1) रुमर वृजभान (2) तट्टिया बानी (3) सुन्दर रनक सुन्दर कृत (4) अन्ता-कदन (5) रिजय सिंह (6) गुगती यष्ट्या ।

अभिनय कर्तृ नाउ/पता-

प्रकम पात्र-	श्री सीताराम राय	सर. जगत मोठी	तस्मिन्निर्वा (मधुरनी)
प्रकम पात्र-	सर. बसिक नान गोसाँग	सर. रतुरी गोसाँग	तस्मिन्निर्वा (मधुरनी)
प्रकम पात्र-	श्री गोसाँग ऋषिया	सर. डूररी ऋषिया	तस्मिन्निर्वा (मधुरनी)
नारी पात्र-	श्री मनभोगी दास	सर. भायनान दास	तस्मिन्निर्वा (मधुरनी)
नारी पात्र	श्री कन्तव राय	सर. अष्टव राय	तस्मिन्निर्वा (मधुरनी)
अभिनय-	श्री मृसन साह	सर. अशिकी साह	तस्मिन्निर्वा (मधुरनी)
नारी पात्र-	श्री राय थेनारन राय	सर. कृसन राय	तस्मिन्निर्वा (मधुरनी)

राष्ट्र एर राक्ष नाउ/पता-



हावमोनियम-	श्री बाय शिवंग साह	सूर. हिरा साह	तस्मिनियाँ (मधुबनी)
ठैकैता-	सूर. तस्मिंग बाय	सूर. जीतन बाय	तस्मिनियाँ (मधुबनी)
नागार्च-	सूर. कृष्ण बाय	सूर. कचन बाय	तस्मिनियाँ (मधुबनी)
सागत कवतान-	श्री शिर नावायंग मण्डन	(गायक भगिनमान)	तस्मिनियाँ (मधुबनी)
डिगरी सैदा-	कपिलेश्वर बाय	सूर. सगय बाय	कबलरी, कृतपवास (मधुबनी)
भुर्छा या-	सूर. निवसन बाय	सूर. कचन बाय	तस्मिनियाँ (मधुबनी)
कावलेष्टिया-	श्री चन्द्र बाय	सूर. जीतन बाय	तस्मिनियाँ (मधुबनी)

(सकल सहयोग- बायप्रताप साह, तस्मिनियाँ, मधुबनी)



कला नाचाष्टी- छजना (जिना-मधुनी)

(1945-1980)

कम्पनी- श्री नानदेर मण्डन पे. स्त्र. चतुर्वी मण्डन

पता, गाय- छजना, गेसुष्ट- छजना, भाया- नवहिया, अन्नमण्डन- कूनपवास, जिना- मधुनी (बिहाव)

मेलजब- श्री बाय प्रसाद बाय पे. स्त्र. गगाय बाय

पता, गाय- छजना, गेसुष्ट- छजना, भाया- नवहिया, अन्नमण्डन- कूनपवास, जिना- मधुनी (बिहाव)

नाचक मचन- (1) बिहना गेती (2) नछिया बानी (3) सुन्दर रनक सुन्दर कून (4) पिता हत्या (5) दयाद रध (6) रशि-उज्जकन (7) क्रमव बृजभान (8) बिदेशिया (9) जगती रादसाह (10) बास निना ।

अभिनय कउरि नाउ/पता-

नारी पात्र-	श्री कारी मण्डन	स्त्र. नदी मण्डन	छजना (मधुनी)
नारी पात्र-	श्री हवि मण्डन	स्त्र. नदी मण्डन	छजना (मधुनी)
प्रक्रम पात्र-	श्री रछी नान टोपान	स्त्र. दसाँग टोपान	छजना (मधुनी)
नारी/प्रक्रम पात्र-	श्री छतरक टोपान	स्त्र. सुनव खतर	छजना (मधुनी)
प्रक्रम पात्र	स्त्र. नखी मण्डन	स्त्र. बायकन मण्डन	छजना (मधुनी)
अभिनय-	श्री मोती टोपान	स्त्र. नन्धव टोपान	छजना (मधुनी)
अभिनय-	श्री छेठकनि टोपान	स्त्र. लोके टोपान	छजना (मधुनी)
नारी/प्रक्रम पात्र-	श्री बायजस बाय	स्त्र. उचित बाय	छजना (मधुनी)
नारी पात्र-	श्री हविहव बाय	स्त्र. दसाँग बाय	छजना (मधुनी)
प्रक्रम पात्र-	श्री बायकिसुन ऋषिया	स्त्र. सहदेर ऋषिया	छजना (मधुनी)



प्रथम पाठ	श्री दुर्गा नंद ठाकुर	स्र. लेख ठाकुर	छजना (मधुनी)
अभिनय-	श्री मठन चौपान	स्र. सेंद्र चौपान	छजना (मधुनी)
नृत-	श्री शिर नारायण चौपान	श्री छोठकनि चौपान	छजना (मधुनी)

बाह्य एव बाह्य नाट्य/पता-

हावमोनिम-	श्री बाय प्रसाद चौपान	स्र. रितावी	छजना (मधुनी)
होतकिया-	श्री जनकधारी चौपान	स्र. खीनात चौपान	छजना (मधुनी)
नागार्ति-	श्री छोठकनि बाय	स्र. सुनव बाय	छजना (मधुनी)
मागत कवतान-	श्री नथनी चौपान	स्र. मधुन चौपान	छजना (मधुनी)
डिगरी सेंद्रा-	स्र. रोगल चौपान	स्र. तेतव चौपान	छजना (मधुनी)
भट्टा या-	श्री सुनव चौपान	स्र. नथनी चौपान	छजना (मधुनी)
कावलेष्टिया-	श्री बाय प्रसाद बाय	स्र. मगत बाय	नक्षत्रिनी (मधुनी)

अन्य सहयोगी-

श्री राजेश्वर ठाकुर	स्र. नथन ठाकुर	छजना (मधुनी)
श्री बायनिनास अथिया	स्र. रनदेर अथिया	छजना (मधुनी)
श्री रिमो मण्डन	स्र. अजोधी मण्डन	छजना (मधुनी)

(सकल सहयोग- बायनिनास साह, नक्षत्रिनी, मधुनी)



गिबारी नाचाटी- डुजना (जिना-मधुनी)

(1956-2008)

कम्पनी- स्र. गिबारी साह

वर्तमान कम्पनी- जलेश्वर दास पे. स्र. खैव दास

पता, गाय- डुजना, गोस्ट- डुजना, भाया- नवहिया, अन्वमण्डन- कृतपवास, जिना- मधुनी (रिहाव)

मेलजब- जलेश्वर दास पे. स्र. खैव दास

पता, गाय- डुजना, गोस्ट- डुजना, भाया- नवहिया, अन्वमण्डन- कृतपवास, जिना- मधुनी (रिहाव)

नाचक मचन- (1) रिहना शिती (2) गोपी चन्द (3) अन्ता-कदत (4) गृगली घण्टा (5) कला-मृगा (6) साया-चक्रा (7) पिता हत्या (8) दयाद रस (9) करिव निता (10) कन्याग प्रेम (9अ एर 10सम वर्तमानमे जारी)

अभिनय कर्तक नाउ/पता-

नारी पात्र-	श्री गोसाँग मण्डन	धरौनी, रनगामा (मधुनी)
नारी पात्र-	श्री बाजेश्वर यादव	स्र. तनुक नान यादव	लवयाली (मधुनी)
पुरुष पात्र-	श्री हविरु चोपान	स्र. मोहन चोपान	डुजना (मधुनी)
नारी/पुरुष पात्र-	श्री बगुनाथ चोपान	स्र. दगानाथ चोपान	डुजना (मधुनी)
पुरुष पात्र	श्री कसुमानाथ चोपान	स्र. नन्दी चोपान	डुजना (मधुनी)
अभिनय-	श्री शिरजी चोपान	स्र. कुमियाली चोपान	डुजना (मधुनी)
नृत- (मधुनी)	श्री बाजेश्वर चोपान	स्र. धीवज चोपान	रिहम शैव, अरुणामठ
नारी/पुरुष पात्र-	श्री ललानी चोपान	स्र. जहूरी चोपान	डुजना (मधुनी)

নারী পাত্র-	শ্রী সত্যনান সাহু	স্র. দর্শাণ সাহু	ভূজনা (মধুরনী)
অভিনয়-	শ্রী কপিজেশ্বর বাম	স্র. লেরী বাম	মমোবা (মধুরনী)
অভিনয়	স্র. বাম প্রসাদ চৌপান	স্র. রিহাবী চৌপান	ভূজনা (মধুরনী)
অভিনয়-	শ্রী ধর্মী মণ্ডল	স্র.	বতন সাবা (মধুরনী)
অভিনয়-	শ্রী যশোদান যাদব	ল্লবিযাণী (মধুরনী)

ব্রাহ্ম এর ব্রাহ্ম নাও/পতা-

চাবখোনিফা-	স্ব. গীঠৰ মণ্ডন	স্ব.	বতনসাৰা (মধুৰনী)
জোনকিয়া-	স্ব. ভূঠাগ চৌপান	স্ব. ফেকন চৌপান	ভুজনা (মধুৰনী)
নাগাৰ্চী-	স্ব. বামেশ্বৰ বাম	স্ব. লেৰী	ভুজনা (মধুৰনী)
মাগন কবতান-	শ্রী নখ্নী চৌপান	স্ব. মধুকৰ চৌপান	ভুজনা (মধুৰনী)
ডিগবী সেন্দা-	স্ব. লোগহ চৌপান	স্ব. তেতৰ চৌপান	ভুজনা (মধুৰনী)
ভাৰ্জা যা-	স্ব. নখ্নী চৌপান	স্ব. চুমন চৌপান	ভুজনা (মধুৰনী)
কাঁবলৈটিয়া-	শ্রী জাৰেশ্বৰ দাস	স্ব. খৰ্জুৰ চৌপান	ভুজনা (মধুৰনী)

ଅନ୍ୟ ସହଯୋଗୀ-

শ্রী গগায় সাহ্	স্র. দ্বায সাহ্	ভজনা (মধুরনী)
স্র. গোকিন্দ নান সাহ্	স্র. মগক সাহ্	ভজনা (মধুরনী)
শ্রী মোদায় চৌপান	স্র. গুণেশ্বর চৌপান	ভজনা (মধুরনী)
শ্রী ভগবতী চৌপান	স্র. বনদেব চৌপান	ভজনা (মধুরনী)



(सकल सहयोग- बायलितस साहू, लक्ष्मिनिवाँ, मधुबनी)

मिथिलाक लोक संगीत/ लोक कला
भङ्गेत गरीया-

(धर्मराज, ज्योतिषी मल्हार, अर्जुन मानि, उदय साहू, हविषा डोम, लेनी, शीता अरना, काकरारा गत्यादि भङ्गेत
निम्नलिखित वस्त्राव-भङ्गेत पाठ 1980 ई.सँ गरी छथि।)

श्री शम्भू प्रसाद मण्डल

सुपुत्र सूर. लखन मण्डल

भङ्गेत गायन सह खजरी रादल

उमेर- 42 साल

1980 ई.सँ भङ्गेत गरी छथि।

पता- गाम- रठियाघाट/वस्त्राव, पोस्ट- झगवाल, भाया- नर्मनी, जिला- सुपौल।

श्री गंगाधर मण्डल

सुपुत्र श्री अश्विनी मण्डल-

मानि रादल

उमेर- 40

1980 ई.सँ मानि रजले छथि।

पता- गाम- रठियाघाट/वस्त्राव, पोस्ट- झगवाल, भाया- नर्मनी, जिला- सुपौल।

श्री जनक मण्डल

सुपुत्र सूर. उचित मण्डल

उमेर- 60

बममानि/ कठमानि/ कवतान रादल

1975 ई.सँ बममानि रजले छथि।

पता- गाम- रठियाघाट/वस्त्राव, पोस्ट- झगवाल, भाया- नर्मनी, जिला- सुपौल।

श्री बरिन्द्र मण्डल

सुपुत्र श्री अश्विनी मण्डल

उमेर- 32

नान रादल

पता- गाम- रठियाघाट/वस्त्राव, पोस्ट- झगवाल, भाया- नर्मनी, जिला- सुपौल।

श्री प्रमोद मण्डल

सुपुत्र सूर. रितावी मण्डल

उमेर- 41

गुमराजा/ गुमगाँव मयाँ

1980 ई.सँ गुमगाँव मयाँ रजले छथि।

पता- गाम- रठियाघाट/वस्त्राव, पोस्ट- झगवाल, भाया- नर्मनी, जिला- सुपौल।



श्री मल्लेन्द्र प्रसाद मण्डल

सुश्रुत सूर. छेदी मण्डल

उमेव- 48

कठमालि रादक

रचनसँ गेला कले छथि आ कमानि/कठमालि रजेलो कले छथि।

पता- गाम- बसुआव, पोस्ट- ऋगवाहा, भाया- निर्मली, जिला- सुपौल।



सकस्रती पृजा 2010 केव अरुसवषव यचित नठेक- राग भेन पित्री

स्थान- जे. एम. एस. कोटिंग तेन्टव- चलोबागज (मधुबनी)

दिनांक- 20/ 01/ 2010 (बुध दिन)

नठेकराव सह निदेशिक- राजन ठाकुर

गात्र, कलाकार, पिता आ गायक नाउ...

1. नखन	अशिा कयावी	श्री बाय अरताव यादर	कनकधुवा
2. मोतीनान	सबस्रती कयावी	श्री रिपीन कयाव साह	चलोबागज
3. लोहक	सबस्रती कयावी	श्री	सिमवा
4. रछा मलाज	द्विता कयावी	श्री राजेश्वर कामत	पौबाम (चलोबागज)
5. सियान मलाज	शित्पी कयावी	श्री तम्माणा ना	चलोबागेठ
6. सत्रेव	प्रियका कयावी	श्री लैछनाथ साह	नि समवा
7. मदन	सुजेखा कयावी	श्री हरेबाम यादर	चलोबागज
8. मीना	लेहा कयावी	श्री लोध पुष्पा दास	चलोबागेठ
9. गणेशि	अञ्जनी प्रियदर्शिनी	श्री गणेशि ठाकुर	चलोबागज
10. बायनान	पुनम कयावी	श्री राबू साहेर साह	चलोबागज
12. सेनी	कामिनी कयावी	श्री
13. बमाकात	प्रीति कयावी	श्री बमेशि प्रधान	चलोबागज
14. रनद्रे	बिरु कयावी	श्री अशिली महत्रे	लेबमा

सहयोगकर्ता-



अध्यक्ष-	श्री शशि बजन	चलौबागज (मधुबनी)
उपाध्यक्ष-	श्री दुर्गन्दि ठाकुर	चलौबागज
कोषाध्यक्ष-	श्री रेंद प्रकाश	पौबाम
उपकोषाध्यक्ष-	श्री अमित बजन	पौबाम
सूरागतध्यक्ष-	श्री बमेश कुमार	लैबमा
उपसूरागतध्यक्ष-	श्री राम कुमार ठाकुर	चलौबागज

राष्ट्र सगतकर्ता-

नाम-	श्री बमेश कुमार	रिशौन (मधुबनी)
पैड-	श्री गणेश महतो	बमबापुव
ऑर्गेन-	श्री बाजू कुमार बाम	चलौबागज



सकस्रती शृङ्गा 2010 केव अरुसवषव मठित नाटक- सकस्रती

स्थान- जे. एम. एस. कोटिग ठेकठेव- चलोवागज (मधुनी)

दिनांक- 20/ 01/ 2010 (बुध दिन)

नाटककार- गजेन्द्र ठाकुर

निर्देशक- लोचन ठाकुर

पात्र, कलाकार, पिता आ गायक नाउ...

1. सकस्रती- प्रभा कृमाव यादर- श्री राज कृमाव यादर- चलोवागज ।
2. भास्कर- अशोक कृमाव पासरान- श्री नक्षत्री पासरान- चलोवागज ।
3. भास्करक बाबू जीक संगी- किशोव कृमाव यादर- श्री जगन्नाथ यादर- चलोवागज ।
4. रंगानी बाबू- परम कृमाव पजियार- श्री शिबू पजियार- चलोवागज ।
5. कनकठेव- प्रभानंद कृमाव- श्री सीताराम कावणी- चलोवागज ।
6. पहिल ककुर- दुर्गादि कृमाव- श्री रैमनाथ महरत्रे- लेबमा ।
7. दोसर ककुर- सुरेश कृमाव महरत्रे- श्री श्यामानंद महरत्रे- चलोवागज ।
8. तेसर ककुर- वमेश कृमाव महरत्रे- श्री गद्वेदेर महरत्रे- लेबमा ।
9. मधुकर दोकानक मालिक- मनोज कृमाव महरत्रे- श्री प्रमोद महरत्रे- लेबमा ।
10. बुती सा- सुरेश कृमाव महरत्रे- श्री गंगाप्रसाद महरत्रे- लेबमा ।
11. जयबाय- बाय बतन साह- श्री नाबायण साह- चलोवागज ।
12. नित्याकाका- मिथिलेश कृमाव बाय- श्री टोती बाय- मधुनी ।
13. महीसराव- सतेश कृमाव साह- श्री बाबुचन्द्र साह- चलोवागज ।
14. गोनव सा- रोजू साकी- श्री महेन्द्र साकी- चलोवागज ।



15. घटक- मिथिलेश कृमाव यादर- श्री राम किशोर यादर- चलोबागज ।
16. संकल्पक राव- प्रभाव कृमाव श्री राव साहेब साह- चलोबागज ।
17. मीत भाव- प्रशान्त कृमाव- श्री राम नारायण महत्रे- चलोबागज ।
18. वृत्ती- रत्नराम कृमाव- श्री राज कृमाव यादर- चलोबागज ।
19. पहिल सिपाही- गणेश कृमाव- श्री रत्ननाथ मण्डन चलोबागज ।
20. दोसर सिपाही- सजय कृमाव- श्री महादेव महत्रे- चलोबागज ।
21. सिपाहीक अकसर- लोहित कृमाव- श्री प्रमोद यादर- चलोबागज ।
22. नान काका- शिर कृमाव- श्री भाग्यजी द्विविद्या सिमवा ।
23. नानकाकी- बाजेश कृमाव- श्री बासुधारी महत्रे- चलोबागज ।
24. छेव रजावक दोकनदाव- आनन्द कृमाव- श्री राम अरतार यादर- चलोबागज ।



सकस्रती पृज्ञा 2011 केव असवषव मचित एककी- थिकार

स्थान- जे. एम. एस. कोटिंग लेन्टैव- चलोबागज (मृन्नी)

दिनांक- 18/ 02/ 2011 (मंगल दिन)

नष्टकराव सह निदेशिक- ललन ठाकुर

गान, कलाकार, पिता आ गायक नाउ...

1. चन्दन	मिथिलेश कुमार महरा	श्री बासुवारी महरा	चलोबागज
2. असवनाथ	वमेश मण्डल	श्री	सिमवा
3. मज्जूव	वमज्जी	श्री दया कान्त पेंदरा	चलोबागज
4. रिनाद	शोभाकान्त महरा	श्री बास अरताव महरा	कोबियापष्टी (चलोबागज)
5. सुनीन	रिनेक कुमार सागव	श्री लुमान पेंदरा	चलोबागज
6. रत्नाद	मो. ठाकुर	मो. दसूतक आनम	चलोबागज
7. लोबाज	शशिकान्त सिंह	श्री	लोनाथा (महरा)
8. नजीया	मो. ठाकुर	मो. दसूतक आनम	चलोबागज
9. अनजाव	अनरव	मो. किस्मत	चलोबागज
10. लुन्देव	मनोज कुमार	श्री जानेश्वर महरा	कोबियापष्टी (चलोबागज)
12. मिथिलेश	सुनीन कुमार महरा	श्री रिनाद महरा	कोबियापष्टी (लेवमा)
13. सतमा	वमेश महरा	श्री गनुददेव महरा	कोबियापष्टी (लेवमा)
14. अजलव	रुगत किशोर धीवज	श्री लेन ठाकुर	चलोबागज



15. अस्काक कमल किशोर पंकज श्री रोजन ठाकुर चलौबागज

सहयोगकर्ता-

श्री शशि बजन	श्री नन्द किशोर गुप्ता	चलौबागज (म्हुरी)
श्री दुर्गन्दि ठाकुर	सुर. भवत ठाकुर	चलौबागज
श्री अमित बजन	श्री नागेश्वर कामत	पौवाय
श्री वमेश कुमार	श्री भागरत महत्रे	चलौबागज
श्री सजय कुमार	श्री रघुनाथ साह	सिमवा

सकस्रती शृङ्गा 2011 केव अरुसवष मठित नाटक- मिथिलाक छेप

स्थान- जे. एम. एस. कोटिग ठेक- चलौबागज (म्हुरी)

दिनांक- 18/ 02/ 2011 (मंगल दिन)

नाटककार- जगदीश प्रसाद मण्डल

निर्देशक- रोजन ठाकुर

पात्र, कलाकार, पिता आ गायक नाउ...

1. कर्मनाथ-	प्रमथ कुमारी-	श्री रावू सालेर साह-	चलौबागज ।
2. सोमनाथ-	प्रीति कुमारी-	श्री वमेश प्रधान-	चलौबागज ।
3. वामननाथ-	रिभा कुमारी-	श्री अमर राम-	चलौबागज ।
4. विकास- चलौबागज ।	सुजखा कुमारी-	श्री हरेबाय यादव-	
5. ननू-	लेला कुमारी-	श्री राम प्रसाद दास-	चलौबागज गेठ ।
6. नानरावू-	सोना कुमारी-	श्री वामदेव गेठदाव-	चलौबागज ।
7. श्रीधर-	सगीता कुमारी-	श्री सत्य नारायण महत्रे-	चलौबागज ।



8. कुरसब-	तस्मि बंभा-	श्री हवि नावायण महत्रे-	चनौबागज ।
9. बापेणिया-	अशिता कुरावी-	श्री बाय अरताब यादर-	चनौबागज ।
10. चमेती-	दुखनी कुरावी-	श्री मल्लेद साकी-	चनौबागज ।
11. अशिता-	सोनम कुरावी-	स्र. भवत ठाकुर-	चनौबागज ।
12. माधुरी-	अनिता कुरावी-	स्र. बाय नखन महत्रे-	चनौबागज ।
13. चम्पा-	रेखा कुरावी-	श्री अशिकी महत्रे-	चनौबागज ।
14. जूती-	दुखनी कुरावी-	श्री शिबू मण्डन-	चनौबागज ।



सकस्रती पृजा 2012 केव अरसवषव मचित नाटक- उत्कल्लव

स्थान- जे. एम. एस. कोटिग ठेनष्टेव- चलोवागज (मधुनी)

दिनांक- 28/ 01/ 2012 (शनि, बातिक मत्र)

नाटककार- गजेन्द्र ठाकुर

निर्देशक- लोचन ठाकुर

पात्र, कलाकार, पिता आ गायक नाउ...

1. गणेश	अञ्जली प्रियदर्शिनी	श्री गणेश ठाकुर	चलोवागज
2. रत्नभा	प्रीति कुमारी	श्री वमेश प्रधान	चलोवागज
3. देरदउ	सुलखा कुमारी	श्री हरेराम यादव	चलोवागज
4. रश्मि	ननिता कुमारी	श्री मकुन महत्रे देवमा	
5. उदयन	अशि कुमारी	श्री बाबा अरताव यादव	देवमा
6. दीना	प्रियका कुमारी	श्री रैचुनाथ साह	सिमरा
7. भदरी	सोनम कुमारी	सु. भवत ठाकुर	चलोवागज
8. आचार्य व्याघ्र	पृजा कुमारी	श्री महेन्द्र साह	चलोवागज
9. आचार्य सिंह	सुरेता कुमारी	श्री राजेश्वर कामत	पौवाम
10. आचार्य सबम	सबस्रती कुमारी	श्री रिशीन कुमार साह	चलोवागज
11. शिष्य सली	आवती कुमारी	श्री नान रणदुव यादव	चलोवागज
12. शिष्य शिखि	बागिनी कुमारी	श्री रिशुदेव साह	चलोवागज
13. शिष्य नदी या	सुरिता कुमारी	श्री गंगाराम मण्डन	मछुनी



14. शिष्य रिज्जी	मीना कुमारी	श्री बाबू प्रसाद मण्डल	मछली
15. भगता	पूजा कुमारी	श्री रघुनाथ ठाकुर	चलौबागज
16. भगतक शिष्य-	रिभा कुमारी	श्री श्रवण कुमार बाबू	चलौबागज
17. गंगाधर	शिल्पी कुमारी	श्री लक्ष्मण सा	चलौबागज गेठ
18. आनन्दा	समिता कुमारी	श्री महेंद्र साहू	चलौबागज
19. सोमगो	ज्योति त कुमारी	श्री बाबू अरताब यादव	चलौबागज
20. मेघा	प्रीति कुमारी	श्री बमेश प्रसाद	चलौबागज
21. कदमति	स्मिता कुमारी	श्री श्यामनन्द महतो	चलौबागज
22. जीरे	अर्जु कुमारी	श्री रघुनाथ मण्डल	मछली
23. मीतू	सबस्मिता कुमारी	श्री केशिब मण्डल	सिमवा
24. मधुर	उज्ज्वा निकेत	श्री मो. अर्जुन	मछली
25. मधुरक सहयोगी-1	कृति कुमारी	श्री सरनान यादव	चलौबागज
26. मधुरक सहयोगी-2	स्मिता कुमारी	श्री रिनथ यादव	चलौबागज
27. मनसुख	रविता कुमारी	श्री सीताराम साह	चलौबागज
28. हविकर	दाशदी कुमारी	श्री कपिलदेव यादव	चलौबागज
29. कीर्ति सिंह	लेखा कुमारी	श्री लक्ष्मण दाम	चलौबागज गेठ
30. हविषति	संगिता कुमारी	श्री बाबूदेव पासवान	चलौबागज
31. अर्थमती नावायण	अर्चना कुमारी	श्री बाबू नावायण महतो	चलौबागज
32. पहिल दवरारी	सुरिता कुमारी	श्री गंगाधर मण्डल	मछली
33. दोसव दवरारी	मीना कुमारी	श्री बाबू प्रसाद मण्डल	मछली
34. भूमि जेठा	पूजा कुमारी	श्री रघुनाथ ठाकुर	चलौबागज
35. तीक	रिभा कुमारी	श्री श्रवण कुमार बाबू	चलौबागज



अन्य सहयोगी-

श्री उमेशि मण्डन	श्री जगदीश प्रसाद मण्डन	ब्रवमा (मधुबनी)
श्री दुर्गन्दि मण्डन	श्री बासुदेव मण्डन	गोखनपुर
श्री अमित बजन	श्री नागेश्वर कामत	पौवाय
श्री वमेशि क्रमाव	श्री भागरत महत्रे	चलोबागज
श्री सजय क्रमाव	श्री रैद्यनाथ साह	सिमवा



संस्मृती मृजा 2012 केव अस्मरण मचित एककी- रीवर्णा

स्थान- जे. एम. एम. कोटिंग ठेके- चलोबागज (मधुनी)

दिनांक- 29/ 01/ 2012 (बि. बातिक मत्र)

नष्टकार- जगदीश प्रसाद मण्डन

निर्देशक- रघुनाथ ठाकुर

गात्र, कलाकार, पिता आ गायक नाउ...

1. सैन्या काला-	श्याम कृमाव यादव	श्री बाजकृमाव महत्रे	कनकपुरा
2. कपनी दादी-	किशोर कृमाव यादव	श्री जगन्नाथ यादव	कनकपुरा
3. जूगसव-	मिथिलेश क. यादव	श्री राम किशुन यादव	चलोबागज
4. अयोध्या-	मिथिलेश क. राम	श्री टोटी राम	मधुनी
5. जीवन-	परम कृमाव यादव	श्री छोटैकेन यादव	चलोबागज
6. कसेसवी	राम बतन साह	श्री नावाया साह	चलोबागज
7. कोशिता-	कमल किशोर पंडज	श्री रघुनाथ ठाकुर	चलोबागज

अन्य संस्मृती-

श्री उमेश मण्डन	श्री जगदीश प्रसाद मण्डन	रघुनाथ (मधुनी)
श्री दुर्गन्दि मण्डन	श्री रामदेव मण्डन	गोपालपुर
श्री अमित बज्र	श्री नागेश्वर कामत	पौवाय



श्री बमेशि कृमाव

श्री भागरत मलत्रे

चलैबागज

श्री सजय कृमाव

श्री लैद्यनाथ साह

सिमवा



सकस्रती शृङ्गा 2012 केव अरुसवषव मचित नाटक- क्रिसरसयात

स्थान- जे. एम. एस. कोटिग ठमष्टेव- चलौवागज (मधुनी)

दिनांक- 28/ 01/ 2012 (शनि, दिनक मत्र)

नष्टकराव- छेचन ठाकुर

निर्देशक- छेचन ठाकुर

गात्र, कलाकार, पिता आ गायक नाउ...

1. बायकिश्वन-	दुग्गन्निद ठाकुर	स. भवत ठाकुर	चलौवागज ।
2. बाय सेरक	प्रशित कमार	श्री बाय ना. महत्रे	चलौवागज ।
3. सियाबाम-	मो. अमरव-	मो. किस्मत-	चलौवागज ।
4. नखन-	मलोज कमार-	श्री जालेश्वर महत्रे	चलौवागज ।
5. नरुमी-	नरीन कमार	श्री उपेन्द्र कामत	सिमबा ।
6. जीतेन्द्र-	सुनीन क. महत्रे	श्री रिलोद महत्रे	लेवमा ।
7. मलारव-	सज्जीर कमार	श्री रिहारी मण्डन	चलौवागज ।
8. जगन्नाथ-	मोभा क. महत्रे	श्री बायचन्द्र महत्रे	लेवमा ।
9. रीक-	लेरण क. महत्रे	श्री अशिली महत्रे	चलौवागज ।
10. सुशीन-	मिथिलेश कमार	श्री बासुधारी महत्रे	चलौवागज ।
11. श्यामनाथ-	चेतनाबायण सिंह-	श्री योगेन्द्र महत्रे	चलौवागज ।
12. उमाशिव-	अमित बज्जन-	श्री नागेश्वर कामत-	चलौवागज ।
13. रिन्देश्वर-	बाज्जनी कमार-	श्री रिपिन कमार सह	चलौवागज ।



14. वामनात-	बमेशि कृमाव-	श्री भागरत महत्रे-	लेखमा ।
15. वामनात-	बाघर कृमाव सा-	श्री लक्ष्मण सा-	चलौबागज गोठ ।
16. गंगावाम-	सरि नावायण कृमाव-	श्री वामकिशुन महत्रे-	चलौबागज ।
17. मोहन-	देवन मण्डन-	सुर. छेदी मण्डन-	चलौबागज ।
18. पट्ट-	अरिनाशि कृमाव साह-	सुर. शेरण साह-	चलौबागज ।
19. वामभद्र-	ब्रह्मदेव यादव-	श्री मदन यादव-	चलौबागज ।
20. रतनदेव-	सुभाष कृमाव-	श्री रावू साहेव साह-	चलौबागज ।
21. बीजेन्द्र-	नरीन क. मण्डन-	श्री कामेश्वर मण्डन-	चलौबागज ।
22. मजनुम-	भोला कर्ण-	सुर. नान बहादुर शास्त्री-	लेखमा ।
23. ओम प्रकाश-	अभिनव क. सागव-	श्री लखमान पौद्गाव-	चलौबागज ।
24. परन-	रिक्की क. कर्ण-	श्री गनदुनाथ कर्ण-	लेखमा ।
25. बीनट-	मो. ठासिक-	मो. द्रुसुताक आनम-	चलौबागज ।
26. नदीम-	सुरोष कृमाव यादव-	श्री कनानद यादव-	चलौबागज ।
27. नानू-	मो. ठासिक-	मो. द्रुसुताक आनम-	चलौबागज ।
28. बाजा-	बमेशि क. यादव-	श्री वामनन्दन यादव-	चलौबागज ।
29. सनीम-	शिशिकान्त सिंह-	श्री अशोक महत्रे	लेखमा ।
30. मोसुतकीम-	नानू क. यादव-	श्री सहदेव यादव-	चलौबागज ।
31. लोभ-	शिर क. 'शिर'	श्री रचन मण्डन-	लेखमा ।
32. मलोज-	ग. जन कृमाव-	श्री गोपान साह-	लेखमा ।
33. चमेनी-	नानू कृमाव यादव-	श्री रिशुदेव यादव-	चलौबागज ।
34. ब्रह्म-	ब्रह्मनाथ ठाकुर-	श्री महकान्त ठाकुर-	चलौबागज ।
35. घृक-	दुष्मानद कृमाव-	श्री सवेम कावक-	चलौबागज ।
36. ब्रुठन-	प्रदीप क. मण्डन-	श्री बाजेन्द्र मण्डन-	चलौबागज ।



37. पनष्ट- बज्जीत क. मण्डन- श्री परम मण्डन- ि समवा ।
38. चिनया- बमेशि कयाव मरत्रे- श्री गनुदुदेर मरत्रे- लेबया ।
39. तस्मण- सत्रेश क. मरत्रे- श्री सूरत मरत्रे- चलौवागज ।
40. हविकेशिब- जीतेनुद कयाव पासरान- श्री उतीय नान पासरान- लेराड ी ।



ई कनास अपन मत्व ggajendra@videha.com पब पठाउ ।



गजेंद्र ठाकुर

जगदीश प्रसाद मन्दन : एकठा बायोथान्की

आगा

बायपष्टीक जहन रनि गेन छन । द्वाद उल्लांन ले भेले उल्ला पडन छन । नबकोमे कि कम ठेन-ठेन गेग छे । म्भूनी छी राडिमे जे दसो-रस दिन बहन हेतार, हुनका मोले हेतनि । तगठाय सान के कह्य जे कतेको सानस कतेको गोष्टे छनार । आजादीस पहिलो आ पछो म्भूनी जेनक छनती बहल कएन । तगमे द्वाद एकठा जकब भेन बहे जे जेनक भीतरा रिताजित बह्य, राडि न. ०२ बाजनीति पठाँरना सबके बहे, राँकी सहवगजा ।

सहवगजा ई जेन जे ले अपबास एक बगक छे आ ले अपबासी । द्वाद जेन त जेन छी म्भूनीस न२ क२ बूनत्रेड । धरि एकेठाय बहता । द्वाद जहलक कारोबारमे टोरी-टपाठी बहल करि, कियो जनथेक रदाम टोवा ले त कियो गृह । कियो कक तेन हेब केब क२ दे, कियो किछ । आजादीक सम्य म्भूनी जिना (तग दिनक सराडिरीजन) जखन आजादीक सीमापव आरि गेन तखन कले भाषा-प्रेमी-अथेजक देखिये नी ।

एकठा एस.डी.उ. भेला थियर्सन । जे गाय-गाय घुमि भाषक मर्मके रूनेक कोशिनि केननि । कोशिने ले केननि भोतूमक-भोतूम गेथियो निखले छथि । पैय-पैय प्रसूतकानयक सिगावक रसुत रनि जेरब-जेरवात जकाँ आनमारी पेले अछि । भाषा-साहित्यक जेन सबकारियो-गेब-सबकारियो सस्था सभ खूब काज केनक, द्वाद थियर्सनक कएन मैथिली सेरा आनमारीक दबाजमे बसि गेन अछि । जलिना साहित्य सृजन अनुभवात्मक आ रौप्यात्मक गेगत अछि तलिना भाषक सेहो अछि । मैथिली शिर्दके र सर्फ ससुतस आन शिर्द रूने छी त मैथिली सग अन्याय गेग छे । न्याय तखन हेते जखन मैथिली शिर्दके रैदिक जीरन-पह्यतिक शिर्द कपमे देखन जेतग । एक-एक शिर्द एक-एक जीरनक काजक नकुषी तैयाव करैक शक्ति बथेथ । ससुतक प्रभार ई जेन मानन जायत जे रैदिक भाषा ससुत बहन । उना भाषक दोड़मे आगू ले रठेर द्वाद एकठा रात आरथिक रूमि पडैए तै रैदिक ससुतक शिली अनुभवात्मक अछि जखन कि लौकिक ससुतक भारात्मक रेसी । भारात्मक दिना कल्पनाशील रनेत गेन । जेना-जेना भारात्मक दिना मजबूत गेगत गेन तेना-तेना साहित्य जिनगीस (जीवन पह्यति) दृब हठैत गेन ।

बायपष्टी जेनक उल्लांन ले गेगक कारण बहे जे प्रशासनस ठीकेदाव धरि कियो बागनन करैल तैयार ले । किछ काज पछुआन त किछ रिन-भगतन पछुआन । द्वाद नजबि सरलक योजना आगक पाछ ।



बाज्य बायपथी (भोकपा-याकपा) पाठी अपन ज्वरत समस्या सब नः कः जेतबरो आन्दोलन केनक । ओना सौसे बाज्यक ज्वरत समस्या सब द्वादा बहः द्वादा मिथिलाकेनक जेन दृष्टी प्रद्वध द्वादा छन । पहिन कोसी नहबिक सग नूनधव, शीशापानी आ रवाहफेद्वे डेम रना परिनिजनी उत्पादन कएन जए जगसँ प्रतिक सग उद्यागो धरा रहते । किछु गोठेक एलेन धावा आखला छन्हि जे कावखानक जकबति खाल फेद्वेठो मे लोग छै । द्वादा से ले, एलेन लोग छै जे जते-वगक कावखाना अछि तगमे ३३ प्रतिशत जू खान फेद्वेक मानस छेत त ४३ प्रतिशत प्रानि उत्पादित रसतसँ सेहो छेत । दोसब द्वादा छन मैथिली भाषाकेँ सबकारी मान्यता भेटौ अर्थात् अष्टम अनुसूचीमे शामिल छै । जगसँ मिथिलाक विकासमे एक कड़ी जुड़त ।

मधुनी जिना रदा-छदा कः ओग आन्दोलनमे हिस्सेदारी दर्ज करौनक । दर्जना करीन सेहो बहः । हज्जबसँ दुपव कार्यकर्ता जेनमे बहः । जग दिन मपेधुव-नखेली बलौकक सम (प्रदर्शनिक सग जेन) बह तग दिन रिसुनक सेहो बह । जगदीश प्रसाद मन्तन सब जिना-कार्यालय (डी.ए. अकिस)क गेठेक राह बहः । पूर्वज (सर. बाजकृष्ण पूर्व) कार्यालयक पैछना गेठे देले आरि, पाछुमे ठाढ़ भेल एस.पी.केँ कानव पकड़ा जेनखिन । भीतव-राह बह-रह बा भः गेल । नाठी छट भः गेल । द्वादा रहत ले भेलग ।

जगदीश प्रसाद मन्तन बायपथी जेन पहुँचना । लेकमा अष्टाव गेठे बहः । नागेन्द्रजी (डा. नागेन्द्र कृष्ण मा, पैठेघाट) आ जगदीश प्रसाद मन्तन सब लेडी बर्डिक ओसारा पकड़ले बहः । जिनाक सब रिवायो आ रिवाज पार्यदो बहः । रिवायक बहः पूर्वज (सर. बाज कृष्ण पूर्व) तेजनाबाय जी (श्री तेज नाबाय मा) नान रिवाजी (श्री नान रिवाजी यादव) वमणजी (बाय नखन 'वमण' भोकपाक रिवायक) पूर्व रिवायक रिजनाथजी (श्री रिजनाथ यादव) टोषवीजी (श्री प्रमोद चन्द्र टोषवी) ।

जेनक भीतव दृ लेव भाषा-भूषण छेल । द्वाध रक्ता बहः टोषवीजी । माँजन रिद्वान । भाषापव एते पकड़ बहः जे एकाे शिर्द कम-रेसी ले लेनहि । कोना रिमयकेँ यथास्थित व्याख्या करैक अछि फ्रमता बहः । ओग सम्य पाठक जनशक्ति दैनिक पत्रिका निकलैत छन । सम्पादक बहः टोषवीजी । जगदीश प्रसाद मन्तन जनशक्ति पत्रिकाक सराददाता बहः ।

सर. प्रमोदचन्द्र टोषवी नीक रक्ता छनाह । निखरो नीक करैत छनाह । मैथिलीमे तू भविसक ले द्वादा हिन्दी-अंग्रेजीमे कतेको गेथी निखले छुथि । जेहले रिद्वान तेहले सुब्यसत परिवारक सेहो छनाह । पालो खूँ खाग छनाह आ सिगरेठे पीरैत छनाह । जेन तू छुछे देहे आरि गेनाह द्वादा भिनसक पह चार पीना पछाति पान खागले मन छुष्टछुष्ट नगननि । जगदीश प्रसाद मन्तन सब पानक ओबियान कः कः बखले बहः । जहलो कोना जहल जकाँ नहिये बह । ले सबकारी पर्याप्त स्थाक बह आ ले सबकारी लेखना । अपले सब सब किछु । गेठे खुजले बह । भीतव राह प्रदर्शनकारी लोक सौसे छेत । लेक पह टोकपव अन्हा लोग । टोषवीजीकेँ टोके हिसार नहिये बहः । आरि तू जगदीश प्रसाद मन्तन चार पिआ पान खुखरिनि । तेकव राद गप-सप खुक लोग ।

ओना रिवाक कतेको जिनाक प्रदर्शनकारी दुग्ये दिनक पछातिसँ निकल नगनाह । द्वादा मधुनीक मारि-पीठ केस भविष्य देनके । दृ दिनक पछाति नागेन्द्रजी सेहो दबलगा जेनसँ निकनि मधुनी जेन छनि एनाह । तेवह दिनक पछाति निकलैक आदेशि आन बह । द्वादा सबक ले । ३३ गोठेकेँ द्वाजबबपव जेन पठलैक आदेशि सेहो आन बह । तेवहम दिन निकले लेव कियो निकलेले तैयार ले भेल । किछु रिदाग भेल रिना केना निकलत । गप उठन धोती-कूती, गजी-गमछा आ चन्दक द्वादा से ले भेल । लोगत-हरागत एकठा नृगी आ एकठा गमछा सबकेँ भेटनि । पाठी आन्दोलनक अंतिम जेन यात्रा छेल । तेकव राद जे जगदीश प्रसाद मन्तन गेरो केना तू एक-दिना-दु-दिनामे । जे कएक लेव थानेसँ छनि आरि ।

ओना जगदीश प्रसाद मन्तन सब दोहरी जेनक यात्री बहः । अपलो गाममे तते द्वाकदमा भः गेल बहः जे एक ले एकठा राकल सब दिन बहले कबनि । दृ हज्जब ङसरी अरैत-अरैत सब केशि समाप्त भः गेलनि, खानी दृष्टी शेष रचन बहनि । एकठा ३०१ (हत्याक प्रयास) जे लोग कोठेमे छनि, दोसब ७३ (अगिनगगी) जे डिस्टिक जजक कोठेमे छनि । जिला राई क पानि गोखबिमे प्रवेश करैकान सौसे गोखबिक पानि गतिशील भः जाए



আ ঘুমতী রোব (রাষ্ট্র সঠিক সময়ে) ধীরে-ধীরে গতিহীন হুঁতু নতুন তলি দ্রুতদ্রুত দৌড়য়ে ভেঁ গেলনি। দ্রুদা অসুখি লে ভেল চলে। কাবণ দ্রু কেশি গেলনি চলে। অসুখি ও ভেঁ জে জিনাক কেশি (অগিতগীক) ক কাগজে তবমে পড়া গেল আ হাঙকোঠমে দৌড়-রবল কম হোগ চলে।

অন্য ধরি মাল ২০০০-৩০০০ পূর্ব জগদীশ প্রসাদ মন্ডন দেশিক প্রাসাদ রসী ভ্রমণ কং লেল চুনি। এক দিস দেশিক আর্থিক রাজধানী দ্রুদগ দেখ লেল চুনি ত দোসব দিস নাগালৈড-অকশাচন সেহে দেখল চুনি। বরিন্দ্র রাবুক (মহর্ষি বরিন্দ্র নাথ ঠেগৌ) শান্টি নিকেতনক সগ সুন্দর রন, গগাসাগব, করিব দাসক গাছন খনুতী সদ্দাক কাত, ত সূর্য মদিব সেহে দেখল চুনা। বগ-বগক দ্বিত (দ্বন্দ্ব) এক দিস জঁ হজারী রাবুক (আচার্য হজারী প্রসাদ দ্বিরেদী) জে শান্টি নিকেতনমে ১৯৯০-১৯৯০ গ.স ১৯৯০ গ.স ধবি হিন্দীক অধ্যাপক বহনহ। সিবীসক কুনক মহম্মদীস দ্রুদ হোগত বহি ত দোসব দিস মিথিচনমে ও সিবীসক রজিত অছি। লে ঘবক কাজমে আওত আ লে চৌকী, কবসীক কাজমে। ততলে লে, কুনক গতি সেহে সএহ। গাছ ত রড়কা-রড়কা হোগ চুে জলিা কহরী চুে “মনুখ ত রনরীব দ্রুদা যোছ লে ত কিছ লে।” তলিা। মন মানি গেলনি জে পুরা-পড়িয়াক নহুঁ ছী। কুনক লেন কেলেন গাছ নগাওন জাএ, কুনক সগ কুনক লেন কেলেন গাছ নগাওন জাএ আ কিনি কুন-কুনক গাছ কতএ নগাওন জাএ, ও ত প্রম ভেলনি। দ্রুদা পড়িয়াকে পূরকি নপেট তব কং দগ চুে। জঁ সে লে করে চুে ত মিথিচনক ভূমিমে কতএ কহাঁসি আরি রোন-মাড় নাগি গেল চুে, জগঠাএ এক-স-এক কুন, এক-স-এক কুন আ এক-স-এক স্কাঠ নকড়ীক বাস ভূমি ছী। মিথিচনক রিকাস তখন হুত জখন মিথিচনকে গহবাগসি অধ্যয়ন কং অনুকুন পরিস্থিতি রনা উপযোগ হুত।

যাত্রাক দৌড়য়ে রাজস্থান সন দর্শনীয় জগহ সেহে চুঁলে চুনি। যাত্রা ত গবপব চুনি দ্রুদা সয়েও আ পাগওক তগী চুনি। মমিযৌত ভাতিজ রাজস্থানক পানী জিনা অন্তরাত ডীএনএক, সিমেষ্ট কাবখানামে সুপব-রাগজব চুনিখি জে রোব-রোব অরেক রাত করেত বহিনি। ওনা ও তেজ নাবায়া মণ্ডন) পঠন-নিখন লে। কোসিকনা ভেলে গামক স্কুলো নহুঁ ভেঁ গেলনি আ গায়ো। জমীন-জত্থা গুজব করেবনা জকব চুে দ্রুদা কোসী-কমনাক রীচ পড়া গেল চুে। ভাগি কং ও রাজস্থান চনি গেল। ডীএনএক, সিমেষ্ট কাবখানামে ওয়া মজদুবক রপমে লোকবী ভেঁ গেলনি। এন.কে. পারীখ নাওক এক গোটে জে চাবি কোঠবী মকানো রলোলে চুনাহ আ ওহী সিমেষ্ট কাবখানামে নীক পদপব সেহে চুনাহ, হুনকে মকানমে একটা কোঠবী ভাড়া। নং তেজ নাবায়া বহু নগনা। ধীরে-ধীরে দ্রু গোঠেক রীচ সর্ব রহুঁত গেলনি। হুনকব (এন.কে. পারীখক) সাসুব লেপানক কাকবভিষ্টা তএ পনৌ মিথিচনসি পরিচিত, সমরন্থক মজবুতীক কাবণ রহু ভেল। ভাএ-রহিন জকা দ্রুদ সমরন্থ রনি গেলনি। এক-দোসবক পারিবারিক জিনগীক সমরন্থ রহনি। এন.কে. পারীখ তেজনাবায়াকে কহনিখি জে রোসাবীয়ে পঠ। দেব। সচচ্চ পঠ। কং কাবখানাক সুপব-রাগজব রনা দেনখি।

জগদীশ প্রসাদ মন্ডন মনমে অষ্টকাবি লেননি জে যাত্র জাগ ধরিক সমস্যা চুনি। জখন জেতা ত এতলো ও লে কবত? দেখেরনা জগহে দেখ লেতা আ ওগঠামক মাঠি-পানি-হরাক ক্ষেত্র দেখ লেতা। এক দিন এলিা কিছ পারিবারিক আয়দনী ভেলনি, ওঠি কং রিদা ভেল। অসগলে ঘূমেক সুরভারো চুনিহিয়ে। দিনবী হোগত রাজস্থান পহুঁচনা। সুপব-রাগজব ভেল পছাতি তেজনাবায়া অসনা পরিবারো (পনৌ) আ একটা ভাওয়াকে গামস নং গেল। ভাএকে ওগ কাবখানামে লোকবী পড়া দেনখি। এন.কে. পারীখক মকানসি হটি তিন কোঠবীক মকান ভাড়া। নং বহু নগনা। পৈখানা কোঠবীক ওতেক জকবী লে, এক ত ক্ষেত্রক হিসারসি পাতব জনসখ্যা দোসব মাড়দাব সাগবীক (বগুব জকা পাত্রে আ কাঁঠে হোগ চুে) চুইকুঁ গাছক পবদ। রসসি ওতরি সোমে কাবখানা গেল আ অকিসমে ভাতিজক সমরন্থমে পুচুনিখি। তেজনাবায়া ভূঠীয়ে লে বহি। এক গোটে পঠনাক সগ ভেলনিখি আ তেজনাবায়াক ডেবাপব দোসবি সানি হোগত পহুঁচা দেনখি। রিজনীক গজোত। রগনমে তিস-চানীস দোকানক চুই-চীন রাজাব। জগ রীচ হোগত রসক বাসতা। অন্তহাব বহল রসী লে দেখি পেল।

টোত মাস বহল গবমী খুর পড়া, দস রজেক বাদ ঘবসি নিকলেক মন লে হোগ। দ্রুদা রাবহ রজে বাতিক পছাতি (জেনা-জেনা বাতি চলে) মোঠগব চদরিক জকবতি ভেঁ জাগ চলে। বহলে একটা খাট, সিবকক সগ ভেঁচন চুনি। ভিনসব হোগত দেখেক অসব ভেঁচনি। ডেবাক আগুমে চাবি-পাট্টা অশৌকক গাছ নাগন, মনোনকে গাছ। মকান মানিকক ঘব আ কিলোমিষ্টব হটি কং বহে। দ্রুদা মানক ঘব রগলেয়ে রলোলে বহে। মালো কি রিন



রচা দৃষ্টা ব্রোডা যা মরিস। তিন রাপূত ফকান মানিক। পিতা বৃহৎ জে লেসীকান মরিসক তাক-হেবি করিত চুন। এক ভাগ ওলি সিমঠে কাবখানামে লেকরী করিত চুন। আ দোসব খেতী-গিবহসতীস নং কং মরিস দহনাগ আ মোঠেব সাগকিতপব দূষ লেচনাগ ধবি। তিন-কিল্লা মীঠেবপব একটা দোকানদারকে প্রতিদিন দূষ দগত। সাগঠা বীয়া জমীলা বহনি আ একটা লোবিগ সেহে। ফুদ দেখবা বানুক খেত। পহাড়-বানুক ক্ষেত। গাছক কপমে মাত সাগরী। পহাড়ক অতিবিক্ত খেত সভমে পাখক ছোঠে-পেঘ ঠকড়। ওঘবখন। পবতে ভল মকান মানিকস চিনহা-পবিচয় ভং গেননি। পংসঠি-সতবিক ওমেব, দেহমে মাত একটা পোতী। পবাত ভল জখন লেটা মরিস দূষ নগনি ত জগদীশ প্রসাদ মন্ডন দেখনি জে দূষ ত কমে ভেলে দূদা ওগমে পানি টাবি দেনকে। পুনখিন জে পানি কিঞ্চ দেনি? জরার দেনকনি জে জ দূষমে পানি লৈ দেলে ত মরিসক খন জবি জখত। জরার শ্বনি কিছু কুড়ল লে কএনি। আ হো চনি গেনাহ।

তেসব দিন ঋজমেব দবগা দেখেই কার্যক্রম রননি। রহুত সুন্দর স্থান। পহাড়ী গনাকাতা তএ লেসী চিকলো-চুনদুন। স্থানক পুরাবি ভাগ উচগব পহাড়। পহিলে ত মনমে ভেননি জে লিন্দুকে লোক হেতে দূদা সে লৈ। দেখিনিহাবমে লেসী লিন্দু। কবুলো-পাতী লেসী। স্থানক ভীতলে বহখি কি গাজা-রাজাক সগ একটা জ্বুস দেখনি। হাখী, উঠক সগ মনুখকে চনলেত চবিপলিয়া গাড়া (বিনু গাজিনক, আগু-পাছু আদমী ঠেলেত) মর্দ-ওবতস সজন জ্বুস। বগ-বগক বরাজিয়োক সমূহ। নগাস নং কং বগস ধবি।

দবগা দেখনাক পছাতি পুনকব গেনা। ঋজমেবমে আম, জাদুন, নতাম গত্যাদিক গাছ সেহে দেখনি। গনার কুনক খেতী রহুত লেসী। পুনকব একটা নমহব গোখকিয়া খি। জগপব ব্রহ্মক মদিব খি। খলেকো ধমণিাতা আ খলেকো ঘাঠে রনন খি। জহিনা দবগামে ভীড় তহিনা পুনকরোমে বহ।

ওনা জেরাকান জয়পুরমে রসস উতবনা। দূদা বাতিমে গেনা। ভোলে ঋনহবগলে দোসব রস শকড়া লেননি তএ দেখেই ঋরসব ওগ দিন কিছু লৈ ভেঠেননি। ঋজমেবক তেসবা দিন পছাতি জয়পুর পহুচনা। সচদ্রুচ কনা-কুতি খ্রিষ্ট টে খাস কং প্রাচীনক। মীবাক স্থান (মৈবতা) সেহে গেনা। রসসমা লেনক গাড়া চলে টে।

একটা মদিব খি জগমে খলেকো মূর্তি খি। মদিব রহুত নমহব লৈ দূদা টিপগরো লৈ। মেনপেঠা জকাঁ খি। আ না ভীতব এরা-জেরা লেন লোকক কেরাড়া নাগন। দূদা সদিখন নগলে বহে টে। ছাতী ভবি উপ চাক কাত নমগব-টোড়গব খিচকিয়া মোঠগব লোকক সবী নাগন টে। জগ হোগত চাক কাত ঘূমি কং দেখন জাগত খি। ভীতবমে বাজদবরাক দৃশ্য রনন টে। জহিনা বাজদবরারমে সভ কিছু সজন বহে টে তহিনা সভ কিছু সেনাক রনন টে। ওনা দেহমে এক-পব-এক স্থানো খি আ মদিবো খি। জহিনা কনাক ক্ষেত্রে খি তহিনা আর্থিক ক্ষেত্রে। দূদা মূন রসুত ঋধিকাশি স্থানক গাগর খি। ও ছী ওকব মহাত্ম্য। উদাহরণক কপমে “কামকপ কামাখ্যা” কামকপ কামাখ্যামে সভ কখুক রনি প্রদান হোগত টে, দূদা দোসব-তেসবমে খতব টে। কিছু স্থানমে খাস চীজক রনি পড় টে। তহিনা পবসাদো খি। জগল্লখক পবসাদক খনগ কপ-গুণ খি।

ওনা কোলো স্থানক মহাগাগক পবিচয় বাবলো মাস বহনাপব হোগ টে, সে ত বাজস্থানমে লৈ বহনা, দূদা জতলে দিন বহনা তগমে দেখনি জে রীতভবিক সজমক দায়, জেকব দায় ঋপনা ঐঠাম আঠো ঋনা লৈ হেতগ ও দস কপেয়ামে রিকাগত। ১৯৯৯ ঋমে গেন বহখি। তিন কপেয়ে চাহ রিকাগত চুন। তহিয়া ঋপনা ঐঠাম এক কপেয়ে কপ রিকাগত চলে। তিন কপেয়ে পান রিকাগত চুন ঋপনা ঐঠাম বাবহ ঋনা বহ। এক ত ঋপনা সভ জকাতি সিকড়। ঋন দোকানমে লৈ দেখনি দূদা ঋনক ভাউমে ঋপনা সভস কয় ঋনতব চলে। কিছু সসত্রে চলে। জনা চিনিয়া রদাম। চিনিয়া রদামক খেতী হোগ টে। ঋর-পীঋর ঋপনা সভ জকাঁ লৈ, সীমিত জিনগী সীমিত ভোজন। গবীরী সেহে টে। দূদা ঋপনা ঐঠামক কাব ভিন্ন খি ওগঠামক কাব ভিন্ন টে। জহিনা নাও মকভূমি তহিনা সচদ্রুচ মবলো খি। লে ঋপনা সভ সন যৌসম স্থলরনা আ লে গাছ-বিবীচক ঋনন্দ। দূদা বাজাঘবনা আ ওচাঠিক ঘবনাক রসলে কলো-কাবখানা আ ঋবামদে গাড়া যো-সরাবী।

ওনা ঠীক-ঠীক লৈ বৃমত চুননি দূদা চাক কাত জে চুলবদোরনী দেল বহ ও দস কিল্লা মীঠেবস লেসিমে বৃমি পড়নি। রীচমে সিমঠক কাবখানা রনন। পানি, রিজনীক লেরস্থা খাস লেরস্থা সেহে। কাবখানাস দহনি



नमगव टोड़गव पगड़ छै । जगमे सँ डाफनायाँसँ त्रेडि पायव अरै छै । ओना तीन हजारसँ उपव त्रिमिक कार्यवत दूदा किना ठौर-ठोकनक । किछ गोष्ट छथि जिनका दबमले नीक छन्हि आ आलो आन सुनिना छन्हि दूदा अर्थिक त्रिमिक जिनगीक कोनो ठौर-ठोकन ले छन्हि । ले कर्मचारीके बहल आवासक लेखना छै आ ले नीक मजूबीक ।

कावखानाक जे दूख प्ररूपक छुनाह ओ सेरा-निवृत्ति आग.ए.एस छुनाह । कावखानाक भीतले नीक आवासक लेखना छुनाह । दबमले नीक । मिथिलाक दूधगय गले अछि जे सेरा-निवृत्ति नीक-नीक पदार्थकारियो आ अन्धकारको दोहरा-दोहरा लोकरी करव नगनाह अछि । आँग यो, अल्ले रानप्रसू अत्रिमा/ सन्यास अरस्था कहिया आउत अकि अरै-ले देरग । जगठाम मिथि-मानिक एतेन स्थिति बहत तगठाम भगरान मानिक छोड़ा के तेताह ? काँट माँठिक एकठा दिखारी बना निख । काँट-पुन साढ़ी काँटि छैनी बना निख । कड़ू तेतक मानीमे मथा दिओ आ साँसू पहव डितराव स्थानमे जेसि दिओ आ एकठगा दू दू लथ जोड़ा मागि निख जे रिखा दिख, धन दिख, समाग दिख । ।

दूख प्ररूपकके देखि मनमे उठनि जे कि सेरा-निवृत्तिक पछाति जे लोकरी केनिगव छथि ओगसँ ज़रूतीकारके रन भेटै छै ।

टोयागयोसँ कम कर्मचारीके स्थायी लोकरी तेठेन छुनि । जिनका किछ-किछ सुनिषो छुनि । बाकी तीन-टोयाग ठीकेदारक अन्तर्गत काज करैत । ओना दबमले कम जकव छुनि दूदा गायक रोनियातसँ लेस छुनिहै । काजक ठगो लेखनिक । जना दूठा सुपव-रागजव छुनाह । दूधक रीच एकठा मोठेव सागकिन । टोरीसो घठा कावखाना छलेत अछि । जग सुपाव-रागजवक दूठी समाप्त तेठेन ओ मोठेव सागकिनसँ डेरा जेत, ओली गाढ़ीसँ जग गाढ़ीसँ दूठी करैरना सुपव-रागजव आन छुनाह । तँ दूठीक हिसार केनिगव संगी भऽ जाग छुनि । तँ सभ अपन दूठीक पका छुनाह ।

दोखवा रान सभठाम एके वग ले । कट्टे-कट्टे मेरी रान सेहो छै जेकरा थैतीक उपयोगमे अनन गेन छै । बहत तबमे पानि (लेखव) तँ लेविगो मरग । गहू, रदाय, टीनिया रदाय, राजवा, ताबेक थैती ठाम-ठीम बह ।

अपना सभ जकाँ ले वग-वगक पशु आ ले पकरी । गोष्टि पगवा-मोव । अपना ठँठाम जेवक-जेव कोआ, मेना, रगवा-रुगवी अछि से ले । रातरवगो अन्कून ले । ले बहल गाड़-रिबीछ आ आगक वग-वगक रसुत आ ले पीरैक पानिक लेखना । गोष्टि-पगवा गागयो दूदा खट-पानिक अन्तर जेव रनोले । तिनसक पहवकेँ ट्रैकटवपव हविखलो आ सुखलो ठैठेव लेने अरै आ छीटि दग । गाँ-सभ अपन-अपन खा । पवरा सेहो छै दूदा खाएर रजित । जँ थैले आ पकड़ । जएर तँ ज़मना नागत ।

बाजस्थान जागसँ डेढ़ रर्थ पूर पनचनले रर्थक अरस्थामे जगदीश प्रसाद मन्दनक माँ मवि गेली । मागक अतिम दर्शन । दिनक रावह रजैत । जगदीश प्रसाद मन्दनक पनीकेँ ओ कहनखि-

“तू सभ आग-पीले गेनह ? ”

प्रवेह- “ह । ”

“रछा, गायमे अछि किले ? ”

आग कानमे देखिलेह बहनि, दूदा नगले रिसवि गेली । मनमे शिका तेठेन ।

“हमरो कले रिछन कऽ दए । ”



पुत्रोत्तु ओसारपव रंगलेमे रिछन कऽ देतकनि । रैसले-रैसले घुम्कि कऽ रिछनपव पङ्क्ति से पङ्क्ति बहि गेलीह । एकादशीक दिन ।

अंतिम सम्य धरि माथे आशि ले छैतनि । जिनगीमे नमरव-नमरव दुर्दिन सेहो एतनि, तँ सेरो एते मजगूत बहननि जे आशीक राठ पकड़नि बहननि ।

सुत्रयस्त परिवारमे मागक जन्म भेल छनि । दू भाए-बहीनक बीच पिताक परिवार छनि । बहीनक लेठी नर्सिंग मण्डन दीप गायक छनि । जिनका १९७२ ई.मे समावश्व सर्जनक अन्वेषणमे गेली नागन छनि । दू गोठेक (जगदीश प्रसाद मन्दन आ हनको) माथिक मनसावा (देवभगा जिला, घनश्यामपुर बलौक) एके परिवार । लेबामे मागक सासुर, दीपमे पीसक (दीदीक, जिनकर लेठी नर्सिंग मण्डन) सासुर, गोधनपुरमे जेठ रत्न जे सात भाए-रत्नमे सभसँ जेठ । मनसावा परिवार सम्पत्तिमेमे अग्रज एतनि से समागोमे अग्रज एतनि । मागक योसीक सासुर लेबामे । हुनके परिवारक गोथरि अधिकारी गोथरि नाउसँ जन्म जगत अछि, जे जगदीश प्रसाद मन्दनक घरक रंगलेमे अथवा कावग अछि । घर-घर कत भेल नहए तँ कमि गेल छै दूदा माछ-मखानक रवारी छै । तल्लि एक नकीवमे तीनठा गनाव सेहो छनि, जे भग्नारणैय मात्र बहि गेल छै । तीन भाँगक बैथारीक रठरावाये छानीक कपैया गनि कऽ ले तवाजुप तेल कऽ राव-राव पसेवीक रठरावा भेलनि । आगे परिवारक नागिमे जगदीश प्रसाद मन्दनक पिताक रिवाज होराक काव छन पैछता गतिहास । जगमे कृत-मृतसँ नऽ कऽ पाविराविक लेखन धरि अरि अछि । जगदीश प्रसाद मन्दन सँ दुप सौद १ धरि परिवारमे छ जेठार आ गध दूध रजित छन । दूदा आर ले । योसीक मागक योसी) अनुश्रुति मागक रिवाज एक साधारण परिवारमे भेलनि । घरदेखि पाँच गोठे जे एतनि से पाँचो पाँच बगक । अपन-अपन नजबिये सभ परिवार देखनि । एकठा नमगव-छुगव खलीक सेहो बहनि । थोता पछाति घरसँ जखन निकल नगनाह तँ टोकटमे कसि कऽ टोष्ट नगनि । ओग तामसपव राजि गेलाह जे एहना ठाम रुकैयैत कर । जेकरा घर ले दुआ छै । दूदा सभ छपछप सुनि जेनि । योसीक मागक योसी) जिज्ञासा बहनि जे अपना सम्पत्ति नहिछै छै तँ कि हेतै । अपना थोत-पथाव, गोथरि-गनाव तखन दुध कथीक हेतग । कावलो छनि जे सासुर किछ दिन रसना पछाति रिधरा भऽ गेल बहनि ।

दोसव सिकारिनि (माथक रिवाजक) योसीक बहनि । मागक जेठ रत्न गोधनपुरमे । गोधनपुर लेबामा सठे अछि । सात भाए-रत्नमे योसी सभसँ जेठ आ माथ सभसँ छोट । कबीर तीस रथक दूरी । ओना ओहो पुत्र गिलि रिधरा भऽ गेल छनि । दूदा दूठा सन्तान तँ छनिहै । हुनको सिकारिनि भेलनि । तेसव सिकारिनि दीपक (नर्सिह भागक) दीदीक भेलनि । परिवारमे महिला समूह रिचाव काठर कठिन भऽ गेल । माथक रिवाज भऽ गेलनि ।

३. रथक आहसँ पहिल रिधरा भऽ गेलीह । पिता मृत्युक पछाति कबीर साठ रथ जीरित बहनी । ए साठ रथमे एकठा (लेखक) सुत्रयस्त परिवारकें उज्ज्वल-उपल देखनि । कोसी-कमनाक छपेठमे मनसावा गाय उज्ज्वल गेल । बीच रसती (पुन्या रसती) देल कमना रहि बहन अछि । तीनु भातिज आ दू गोठेक एक-एक सान जहनमे रत्न देखनि । रिधरा योसी देखनि, रिधरा दीदी आ रत्न देख अपना रैधरय सूरिवाक केनि । नर्सिह भायकें गोली नागन देखनि । ततले ले देखनि, परिवारक भागिक उज्ज्वल परिवार (हकिमली) सेहो देखनि । जिनगीक धरु ले पजा मजगूत करै छै ।

मनसावा उज्ज्वल दीप, गोधनपुर आ लेबामा एक परिवारसँ सम्बन्धित बहने सम्बन्ध मजगूत भऽ गेल । परिवारक दू सूत्र अछि । एक रणित दोसव लेखनगत । एकठा बहने आ एकठा ले बहने (छोट कऽ बहने) सम्बन्ध प्रभावित होगते अछि । नर्सिह मण्डनक परिवार आ लेबामा परिवारमे माथिक सम्बन्ध रनि गेल अछि । जखन नर्सिह मण्डनकें गोली नगनि, गताजक दयमियान रहत दिन धरि लेबामे बहनाह ।

माथक दूगता पछाति सवधक सरान उठनि । स्थिति नीक ले छनि, दूदा समाजो तँ ए समस्याकें मेठा टुकन अछि तँ ए तेने समस्या नहिछै बूझि पड़नि । दूदा मनमे दूठा सरान अपना उठन बहनि, राजधि ले । काव संपन्न, रविवातीक मजगूत भोजक ठाका तँ ले, तीस-छानीस हजारक काज । प्रश्न बह जे एक लेब थोत-रिध-



खेतलोकें खुआ समरुन त्रेडि जेत। भेवि पेठे भोज खाग दुआरे दिन-वातिक सम दूठे दैत जेह अ नीक ले भेत। दूदा डब गले बहनि, एहलो जलक त कमी ले जे अन्का एठास पत्ता मरि दग छथि आ अपना लेबमे...। दोसब काब मने नटेत बहनि जे कर्मकाडके त हठेननि, दूदा भोज त नभले बहि गेननि। एक दिस दिस होगनि जे एक लेब भोज खुआ हवदा रजा देहि, कम-स-कम एतरो त हत जे पाँच गायक पटो आ समाजो आर्थिक सोममे देख जेनि। दूदा किछ राजधि ले। दूदा अथर आ मेघ तड़तड़ एन। तेवाति (सोवा रलौना पट्टाति) १ दिन सबधक गप-सप उठन, पिसिउत भाय (गोनब मण्डन) आरि क२ (हिनारिस लेबमा) छानि देननि जे माया त लेठे जकाँ गोसनि तँ ह्य भोज कवरे। आठ रथ पहिल गाया सेहो न२ गेन बहनि। अपन स्थिति (गोनब मण्डन) ओते नीक ले, दूदा छोठे भाएक लेठे सब (पाँचो भाँग) कमावत तेकब दूरा बहले कवनि। भातिजके पितक रिमावीक खिसा लेब-लेब सुना तेवाब (भोज करैले) क२ लेले बहि। ओ सब (भातिज) गटि जेतकनि। जहिना गोखरिमे माछ छान दैत तहिना भैयाक छान देखि (जेठे भाय, जे पहिलि मरि गेन हुनाह) जेज्जी परिवारस छान देननि जे जते ओ (पिसिउत भाय गोनब मण्डन) कवनि तते हयदू कवरे। काब छननि जे दूठे लेठे दिनतीमे लोकरी कर नागत बहनि।

जगदीश प्रसाद मन्दन हिसार जोड़धि त देखि जे दूठे भोज पचगामे भेत जगमे तीस-पगतीस हजार खाग-पौरमे आ तीस-पगतीस हजार फिया-कर्ममे होग छे। अपन हिसार आमाये जोड़धि। एकठा नर रीमावी गायक भोजमे सेहो पकड़ा जेत बहे जे मिठांगक भोज बसगन्ताक भोज भ२ गेन बह। भोजपब नजरी जागनि त मन भठकि जागनि। होगनि जे अलेर लेबमे पड़त। कर्मकाड अजसक काड छी। अनुसयाक गनती वा राविकक गनती भोजेतके चठेत अछि। तग सग मने एकठा गले उठेत बहनि जे अन्का जे पचगामा बन अछि, अ त हानमे बन अछि। एकब थेल कते केनि। भोज थेल छुथि नलीब, भोज थेल छुथि नकसेना, पवसा गत्यादिये। से त आर कूटि क२ ओहो दोसब दिस छनि गेलै आ जगदीश प्रसाद मन्दन सब दोसब दिस भ२ गेला। अपन अष्ट-पेठ देखि त टोयागपब वृमि पड़नि। भात-दानिक भोज केननि। जहिना कथा गोष्ठी “सगब राति दीप जवय”मे भाय-रधुके करैले बहि, तेहले भोज केननि, नीक जस भेतनि। भोज खुआ भोज खाएर छोड़ा देननि।

मागक दूगता पट्टाति, जना कर्मकर आमाये ठरा ह नगै छे तहिना ठराहि नगि गेननि। किछ दिनक पट्टाति सासु मरि गेननि। हुनको उमेव करीर नरले रथ छननि। ओह भोजके छोठे केननि। छोठे एना जे तीन-भा एक रलिक रीच सासुक सबध। जेठे भाय सबकारी लोकरी करैत तँ सबकारी धारी। पनीस तकबाव हेले कवतनि। दूदा सुतबनि। लेब नग बहले पनी माएक जीरित दूह देखि गेलीह से भवि सबध बहिये गेलीह। जगदीश प्रसाद मन्दन अन्ठा देननि। दूदा सासुरस समाद पहुँचनि जे एक-सरा स कठिआरी गेन बहे, तेकब अर्ध अपले नागत किले। सुनि क२ अन्ठा देननि। जखन आठ दिन रितले, पवसु नह-केशि हत तँ समाद पठा देननि जे अर्ध सब अशौचक भोज नह-केशि दिन करै छी। ह्य सब (लेबमा) छोड़ा देले छिँ तखन अरि कछ जे ह्यब आएर उचित हत। दूदा खूर योछान भेलै। दुगये दिनमे कते योछान हत, अन्ठा देननि।

सासुर रिसबला ले बहि आरि नवसिह माया करीर +०-+३. रथकि बहनि मरि गेननि। दूदा दीपक भोज नमले होगले छोठे होग छे। गाय नमले तँ सोसे गायक भोज करैत-करैत भोजेतक दय खड़। जाग छे। दूदा आन गाय तँ एको घबक किछ ले ह्छ ओ तँ गामे कहत। सयोग पोछ क नीक भेतनि जे मृत्युस करीर आठ रथ पूर सरतवा सेनानी भेठे गेन बहनि। जगस दू-अठ १० रीया थेत कनि जेतनि। सरतवा सेनानी भेठेस पूर गामेमे एक गोठे एठास लोकरी कर नागत बहि। जे पेशि भेठेनापब छोड़नि।

छावि भेतनि जे पनीक माया (मिउत सासु) सेहो ओही पतिआनीमे छनि गेननि। ओना हुनको उमेव अस्मी पाव क२ गेन बहनि। दूदा ओगठामस आरा-जारी ले बहले कोना भार ले पड़नि।

एक पीढ़ी (पुवन पीढ़ी) अन्त भ२ गेलै।



जगदीश प्रसाद मन्दन जन १९९९ ई. अरौत-अरौत आशि-ई नवागिक रीट सफायक स्थिति बनन गनन बरनि । १९९९ ई.मे दका ३०क केसमे सजा भे गेन बरनि । हाग कोर्ट अपीन गेगमे २०-२३ दिन नागि गेननि । तग समेमे बायपक्षी जेनमे बरनि । मन-मन आशर्य होहि जे किना किछु केनी जहनमे छुनि । तहियो आ अखनो मन ले मनि बहन छननि जे कोनो गनती हुनकासँ भेन हूँ । खैब, अपीन भेन, जमानत भेननि । रमजी (माननीय न्यायमूर्ति बीरन्ध्र प्रसाद रमा, पठना हागकोर्ट) के कोन केनखि त कहनकनि जे किछु ले लखत, निचेनसँ अपन काज कर । सए भेन । केस समाप्त भेन गेननि से चारि मासक पछाति बूमनखि । तेकब कावण बरन जे केस पैवरी करैक जिया ले बरनि । जखन बरत अपिक केस भे गेन बरनि तखन अपनामे रिटारि जेनखि जे एक-एक केसक भाव सब कोग आपसमे न नखि । जखन केस खूजत आ खटि रगत तखन चन्दा क जे तग रीट एक आदमीक जियामे बरत । हाग कोर्टना ३०१-केस पल्लिहि जजमेठ तक खटि जया भे गेन बर । तै ले बूमि सकनाह । दोसब केस जे रगत बर तगमे समनोतक रात भे गेन बरनि । उना तैयो किछु गोष्टे छु-पाट क देर केनकनि । तै केसक चिन्ता मनसँ छुटि गेन बरनि । उना तीन बरख रावठक पछाति केसक भाँज तखन नगननि जखन थानासँ सूचना भेठेननि । समारपुव-मधुकीक रीट जे कोर्टक हेवा-हेवी भेन तगमे केस हवा गेन छले । कास्ट-ट्रेक कोर्ट खूजना पछाति जखन ताक-ले भेन तखन भेठेले । किछु गोष्टे (२+गोष्टेमे) मरि गेन बरनि, जगमे तीनठा मन्दनह आ दूठा गराह सेहो । संगठनक कप सेहो छिडा या जकाँ गेन बरनि । तेकब बरत बास कावण छले । सामाजिक, आर्थिक, साम्प्रदायिक गत्यादि । जहिना अंतिम केस छले तहिना समाजक अंतिम असूक प्रयोग नीक जकाँ भेले । म्हादा जे भेननि, दिनाक ३-३-२००३ ई.के समाप्त भे गेननि । तग रीट जगदीश प्रसाद मण्डनके दोसब दिस रगत उचित ले बूमि पड़नि । उपदेशिक सब तै कहल कबनि जे अनेले परेगन गेग छी । म्हादा सिमबिया पडाक उपदेशी कर । धाव गगा आ रिटारिवाक घाँट सिमबिया छी आकि की छी से तै एके धावमे देखाग छे । एक घाँट (उत्तर) दोसब (दक्षिण) मण्गल ।

जगदीश प्रसाद मण्डनके नर काहि देखैक गच्छा थुकसे बरनि । उलिना ले केनाक पछाति आरो मजगूत भेननि । उदाहरण, परिवारमे सभावा शिक्षाक आगमन भेन छननि । तगठाम एम.ए. तक पठननि । परिवार ले गामेमे पल्लि एम.ए. भेनाह । उना पछिना पीढ़ीमे ससूतक मध्यमसँ एक-पव-एक रिद्वान लेवया भेनाह म्हादा जेनवनमे जगदीश प्रसाद मण्डनछी बरनि । दोसब, रोगिग-कलील खेतिउमे किछु नरता आरि गेन छले गाममे । दनु बगक खेती करै छनाह मण्डनजी । दनु बगकसँ मतनर- अन्ना आ नगदियोक । नगदी खेतीमे तबकारी आ बनक खेती सेहो करन नगनाह । उना जग कपे करन छहै छनाह उग कपे ले गेगक कावण छन, किछु समेगक अन्नर आ किछु उपद्रो । खेतीक एलेन उजार्छा गेगत बरनि जे जै मरि-मगड । करन नगितथि तै दिनमे तीन लेव गेगतनि । पैघ समस्याक आगू छोट गोष पड़ि जाग छे । म्हादा मन वेडक तै असू भेले कएन । उपद्रो चाहे जतए होइ म्हादा मनके प्रभावित तै करिबे अछि । तहुमे खेतीक उजार्छा मेलन, पूजा, सम सलक फति । जग दिन मधुकी कोर्टमे ३०१ केसक जजमेठमे सजा भेननि उग दिनक घटना- गामक जते देखाव रिद्वान बरनि उकरा सबके ई बूमन बर जे सजा हेतनि, जहन जेतार । जखन जेतार तखन दस बरस पहिले खोड निकनता । सजा भेननि जहन गेनाह । तीन कथा री कोरी रोगिगरना चौमासमे केले बरनि । हाँ एकठा रात आरो रीटमे कहि दिख छै छी जे १९७०-७१सँ १९७३-७४ धरि लेवयाक खेती आगू ससुरैत बरन । अनेको दमकन, रोगिग भे गेन । हानव छरी, ब्रेशिब गत्यादि सेहो सब भे गेन । म्हादा १९७३-७४क राटि -भूमक खेतीके पाछु धका मरि देनक । एक तै सबकारी बगिनक छहै राटि - भूमकक पछाति नागि गेन दोसब अनेको रोगिग माँठक तवमे छुटि-कूटि गेन । गामक खेती पाछु ससुरि गेन । म्हादा लिक्क तै जीरिका भेननि, छोडले केना हेतनि ? जग दिन ३०१क जजमेठ भेननि उग सम जे कोरी छननि उ २ किजोसँ न क छारि किजो धरि कून १५ सग गाछ बरनि । री कोरीक भार २-३ कपेये किजो बर । अन्नाज निउ जे केले लोकमान भेननि । अंधारमे सग गाछ दिन-देखाव उजार्छा क न गेननि । दोसब, जहन निकनताक तीन मास पछाति कछरी गेनाह । कछरी उत्तरादि छैनमे एकठा चालक दोकानदाव, जे रिशौनसँ कछरी आरि रसि गेन अछि, चालेक दोकानपव जना कते भारी अपवध क जहनसँ अएन होथि तही ठगक लेववा लिक्का सग केनकनि । आ से उ जेकरा अपन ठेकन ले छे, म्हादा कि करिबनि । कछरीक बने काली राबूक कोली कान्त ना, आ.ग.पी.एस.) परिवार सग खेनाग-पीनाग आरा-जाली छन । उना अखन धरि



কচুরীয়ে দুগয়ে গোঠে আগ.পী.এস কেননি খুঁচি, তগয়ে কানী বাবু পলিন। তছুয়ে ক্রিয়ারীয়ে জীরনসঁ মচক রক্তা বনি গেন বহনি, গীতাক মচ (গীতা প্রবচন) পব খনিক রৈসত চুনাহ।

বাজনীতি সেহে ঠমকি গেলে। ১৯৩০ গাক পছাতি মধুরনী জিনা কম্বানিস্ট পার্টক দুখ্য আন্দোলন কেশী নহবি, নূনখব, শীশা পানী, ববাহ ক্ষেত্রক টেমপব কেন্দ্রিত ভং গেন। ওনা আলো দ্রুদা বহলে করে। রঠাগদাবী জমীনক নড় ১গ জোব পকড়নহি বহে। নহবিক পানি আ পনিরজতী জনা কম্বানিস্ট পার্টক হোগ তলিা লোকক ধাবণা বনি গেন চুলে। জেকবা সমাধান ভেনে মিথিতাচনক উদ্ধাব ভং জাগত। খেতীসঁ উদ্যোগ ধবি রঢ়া জাগত, সে লে ভেন। জতে রিলেম্বী (কম্বানিস্ট) রিলেম্বী তাকত চুন বগ-বগক আন্দোলন, মড্রত কং যোজনা কে অখন ধবি সফল লে হুখ্য দেনক। পার্টীয়োক বাজনীতিয়ে ঠলবার আরি গেন। এতলে লে জেকবা সভকে রঠাগ-জমীন ভেন ওহে সভ ওকবা (ওগ খেতকে) ভবনা নগা পজার-দিন্তী জাঘ নাগন। পকিায ওহন আরএ নগননি জে কি কেনাহ তঁ কিছু লে। ি সর্ক জিলেক বাজনীতি লে। গাযোয়ে সফল ভেননি। মনয়ে উঠননি জে হজারো রফকি গাছ কিছু লে কিছু অপনামে নরীনতা খনিতে বহে। চাহে নর ঠুসা হেউ আকি নর দ্রুদী আকি নর পাত আকি নর কনগি। বিচার তঁ উঠন দ্রুদা মনয়ে দনু কেস তঁ বহলে কবনি। জাগ-খলেক পরেশানী লে, কেসক সজাখক পরেশানী। দনু সেগিন কেস। দৃ-দিনা-চারি-দিনা তঁ ছী লে জে বুমরি পহ্নাগ কবা জহন গেন চুনাহ। সানক-সান দস সান, বাবহ সান। দনু ঘিনা রীস সানসঁ রেসী। তগ রীচ কি কখন জাঘ। জাধবি কেসসঁ চুঠকাবা লে পারি জেতা তাধবি দোসব দিস রহর নীক লে তেতনি।

কেসক চুঠকাবা পছাতি কবলে কি কবিতথি। গুজব জেন খেতী কবিতে চুনাহ। লোকবী দিস কহিয়ো মনসঁ তকলে লে কেনাহ, রেপাব কএল লে তেতনি। দ্রুদা জিনগিয়ো তঁ ছোঠে লে খুঁচি। কঠলী সাগকিন (কাঠক পাগডিন নগাওন সাগকিন) তঁ লে জে খালো-কাদো আকি বস্তুক কঠাবিয়োয়ে কনহাপব উঠা জেতা আ ঠপি জেতা। জিনগীক গাঢ়ী ছী। এক পঠবীপব সঁ দোসব পঠবীপব আনর। একব অর্থ গ লে জে জগঠাম পাহি কঠেক জোগাব টে তগঠাম গাঢ়ীকে নং জা কং দোসব পঠবীপব চঢ় ১ দিয়ো। দোসব পঠবীপব আলেক অর্থ গ জে ছোঠী নাগন (মিঠব গেজ নাগন) সঁ বঢ়ী নাগনপব চঢ়এরাক খুঁচি। ওকব ঝাট-পেট ছোঠে টে দ্রুদা কিছু পার্ট-ধূবী-চক্কা বদনলে তঁ ডিরা আ আলো-আলো রস্তু উপযোগী বনি জাগ টে। প্রম এতলে লে খুঁচি, ঐসঁ আগুও খুঁচি। ও গা খুঁচি জে অদৌসঁ খরিত গা জিনগীক গাঢ়ী ছী। জতে বগক পঠবী ততে বগক পঠবীক গতি। তগঠাম গাঢ়ীকে দোসব পঠবীপব নং জাঘর, অসান লে। সাহিত্যো জগতক জে দশা-দিশা খুঁচি ও চুপিত নহিয়ো খুঁচি। তছুয়ে নাঠী সরলক হাথ পড়ন খুঁচি। কোনো রস্তু মগনাপব লে দং চিপা জের, নাথ কহলেত খুঁচি। মৈথিলী সাহিত্য জগত সমাজসঁ এতে দূব হটি গেন খুঁচি জে জলিা মনুষ্য-দেবতাক রোঠে রিনা গেন টে। গা ি সর্ক মৈথিলিয়েয়ে লে খুঁচি আলো-আন সাহিত্যয়ে ভবপূব খুঁচি। জনা- করীব দাসক চর্চ মৈথিলী সাহিত্যয়ে কম খুঁচি দ্রুদা করীব দাসক জে জিনগীক (জীরন পক্ষতি) গতিহাস প্রস্তুত কখন গেন খুঁচি ও রিলেকপূর্ণ জকা লে খুঁচি। রিলেকপূর্ণ লে হেরাক কাবশে করীব দর্শন সমাজসঁ হটি গেন খুঁচি। জেহে সভ দর্শনক প্রচার-প্রসাব কং বহন চুথি ওহে সভ যা তঁ অপনো গুম্বাহে চুথি লে তঁ নাথী চুথি জে গুম্বাহে কলে চুথি। তলিা তনসী দাস গোস্বামী কহলেত চুথি, দ্রুদা কতেক গাঘ গোসলে চুনাহ? জকবতি খুঁচি হাগনুসাব সাহিত্যক নির্যাপি কবর।

তলিা জাধবি মৈথিলিয়ো সাহিত্য সমাজক রস্তু (সমাজক সাহিত্য) লে বনত তাধবি কে কেকবা কি কই চিউ সে ভাজ খোড় নাগত? তঁএ শূভক্ সাহিত্যকাবক দায়িত্ব রলিে জে এক আঁখ সমাজপব বাধি দোসব আঁখি কাগজ কন্যপব বখতাহ তখনে মৈথিলী সাহিত্যে লে মিথিতাক কন্যাপ হুত। বাজ্যক অর্থ জঁ বাজধানীক একঠা কার্যনিয়সঁ জেতা ছী তঁএ মিথিতাক সমাজ চুটি জাগে। মিথিতাক সমাজিক পক্ষতি রৈদিক পক্ষতিসঁ আগু রহত তখনে সরগীন রিকাস হুত।

জগদীশ প্রসাদ মণ্ডন জীক, হাগ স্কুনক একঠা স্মৃতি ত, কেজবীরান হাগ স্কুনক নাখা ' নিখেনে চুনাহ। সুপেশন নাগনক (হাঘব সেকেশ্ত্রী) সিলেরসক রিস্তাব ভেন। দ্রুদা তৈয়ো আনসঁ জকা রিময় লে ভেননি, সমষ্টাএল বহননি। পূবলে সেকেশ্ত্রী পক্ষতিক বহননি। দ্রুদা রিময়ক রিস্তাব তঁ ভেল কখন। অর্ধেশাস্ত্রক পঠ ১গ হোগত চুননি। শূকহক চহ-মাস পছাতি (হাঘব সেকেশ্ত্রী কোর্সক) অফ্রিয়ার্কি পবীক্ষা ভেননি। কেজবীরান স্কুনক রেরহাব চুন জে অফ্রিয়ার্কি পবীক্ষাক কাপিয়ে ক্রিয়ারীকে দং দেন জাগ চুন। কিছু ক্রিয়ারী জে পবীক্ষা পছাতি



दोहरा क२ जे प्रथम उत्तर पढ़ननि तँ ओ तँ पढ़ाये क२ द्वा जे से ले केननि तँ घरपर गोथीसँ मिला देख जेत दुनार । ले शिक्षकक बीच कोनो मतनता छननि आ ले क्रियाशील होनहि जे मास्टर सबेर जतिआवए केननि । ततरे ले नती राबूक (सर. यदुनन्दन साह) अलग सोच बहनि । हुनकर नम्रव दगक अलग कसौठी बहनि । हुनकर समय बहनि कम नम्रव देले क्रियाशील आरो मेहनति कबत । किएक तँ सब क्रियाशील पास करैक जिज्ञासासँ पढ़त छि । केनक डब तेते । तग सग गहो शिक्षकसँ क्रियाशील धरि-सब रूनेत जे नती राबू हाथसँ जँ रीसो प्रतिशित नम्रव आरि ज्ञात तँ बोर्डमे पास चले कबर ।

हँ, अश्विासूतक चर्च केले छलौ । स्पेशल नागन्धमे पचास प्रतिशितसँ अधिक नम्रव एननि । सब रिसयसँ लेसी । कनासमे जखन श्याम राबू (सर. श्यामा नन्द झा) जेब सँ पढ़ा कापी देतकनि तखन जना अश्विासूत मनके एना पकड़ि केनकनि जे दास कैपिटलसँ न२ क२ बादमे अमर्त्य सेन धरि पवित्र कवा देतकनि । अ ना हायर सेकेण्ड्री छपना पछाति मनक दूठा रिसय- अश्विासूत आ भूगोल तँ छटि गेननि द्वा मनसँ ले छैननि । रिसय समष्टि क२ अष्ट्रेजी, हिन्दी आ राजनीति शास्त्र धरि बहि गेननि । ओहो एम.ए.मे छटि गेननि । प्रश्न उठैए कियो एक रिसयसँ रिसैमड छथि आ कियो रत् रिसय छथि, दूनूमे जिनगीक गाढ़ी किनकर समष्टि छननि ?

रीसय शिवादीक मृत्यु आ एकैसय शिवादीक जन्य रूमरे ले केनार । गन्धमे बहि गेनार जे कि कबी की ले कबी । ले रीसय सदीक सबाध क२ गेनार आ ले एकैसय सदीक जन्योत्तर । द्वा एकठा नाब तँ जकर भेननि जे सबाधक चर्च रँचननि आ जन्य दिलाक ।

पट्टरीय छनार पञ्चतिक आगमन भेन । मन्त्राएन मन शिबिक सिताएन भेम्हवा खूजन । पचायतसँ जिना-परिषद धरि योजना बना समाजके ठाढ़ कबए छैननि । आठ पचायतक छनार जिना परिषदक । आन समाजमे जागसँ पहिले अपन समाज मजगूत बनाएर आरम्भिक रूमननि । अछेन सम्येन गंगाधरक स्कूलमे भेन । पचायत छनारक कार्यक्रम बनन । प्रेरणाक योजना बखननि । सरमान्य भ२ गेननि । द्वा एक ले अनेको सूत्र राजनीतिक नागि गेननि । जगसँ चारिठा जिना परिषदमे पार्टीक आ चारिठा पचायते द्वाधिका लेन पार्टीक (कम्युनिस्ट पार्टी) उम्मीदवार रनि क२ ठाढ़ भ२ गेननि । खएव जे भेन ।

पचायत छनार (द्वाधिका लेन) छननि । छनार भवि तँ उत्साह बहननि द्वा समाजसँ जिना पार्टीक रत् रात रूनेमे आरि गेननि । एक दिस सरकारी योजना (छनारमे आरक्षण) देखि तँ रूमि पढ़नि जे अनेले ए छनारक भाँजमे पढ़नार । आरक्षणक एलेन तबीका छि जे एक छनारसँ दोसर छनारक वसूत रन्न भ२ जेते । पचास प्रतिशित महिला आरक्षामे एक-एक छरि तेराक छटि छल । द्वा से ले भेन । जँ दू-दू छरिपर छनार गेगए तँ पूर्ण बाण्ड कते दिये छत । खएव जे होउ, द्वा सरकारी नृष्ट तँ रढ़ाये गेन । जग गतिये समाजके ठाढ़ भ२ चलेक गति तेराक चाली से अखला धरि ले आरि सकन छि । अनेको काबाये द्वाध भ्रष्टाचार रनि गेन छि । भ्रष्टाचारी ओल-ओल छि जेकर सरकाव छि । के केकरा देखाव कबत । जँ देखाव कबत तँ कानून कि कबते । रिचित महजानये समाज कसि गेन छि । आय आदमीके आर्थिक तंगी छे । ओ केना पूर्ति छत ? पूर्तिक जे पञ्चति छि ओ एलेन बनन छि जे चरारियेमे गागयो रिका जागए । तगपर सँ देखोआ-दोरोआ कृष्ट । ।

जेकरा लेन अष्टावह दिन जहनमे बहना ओ आगू आरि ठाढ़ भ२ गेननि । मन पढ़ननि महाभावक ओ कथा जे महाभावक उपरान्त भेन । मनमे मिसियो भवि शिकार जन्य ले भेननि । रिपरीत भेननि । पाछे उनष्टि देखननि तँ रूमि पढ़ननि जे अखन धरि जे मोठी कपाव नादन छि ओकरा छेठ करैक एँस नीक अरसव ले भेठिननि । सए केनहि ।

द्वा एकठा प्रश्न तेयो बहने केननि जे आगूसँ उसावी आरि पाछूसँ आ दूनू दिससँ आरि एकर लेव । आगूसँ उसावैक रिचार भेननि । संयोगो नीक बहननि । मधुनी जिनाक रासोपक्षीमे पार्टीक (भारपा) राज्य सम्येन भेले । पार्टीक महासचि ररुन (ए.बी. ररुन) सबेरक सग-सग रगालोक कामरेड सब बहनि । ररुनक सब





रिडन माडन रिमय के बमराक अतव दृष्टि पैदा कऽ बहन अछि । ई अभियानक उद्देश रिहावमे रसी लेना के रैडनिक बनाए अछि । ई सँ छात्र सभमे रिडनिक प्रति कटि रठन अछि । शिक्षक सभ सेहो माग करित छथि जे रसीसँ रसी रेल प्रयोगशाला हुनक रिडनय मे आरए जगसँ रिडनय मे रिडनिक शिक्षकक जे कमी अछि ओकरा दू कएन जा सकए ।

नागठे कालेठे एयवएकठे परियोजनाक सुपरसोनिक जगज तेजसक सकनतक संग तैयार कबरा मे प्राजेक्ट डायलेक्टव (जेनवत सिस्टम)क पद पर काज कऽ चुकन 69 बरसक श्री रमा जलौतनि जे रिहाव प्रतिभाक जमीन अछि । रिडनिक प्रति लेना सभ मे कटि जगैरक अछि । रिडनय सभ मे जमीनक सुब पर सबलनाक अतार मे ए एकठा चुलौतीरना काज अछि हुनका गमानदारीसँ प्रयास कएन जाए तँ ई मे सकनता अरथ भेटैत । श्री रमा रिडनिके लोकप्रिय बनैरक संगहि उतव रिहावमे कोसी आ ओकर सहायक नदी सभक आरएरना राठिक समझाक फेदमे जियोमार्के डायलेक्टवक अध्ययन कऽ बहन छथि । हुनक उद्देश रिहावमे राठिक समझाक रैडनिक अध्ययन कबराक अछि । श्री रमा मानैत छथि जे केन्द्र आ बाजा सबकाव द्वारा राठि प्रभावित फेद मे नदी सभक हाइड्रोलॉजिकल रिशेयतक अनदेखी कऽ पुन आ राह आदि बनाएर भूत अछि ।

भावत सबकावक पूर् रिडनिक मानस रिहावी रमा दबडगा जिना मे प्रावडिक शिक्षा ग्रहण कएनाक बाद मधुनीक जिना मपेपुवक जराहव उच्च रिडनय स मैट्रिक परीक्षा पास कयननि । पठेना अभियंत्रण महाविद्यालयस मैकेनिकल इंजीनियरिंगक पढ़ाई पुरा कएननि । पूर् बास्ट्रेपति डाकठेव कनामस हुनक पहिन भेटै गठौगठेड मिसागत प्राध्यापक सितसितामे बका अनुसंधान विकास संगठनमे कार्यरत बहनाक दरमियान भेल छल । दबडगा मे रिहाव सबकाव द्वारा स्थापित रीमेस गंस्टीछाठे आठ ठेकानाजरीक सद्यान मे सेहो हुनक महत्वपूर्ण योगदान अछि । दिसपुव मास मे दबडगा मे आयोजित रिडन मेला मे पूर् बास्ट्रेपति डा. कनाम उपस्थित भऽ श्री रमाक नगन आ योगदानक प्रशंसा सेहो कएल छल । मोरागत रिडन प्रयोगशाला रिहावक संगहि आन्ध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, गुजरात, त्रिपाणा, कर्नाटक, त्रिमाचन प्रदेश, उड़ीसा आ महाराष्ट्र मे सकनतक संग काज कऽ चुकन अछि ।

ई कनामस अपन रतव ggaj_endra@videha.com पर पठाए ।



सरनबाषा मा

रिहल कथा- भोला

लेवक न० १ आ केदी न० १ । भोला एकठा दुर्दात केदी डेक । आजीवन काबारासक दड देन गेल डेक । १२ बरस स जलन मे अछि । आग हाजरीक बाद जेनव सालेर भोला क रजेनखिन । भोला आरि गोव नगनकनि आ दू दिस तकय नगननि ? जेनव सालेर करनखिन ,भोला ,तेरुव चरित आ काज देखि सबकाव निर्णय लेनक अछि जे तेरा



आँठ रबख पहिले बिगड़ क' देन जेतय आ जीरन यापन चनारय जेत २ एकड जमीन आ गहूदा आवास स एकठा घब आरठन कयन जेतय । त्रेवा जन्दी छोबि देन जेतह ।

भोनाक टेलवा पब कोना भार नहि अयलैक । ओ उठि लेबक ये आरि गेन । टुप टाप पबि बहन आ एकठेक स छत दिस तकय नागन ? की भेटैन लमवा ? एकठा छोट गनती लमवा कत' पहुँचा देनक ? झुथिया जी स कोठेक अन्न जेरय गेन बही । लुकव रङ्गमानी देखि नहि बहन भेन । कहनियेन 'झुथियाजी सभठा अन्न त' कानाराजारी क' दैनियेक, आर २ किलो गहू त' लमवा सभक पेठे कोना चनत । झुथिया जी गबजि उठनाह, सब कानून पठेत छह ? लम कहनियेन गारि नहि पठ ? एहि पब ओ दाना नत जूता चनरय नगनाह । कतेको लोक छन । कियो नहि रचेनक । अपमानक छाना ये लम धरक' नगलौ । झुथिया स रदना जेरक धुनि सराव भ' गेन । एहले समय ये एकठा नमनी स भेटे भ' गेन । ओकर रात धुनि रुमायन एकवा स लितेरी दोसब कियो नहि । उपेक्षित, शोषित आ प्रताडित लोकक मदद केनाओ ओकर संगठनक झुथा काज छैक । लम ओ संगठन पकरि जेलौ । रदनाक भारना स लमवा देह ये आरि नागन छन । झुथियाक पूरा परिवार के गोती मारि दैनियेक । ओहि दिन स कतेक लम कयन से अपनो गिनती नहि अछि । रसी निर्दोमे मारन जायत छन । संगठनक काज स लमब योन नहि मिलैत छन । संगठनक काज नीबस नागे । भवि दिन नृष्ट आ लम । कायदा किछ नहि । कोना सामाजिक काज नहि । झुथिया जकाँ संगठनो गनत नगैत छन । एहि नृष्ट - लम स ले समाज रदतन आले लोक । एक दिन पुनिसक लम पबि गेलौ । आजीरन काबारास भ' गेन । ताहि दिन स जेत ये छी । अपन गनती एतहि रुमनियेका झुथिया मारनक त' की भेलैक ? ओकर जरार लम दोसब तरीका स देन बहिनियेक त' आग ओ दशा नहि ले होयत ? जीरनक कोन बसक लम आनन्द जेलौ ?

आग राबह रबख स जेत ये छी । सभक सेरा जेत ये कयन । लोक लमब नाम भोना गाँधी बाधि देले अछि । भोना एक लेब कबड्डे लेबनक । राबह स कियो उठैनके । जेतब साहेर बहिन । एकठा कागज पब दस्तखत करेनखिन आ जेत स आजाद होराक कागज देनखिन ।

जेनक रबका काँठक कुजलैक । भोना राबह आयन । रबरस आँखि डुपब आकाशि दिस चनि गेलैक । रहुत डुपब किछ पफी क' उडगत देखेत बहन रबी कान धरि ।


ई कनकष अमन मतर ggajendra@videha.com पब पठाओ ।


२. पत्र




२१ जगदीश चन्द्र श्रीवास्तव - अनित - की भेटैन आ की लोवा गेन (आमे गीत) - (आगा)







३.२.१.  **पंकज ठाकुर (नरनरी)-** भक्ति गजन/ भक्ति गीत : दिय ले दबस जगदर दिय/ गजन 1-



3/रागक-शैल/ तजन/ करिता : माए मैथिली छथि आनन करैत । । । २.  मनोज कुमार मण्डल

प्रश्न ३.  **श्री. प्रमोद कुमार- उदस नाले.**

३.३.  **अमित मिश्र- गीत 1-3**

३.४.  **आशीष अचिह्न- नम्रत बरकौरी कप २.**  **कमल कारीगर- दिनव डिप्लोमैसी**

३.५.  **सुनील कामत केर दुख गेष्ट करिता- छठी-नरस बाल-वेम २.**  **प्रीति प्रिया मा-**
करिता-क२ दैनिक उपकार मणिय

३.६.  **बज्रदेव मण्डल तीन गेष्ट करिता-शिरु सरव/ खानती रेव/ दिक आरज २.**  **जगदीश**
प्रसाद मण्डल साठौ गीत



२.१९. बास बिनास सान्नी- गढ़न-निबन तनि पौर कविषे बरुआ २.



सत्रुम कमार मित्रे- ग्रन्थी डे



३. जितेन्द्र 'जित' - गवरीक जाड/ कथी तए... ? ३.



बाजेश कमार सा- जो खल ले छी



३.१९. विनीता सा- अली देशक ऐश्री लम २.



कामिनी कामायनी - बिहारेत गतास बनः.



ज्याति सा टेलरी- शिष्टमे डोसर



जगदीश चन्द्र ठाकुर - अमित

की छैतेन आ की हेब सैन (आषे गीत)- (आर्गा)

सकाव उठन ठकाव उठन

उकाव उठन, जेकाव उठन

जनकक आंगनस दिनी धरि

' जे मैथिली हकाव उठन

प्राप्तु भेन अपिकाव अपन



जे मगनीमे छन छिना गेन,
हम सोचि बहन छी जीरनमे
की भैठेन आ की हेवा गेन ।

नहि द्राग थिका आदर्श हमब
नहि मोक बहन हम गीता केब
हमबा अस्तुनमे सदिखन
अछि नाम केकठा सीताकेब

जे स्रय समक २ धवतीमे
दुनिया भरिके छथि जगा गेन,
हम सोचि बहन छी जीरनमे
की भैठेन आ की हेवा गेन ।
जतरा धवि जीरनमे शुभ अछि
से अछि प्रसाद सतसगतिकेब
आहार-रिहारक नियमितता
शुभ चिन्तनकेब आ सदमतिकेब

गुरुजन आ प्रियजन आशीषक
अनमोल बने छथि नृपा गेन,
हम सोचि बहन छी जीरनमे
की भैठेन आ की हेवा गेन ।

नहि दोडी हम काशी-प्रयाग



नहि केनहुँ हम करना-पाती
कयननि जीरनभवि ब्रत-उपब्रत
दादी आ माँ सरलक साती

हूनकहि आशीषक गंगामे
भवि गोथ योन अछि नम गेन,
हम सोचि बहन छी जीरनमे
की भैठन आ की हेवा गेन ।
झमा कक हे पिता हमर
रवखी-तबखी नहि कवर ह म
नहि केशि कठायर रव-रव
नहि भोज-भातमे पडर ह म

हम मानर ओकबहि फिया-कर्म
जे हनु जीरितहि कवा गेन,
हम सोचि बहन छी जीरनमे
की भैठन आ की हेवा गेन ।

झमा कक हे मित्र हमर
नहि आशि मृनिक२ चनर ह म
जे सहज, सवन आ सुन्दर हो
ओही बन्तापव रठर ह म

अपनहि गतिहासक पन्ना किछ

(দ্রষ্টব্যঃ)



2



ଭଞ୍ଜି ଗଞ୍ଜନ

লৌথহুঁ নড়'ত নরবাতিয়ে
সম্ভগীতিক পাঠক বনন ছী



ममता भवन आँटि भैठैन
"नरत" हम रानक रनत छी

*आश्व-१२ (तिथि-२१.०१.२०१३)

भक्ति गीत : दिय ले दबस जगदर दिय

कखनसँ छी हम शिवण मे लैसन कखन देरय दर्शन मैया
अहिक भजन मे बसत बहे छी बाति-दिरस सदिखन मैया

दिय ले दबस जगदर दिय
सुन रिनती अग्नितर दिय
दिय ले दबस जगदर दिय } २

की गतती भेन किये कसन छी
हमरा पर तमसायन छी
सगरो जगसँ थाकन-हावन
अहिक शिवणमे आयन छी
कक कमा हम छी अछानी
कामक रव माँ अर दिय...
दिय ले दबस ...

हे जगजन्मी हे जगमाया
कण-कणमे रस अहिके छाया
लेलक दृष्टि दिय भरानी
रुदन रनते माहिक काया
अनुयायी हे सत्तानी
जुनि कक अर रिनत दिय...
दिय ले दबस ...

जगरिदित छी जगरिथाता
ऐनहूँ दोड़न सुनिताँ गाथा
अहिक शिवणमे जीरन अर्पित
अहिक चरणमे मूकन माथा
शिवणागत छी हम भरानी
ठैरव के अरनत दिय...

दिय ले दबस जगदर दिय
सुन रिनती अग्नितर दिय
दिय ले दबस जगदर दिय } ३

० पकड़ टोषरी (नरनत्री)
(तिथि-०९.१०.२००९)

गजन-१

पकड़ लेन चतु दिनी



भवै जेन चतु दिनी

लेता नृष्टि बहन सभके
रुमि रकलन चतु दिनी

लेसन राष्ट कते जेकर
सभ नृष्टि गेन चतु दिनी

सभ छै भूखन रुमी के
रोकर खेन चतु दिनी

पापक रुन्द भवन सगरो
सभठा लेन चतु दिनी

नागत भीड़ पमविया के
सभके लेन चतु दिनी

अपनेमे जूनि सगट्ट सौ
बांधू येन चतु दिनी

धरना देर कवर अमन
मिथिना लेन चतु दिनी

क्रांतिक धाव 'नरन' रहल
नढ़रा लेन चतु दिनी

*मात्रांक्य : २२२२+२२२२
(तिथि-१०.११.२०१२)

गजन-2

आर मिथिनाबाज चाली
मैथिली के ताज चाली

राठा आ लोदीस यावन
मैथिली के काज चाली

रुड़ बहन रेसुर ग नगरी
सुब सजाय सज चाली

गर्जना गुजित गगन धवि
दम भवन आराज चाली

सयमित सहलो उपेक्षा
'नरन' नर अंदाज चाली

*रहल वमत/मात्रांक्य-२२२२
(तिथि-०१.१२.२०१२)



गजन-3

सगतवि रखान मिथिना के
मलिमा महन मिथिना के

सुग-सुगस टै जनक नगरी
गोबर पुरान मिथिना के

गगास अछि हिमानय धरि
पसवत सिमान मिथिना के

बखले सहेज आँचरि मे
कमता बनन मिथिना के

चन्दा प्रदीप नागार्जुन
चमकैत चन मिथिना के

मडन कगाद रिद्यापति
सतति महन मिथिना के

गाथा गल्ले करै रदन
लेदो-पुराण मिथिना के

पवस सलेशे सदभारक
कीर्तन अजान मिथिना के

शित-शित नयन "नरन" कवियौ
माथ समान मिथिना के

रर्ण एम: २२२२+२२२२
(तिथि: २२.२२.२०२२)

लागक

तपत माष्टि
तडपि बहन टै
रबखा जेन ।

बूनी मरुले
सगरो पसवत
माष्टिक गंध ।

गवदा-बूनी
दुनू संग सानन
माष्टिक नहु ।

देखू देखिते
गोखरि रनि गेन
थेत-पथाव ।



ढोका- काकोड़
न२ न२ डपकनिया
रीडय सत ।

धानक रीया
उजवन रिड १व
थेत रोपेते ।

खुर उपजा
भवि जेत रखावी
वीन-उवीन ।

(तिथि-०३.०१.२०१२)

लेख

कृत्रिमतामे
अभगन मनुष
अभोगे गेन

घन-गड १ड
नागि बहन अछि
मानरतामे

घोब अदिन्ता
घेबले सगतवि
जायर कत२

कठमे कशी
लोपित के पासन
योसक भूष

भूथे आहव
मनुष-मनुष के
टिरा बहन

(तिथि-१०.०१.२०१२)

हजन

कनिया सुन्नव देसी चाली
ठाठ द्वाद पवदेसी चाली

रगना - गाड़ १ लोकव संगे
दवमाने किछु लेसी चाली



कुनबस ले देह शीतेते
शौचानय तक एसो चली

सिगारो ठो ले हो अंग्रेजिया
मदिवा सेहो रिदेशी चली

गाय-मलीशे गेसि ये ताज
रुक्-योड़ १ मरेशी चली

देशिक मर्यादा ले रिगड़
छुट झुदा पबदेशी चली

पश्चिम पैव पसाले लोक
नरन सोच स्रदेशी चली

*आश्व-१० (तिथि-२३.०५.२०१२)

करिता : माथ मैथिली छथि आह्वान करैत । ।

बिथ घोष्टि-घोष्टि छथि पीरि बहन
मैथिली छथि तिचकैत ज़ीरि बहन
आह्वान भऽ आग रिमेशारशि
देखू माथ ले रिमगान कबथि
माथ मैथिली छथि आह्वान करैत । ।

ले कम छी एकठ गोष्ट किउ
सब पैघे छी ले छेष्ट किउ
लेवा - लेवी सब बाज कक
मस्तक पब कीर्तिक ताज धक
अपनहिमे बहू जूनि ओमवायन
अ मिथा मतदान करैत ।
माथ मैथिली छथि आह्वान करैत । ।

माथ कानथि सुत निश्चित पड़न
सुनि-रुनि रिसवन अचित पड़न
छतू गोष्टि माथक नोब किथो
छतू नाथर सुथ केव भोव किथो
नहि देखि दुदमा जन्मी केव
छतू छाती अपन उतान करैत ।
माथ मैथिली छथि आह्वान करैत । ।

कते कथु सति माथ जनम दैलक
राजू की मयता कम दैलक ?
निर्झर रु ले, कले नाज कक
जुनि सुय पब एतरा नाज कक
जुनि कक एना अतिमान अल
अपनहि-अपन गुणगान करैत ।
माथ मैथिली छथि आह्वान करैत । ।



छी मैथिन एहि पब गीन कक
अहाँ मैथिलीक सम्मान कक
सब गिन मैथिलीक प्रचार कक
मिथिलाक कीर्ति रिझाव कक
सुखद नूतन गतिहास बनत
छब देग गिना सहगान कलेत ।
माथ मैथिली छथि आह्वान कलेत । ।

(तिथि-२४.०९.२००९)

२



मनोज कुमार मण्डनक

प्रश्न

हिमानयक श्रृंखला रसात सन
पसबन मिथिलाक भू-भाग
सब रश्मि सूर्यसँ निकलेत
सु-मधुर भारसँ भवन
अमृत सद्गुण भाषा-मैथिली ।

मैथिलिक गतिहास कहछ
रहुत पुरान छी हम
अपन निषी, अपन गीत
पसबन शिष्टक भंडार हमर
नित सृजन लोगत हमर शिष्ट,
मोठागत बहैत अछि
एकर शिष्टकोषक पन्ना
केना रित गेन एकर पाठक
रजत किछ निखत किछ

किएक घृषि गेलै नाज ?
अपनसँ आँखि मिटोनी
दोसबसँ मिनलैत तथ
के छथि जिम्मादार एकर
मिथिलाक रूझि-झीरी पब
उठि बहन अछि प्रश्न



दूधी छथि मैथिली
दूधी छथि मैथिलीक सैरक
जिनक जीरन रित गेननि
मैथिलीक सामनाये
के कहत ? कहिया मिततनि
हूनकब सैरा-रून
के अ कहत ?

२



यो. ग्रन रून

उदास नाछे...

जबि गेलै सुधि गेलै
लौक भ२ गेलै धन
उदास नाछे भैया
किसानक खर्चा यान
उदास नाछे..... ।

मेलनत रैकाव भेलै
रौनि-रूता सेहो गेलै
हाथो तबक गेन भैया
नात्रे तबक सेहो गेलै
केना क२ कबठै
किसान भाय जेरान



उदास नाछे भैया

किसानक..... ।

किसानक मनोबध मोलेमे बहले

बिआह-दुवागमनक दिन पतलेमे बहले

ले जानि किअ सुधि गेलै अ समान

उदास नाछे भैया

किसानक..... ।

किसानक पीड़ १के कियो ले बूते छै

धिया-पुता-बान-बछा केना निबते-पढ़ते

केना समस्याक तेते निदान

उदास नाछे भैया

किसानक..... ।

बिहार सरकारसँ अजी गुन हसन करैए

गीत माध्यमसँ सृचित करैए

सबकाले समस्याके कबते निदान

उदास नाछे भैया

किसानक..... ।

ई कविपर अपन यतब ggajendra@videha.com सब पठाउ ।



श्रमिती मिश्री, कविपन ,समस्तुपुत्र

गीत 1-3

1

निबमोहिया अर्वाँ भेनिये पिया
गामसँ किछ छनि गेनिये पिया
आँखिमे लोव दः गेनिये पिया
गयादि अपन छोटि गेनिये पिया

भोव भेलै आ राजन झकगरा
कनी धिन कः रनि गेलै कून
छहँ दिनि गजोतक भेलै बाजा
छनन पवीन्द्र राहि हजूम
एहनमे गयादि आरि अर्वाँ
सर किछु भः गेन भूँ भूँ
आँखिमे लोव दः

एलै रसत आ एते कागन
आम महुँ गेलै मजबि
कू कू कलकः नागन कोयनिया
मधुसँ मधुकव गेलै तबि
जाड रितन तबसत ओछेना
गहो मास रितत अर्वाँ रिना
आँखिमे लोव दः

2

प्रकन-राडीमे आरु नताम तःव रैसू
आँ नताम आ लेव रतियावू
रनते अपन प्रेम पिहनी
हम रनर बाजा अर्वाँ रू हमर बानी

महिना -राडीमे आरु नताम तःव रैसू
थेलै नताम आ लेव रतियावू
रनते अपन प्रेम पिहनी
अर्वाँ रू बाजा हम रनर अर्वाँके बानी

महिना-राडीमे एहिन ककू यो सजना
नगते मावि तखन पकू यो सजना
प्रकन -घब घबरैयासँ किछ देवाग छी
प्रेममे जडि सजनी किछ सेवाग छी
हेते ले कोनो पदेषिनी
हम रनर बाजा अर्वाँ रू हमर बानी

प्रकन -गोखवि मोहाव छनू ओते रतियावू
माछेकेँ अपन सुख दुख सुलेले



महिना - राक्षस रावु जी आरित तेधिन
देखिते कोदारीस यैठे काष्टि देखिन
सोचु सोचु यौ दोसब कहनी
अहाँ रू बाजा ह्य रनर अहाँके बानी

महिना - दुनियाँ छै देखेत दूरिन नगेल
प्रेमके नशि कबहुँ दन रन सजेले
प्रकन - एकेठा दिन जे सुबकित अछि रचन
हम अहाँके अहाँ हमबमे आरि जाऊ
चनते ले तखन मनमानी
हम रनर बाजा अहाँ रू हमब बानी
अहाँ रू बाजा ह्य रनर अहाँके बानी

3

प्रेम पाति पवसलौ पतकपव पछे छी
अहाँ राजू ले राजू हम एतरे रूने छी
हम अहाँके अहाँ हमब छी

अछि हमले परन जाहिमे रास अहाँके
ओ गीत हमले जाहिमे भास अहाँके
हम सर ठाय भेटैर जे राष्ट्र पद आवु
देर प्रेमक पक्का अहाँ सोचि बाधु
अहाँ राजू ले राजू हम एतरे रूने छी
हम अहाँके अहाँ हमब छी

कोलो नर गप ले जू पद ले निखर
झुदा लैनक आखव मेठा ले सकर
अहाँ कतरो नुकाऊ अएर हम सपनामे
जहिना आरि छी अहाँ हमब सपनामे
अहाँ राजू ले राजू हम एतरे रूने छी
हम अहाँके अहाँ हमब छी

ॐ कनकन अपन यतन ggajendra@videha.com पब पछि ।



१. आशीष अचिन्हाव- नुकान बनारसी कप २.



किशन कारीगर- दिनव डिप्लामेसी

१



आशीष अनटिहाव

नकाधन रत्नाकोरी कप

हरेक मर्दक भित्तुव नकाधन बहैत छै एकठा रत्नाकोरी कप

जकवा टाली समय आ सहयोग,

आ हरेक घटनाकें पछाति

रदति जाग छै दृष्टिकोण महिनाक

छाहै ओ हमर माए-रहीनि होथि की महिना सलकरी रा की राठपव छलैत कोनो अग्र स्त्री

ओकरा सब जेन घटनाक पछाति कोनो सग्नक ग्याद नै बहै

आ बहै जाग छै योन जे हम स्त्री छी आ ओ पुरुष

माए-रहीनि सेहो कनछिया कए देखै नहोत अछि

आ महिना सलकरी सेहो...

ओना हमर माए-रहीनि केव परिवेशे

आ हमर महिना सलकरी केव परिवेशे भिन्न छै झुदा एहन घटनाक पछाति

ओकरा सबलक मनोवृत्ति एकै छै जागत छै

हरेक स्त्री केव नजबिमे रनि जागत छी अपराधी सन

आ नै बहै जागै घमंड अपन मोछपव



नछै जे जू नागि जेते आगि मोछमे तँ कतेक नीक बहिटे

आ पहिन लेब हमरा अपन मोछपव घृणा होगए

आ हम कहियो ले कहि सकै छी जे बनकौरी हम ले छी दोसब प्रकब छै

कावण गे अपन जियदबीस भागर हएत

हँ हम आग गे झकाव करै छी जे हरेक मर्दक भित्तब नुकाएन बहैत छै एकठा बनकौरी कप

हम अपनारै सधू-महामो बनैरक जन हरेक स्त्रीकै माए-बहीनि ले कहलै

झूदा ते स्त्री अहाँ जे झकपमे हमरा जन छी

छाते माए-बहीनि कपमे रा प्रेमिका, पनी, बाँठपव चलेत आन कोनो रा

हरेक बातमे जागि क' अपना माथापव लेथक टिप्पी सँलै

आग हम नज्जित छी अपन मर्द होमएपव

हम समरेत कपसँ माली मँगेत छी अहाँ सभसँ

२



किशन कारीगर

डिनर डिप्लामेन्ट

(हस्त करिता)

डिनर ठैरन पव परासन अछि

मठेव पनीर आ शाली पनीर



छैकित अछि घी देसी

आउ-आउ गी छी दिनव डिप्लामेसी ।

हम सताकठ दन रना छी

आग सहयोगी दन रना जेन

दिनव माने भोज आयोजित भेल

हमरा समर्थन भेलैन खुम लेसी ।

आर राहव सँ समर्थन देनिहव

राकि बहि गेल छथि त

आग हुनके नामे राजनीतिक दिनव

ग छी दिनव डिप्लामेसी ।

अहाँ सब जे आएर

हम अहाँक कबमागस प्रवाएर

झुदा एकठा गप कहि दि हम

राहव समर्थन के कतराहि कवाएर ।

भवि पेठे आग जाग जाउ

अहाँ जे आएर से हम खुआएर

झुदा ग कछ त छुपेटाप बहर

आ की मथारहि छनार कवाएर ।

धू जी महाराज अछि त



एकदम तान्न करैत छी

आगत-पीरैत कान ग गप नहि

पहिले दाक मंगाउ अहाँ रिदेशी ।

डिनब छैरुन के नीचा मे देखु

लौतन बाखन अछि देसी-रिदेशी

भवि छुक पीर नियख

ग छी डिनब डिप्लामेसी ।

अछा ग कछ त सबकाव

एतेक खर्चा अपना जेरी

आ कि सबकावी खजाना सँ

हमरा ध जनक लेहेशी ।

हेशी मे आउ गठरुन रचाउ

हम सता मे छी की कछ

अपना खर्चा सबकावी भेन रछ लेसी

ग छी डिनब डिप्लामेसी । ।

करि:- किशन काबिगर

आकाशिराणी दिनी ।

फोन:- 9990065181



ई कनासब अंगन यतब ggajendra@videha.com सब पठाउ ।



१. मन्नी कामत केब दुग गेष्ट करित- छठी-नलस/ बात-सेम
क२ देनखिन उपकाव महाशय



धीति प्रिया सा- करिता-

१



मन्नी कामत केब दुग गेष्ट करित- छठी-नलस/ बात-सेम

छठी-नलस

एक-एक दिन रितन

प्रबन एक मास,

अन्हाव घबमे

सूतन छेलौं हम

नख मास ।

देखैक रत

जिह्वासा छन हमबा

ई घबक मानिकलै

जे नख मास तक

रिनु करल मेठैलैत

अन हमब

सब भूष पिपास ।



आग भेटैत तैशिली हमरा
देखर हम सभावक चेहरा,
जेर हम आग नर जीवनक साँस
धुवाँ छैत हमर आग सभ आस ।
आँखि रद अछि
किछो देख नै सकै छी हम
झुदाँ मरुसुस भ२ बहन-ए
एगो ब्रँड लय, जे
दरौटि बहन अछि
हमर कठकै
एगो अराज जे राब-राब
हमरा कान तक पहुँचि बहन अछि
रौं छिँ मागव दलिन ।
रस ककि गेल हमर साँस
रनि गेलुँ हम नहास ।

बान-बैम

क३ १-कडकठ रीछ क२
राबू नै हम
कोनो पाप करै छी,
अलकै गन्दगी
पहिले साक कवि
लेब अपन पेटक जोगाव करै छी ।



बान-प्रिय अछि जूबम

बडका-बडका गेहबमे पडलौ

पब अरुसब आ लेतेक घरमे

नित काज करैत एलौ

जब पेठक आगि धधकैत अछि

तर ले कोनो

कागज-कनम सोहागत अछि ।

छोरी-छपाठीसँ तँ नीक

मेलनति कबि दृगो लोठी आग छी ।

२



प्रतीति प्रिया मा

करिता-क२ दैनिकि उपकार महशिय

क२ दैनिकि उपकार महशिय

लैला बनि जनम की जनकि

नगैछ जेना अग्निमेघ यत्क

बिगिरिजेता- श्रीराम रा प्रबन्धित

पाग-यौब झरैठाँ ओ पगरी

पल्लिराक उमेर भेलनि ले की

मलबाजक भार बाजकमावक ताँउ

बिकरक जन तैयार



सत्य तबिधन्द् रचन खातिव
सेहो रिक्तन हुनाह
झुदा। तेयो माथ निचां छननि
एतेन रवदक केन गज्जति
कोन मान.... ?
रचरु भगरान
एतेन दैत्यस
आर्यरिक्त नारीके
चाम मेष्ट, लोन चाखगव
तबाजू कमजोव पासग भविगव
नाखक नाख ठेकाक संगे-संग
सोनाक गवदाम चावि चक्रा चली
किछ दिन पछाति एरोप्लेन मागतथि
कनियां चाहियनि रिश्वन्दरी
दृमि बहन समाज काठेवक नीनामे
दुर्भाग्य जे नारीक शत्रु नारी
रापस रसो माय पसारथि गोकथारी
जखन रेषक माय
तखन कनेत अछि
जखन रेषक माय
तँ मगलेन रेषके
“रामती” सन कनियां चाहियनि
एकठा कन्यामे
सोनाकना छतीसो गुण



समाजक अगति उध भ२ गेल... ।

ई कनागर अगन यत्नर ggajendra@videha.com सब पठाउ ।



१. बाजुदेर मण्डक तीन गेष्ट करित-शिकु स्रव/ छानती र/ दितक आराज २. मण्डक सातठो गीत



खगदीने प्रसाद

१



बाजुदेर मण्डक तीनठो करित- शिकु स्रव/ छानती र/ दितक आराज

शिकु स्रव

रन्न पवसोति घर

टिटिआगत शिकु स्रव

निकलैत सुगन्ध

मन्द-मन्द

शान्तिमे स्रव

मध्व आराज



सजोले साज

कलेत रावम्राव

थोनत अन्नत सभारनाक दुखार

रनत नित-नृतन सिबजनहार

ई तेत तेत एलेन अपाव

रठ- रूध, रिलेक, रिटाव

तकोन चाखी सुक्काक टान

देखू पाछु नटे छै कान

जले छै रएत पुवना जान

एन्दन स्रव पुछै सरान

“की लवण कऽ सकर अलौ लमव दुख

देख बहन छी घातीक कथ

ताकि सकर अलौ टिन्हन झूथ

हएत कोनो मनुखे सन मनुख ? ”

प्रानती ब्र

अभिभारककेँ सीध कनकेँ सुनागत

हरामे टाक-भव गनगनागत

“सम्लवि कऽ छितेँ अपन टान

ले त राठेमे भऽ जेतै कान । ”

देही-दुनियाँ आगू रठ-न

हम बहर ओसवा कऽ पड़-न

तेयो पैसेन बहैत छन डब



काँपैत बहैत छलौ' थव-थव
सुबकाक एतेक अछि समान
तँए ले देनिई गपपव बियान
आग जगत ले-रजह जान
बाह भेल अछि सुन्न-मसान
आगू ठाठ भेल जमदूत समान
करुणै सब सुनि ठाठ भेल कान
“आहँ जे निकनतौ अ राज
कियो ले देतौ अखन काज ।”
हमव की गतती किअ भेल नाराज
“आग छिवत हमरेशव गाज
नजबि उठा देखलौ जी उठन सन्न
हमव भ२ गेल रानती रन्न ।”

दिनक आराज

अन्तवमे बहैत अछि अमृत
राहव रीथ भवन अनयोन
प्रेमक ले कोनो योन
भीतव शान्तिक खजना अनयोन
दिनक रानकेँ जाबि-याबि
रज्जे छी हम दोसब रान
शिरद दैत अछि दिनकेँ धोखा
थोजेत अछि राबमराब मोका



कखनो शिर्द दिनपर होगत अछि नाबाज
कखनो दिनक रात कहत शिर्दकेँ होगत ताज
शिर्द होगत जे दिनक आराज
सभठाम होगत सत्यक बाज
अन्तवमे रहत सजरए पड़त साज
तथैन रनत शिर्द दिनक आराज ।

२



छगदीश प्रसाद मण्डलक सातठी गीत-

सातक बिदाग

भार-अभार किन्तु केना कुठैते
कुठैलोपर जेते के यो ।
अभार-भार सुभार सुभारि
दर्पण-दर्शन देखोते यो ।
दर्पण-दर्शन..... ।



दर्शन साहित्य समाज कति

दृष्ट-दर्शन छिपौनके यो ।

एना-केना राठे रना

रठेरी राठे भोतिउनके यो ।

रठेरी..... ।

एकस-रीस समय ससपि

नचिनी नाच नटे छे यो ।

रिनु अखियासे जन-मवम

जिनगी भसान भस छे यो ।

जिनगी..... ।



मोनि मन....

मोनि मन उमड़ा - घुमड़ा

रिठनी गीत गलैत बहे छै ।

सिंह-राघ धवती धमकि

पानि गोहि मोहित बहे छै ।

रिठनी गीत..... ।

घठनी-रिठनी कहि-सुनि

रिठनी घठनी कलैत बहे छै ।

रिठनी साँठ साड़ा - सठिया

मावि रिठनी मालैत बहे छै ।

भाय यौ, रिठनी गीत..... ।

सेरा कहि-कहि सब ठक

ठैका बस पीलैत बहे छै ।

झुदा कि, परिते जिनगीक बस सेरा

स्पद-प्रेम मनि मनि गलै छै ।

स्पद-प्रेम..... ।

रिठनी गीत..... ।



सङ्ग्रह.....

मीत यो, सेवागते सङ्ग्रह छै ।

हेवागते हलै छै, डेवागते डलै छै ।

मीत यो, सेवागते सङ्ग्रह छै ।

भात-रात रासि रसिया

रसिया-नसिया कप धङ्ग्र छै ।

रसिया-छैका कहि-सुनि

दाक निशा छट्छैत बहै छै ।

दाक निशा..... ।

मीत यो, सेवागते सङ्ग्रह छै ।

हेवागते हलै छै, डेवागते डलै छै ।

राह ले मन, गच्छित जौन

छालक हान बूझैत बहै छै ।

पानि कहि सेवाधन छह

हथी कात छेकैत बहै छै ।

हथी कात..... ।

मीत यो, सेवागते सङ्ग्रह छै ।

हेवागते हलै छै, डेवागते डलै छै ।



दिन-वातिक----

दिन-वातिक आँखि मिटौनी

अन्हा-ई दिठड़ १ थैन थेलै छै ।

दिन-सुदिन कहि सुनि

निसभवि वाति बसैत बहै छै ।

अन्हा-दिठवा..... ।

दिन दुध घिसिया-तिरिया

नित-नीन नमि-नमि भलै छै ।

अमा जिनगी उता-पका

अपे आँखि रीच उड़ै छै ।

अपे आँखि..... ।

दिठड़ १ डेग रठ्ठा-रठ्ठा

तपकि राति अन्हा पकड़ै छै ।

पकड़ै राति नून-दून

वाति काष्टि प्रभाती गरै छै ।

वाति काष्टि..... ।

अन्हा दिठड़ १..... ।



अबिदे अंगन....

अबिदे अंगन अतकि-सतकि
दोग-सतकि देखए नखै छै ।
दोगे-दोग दौड़ देखि
अतकक चान दौड़ए नखै छै ।
अतकक..... ।

सोनि-सोनि गृन सतहिया
उगड़म डूमउग करए नखै छै ।
उगि-डूमि डुककनिया मावि-काष्ट
टितंग लेन लेनए नखै छै ।
टितंग..... ।

जहिना नलस धवि भसि
टात-पष्ट परिचय करए नखै छै ।
अतकि-कतकि अति-अत कहि
अतकक चान देखए नखै छै ।
अतकक..... ।



समाज सजन.....

समाज सजन छै छिपाड-उकझी
छीप-उकठपना लेरसाय बनन छै ।
बग-बिबग समाज गठ-मठ-
बग-बग छीप कठैत बहै छै ।
भाय यौ, बग-बग..... ।

आस-रियास बनिते जलिन
छोब-माखन नखा कहै छै ।
गोप-गोपी रीच उमकि
कहि उमकि उकठपन कहै छै ।
भाय यौ, कहि उमकि..... ।

भारो लोक तलिन भर
मावि सेनह काठि कहै छै ।
शाम्बरी, शिखरशाम्बरी कहि
कर्ता-धर्ता खर कहै छै ।
मीत यौ, कर्ता..... ।



सभ यिनि.....

सभ यिनि हमबा राड्ाँ देनके ।

अपना समाजसँ ठाँबि देनके ।

सभ यिनि हमबा राड्ाँ देनके ।

रनि-रनि रदन-रदन

राबिस रब रानन कहौनके ।

माँठि-झोड्ाँ रान पकड्ाँ

अपने झूठ अपने भवनके ।

मीत यौ, अपने झूठ..... ।

अपना समाजसँ ठाँबि देनके ।

राड्ाँ छेवरती देख अन्ह

अन्ह जनमव रसौनके ।

रास रासुकि कहि-कहि

सिब शिर यनि मननके ।

मीत यौ, शिर यनि..... ।

अपना समाजसँ ठाँबि देनके ।

चास-रास-अगरास रनि रन

सिबा अगू पीड्ाँ सजौनिधै ।



सिब आगू पीछे सजोनिई ।

पट-एकक कन्द कडा कन

मेर पट प्रसाद रैनिई

मीत यो, मेर..... ।

ई कनापर अपन यतब ggajendra@videha.com पब पठाउ ।



१. बाय बिनस सान्नी- पठन-निबन तनि पोर कबियो बबूआ २. सत्यम कुमार मिश्र- ग्रामी छ ३.



जितेन्द्र जित्त - गवीरीक जाड/ कथी तए... ? ४.



राजेश कुमार सा- जो खल से छी

१



बाय बिनस सान्नी

पठन-निबन तनि पोर कबियो बबूआ

पठन-निबन तनि पोर कबियो बबूआ

कैसन-कैसन ठोगी बछ उपाए

कतखकेँ छुँकिया जखन पलाड पब बहलै

तर छुँकिया पतखल कलय ।

रल्ल ले छुँकिया जखन पडित घर अगलै

ठाकुरजी हो लूकब नाम कलय ।

जब अ ठाकुरजी पडित घर बहिये



महिला-महिला बहिये खुँसै ठेगाय ।

जखने ओ न्योता जजमान घरे एताह

खुँसै ठेगाय ठाकुरजी मोड् ाये धड् ाय ।

पठ्-न-निखत तनि गौर कबियो रबुँखा ।

जखने पडित जजमान घरे पहुँचताह

तबन्त देतकनि ओड हो सुनाय

गगयार्के दधरामे कनकनिया हो जाय

पठ्-न-निखत तनि गौर कबियो रबुँखा ।

एम.ए. बी.ए रिष्टारस गौरव प्रजेखुन ।

डुपवस जेखुन एकारन ठेका मगाय ।

ठाकुरजीके सपे खातिर सरा गज कपड् ा जेखुन

सियाग जेखुन पडितागनक खगि ।

पठ्-न-निखत तनि गौर कबियो रबुँखा ।

जखने ओ सत् नारायण कथा सुनौता

रनियाँ नामक कथा ओ सुनोतहुन

रनियाँ जखन पूजा कऽ प्रसाद ले खेतके

नादन जगज जँ हुनकर डूमि जाय ।

पठ्-न-निखत तनि गौर कबियो रबुँखा ।

नकड्-रावा जखने पूजा कऽ प्रसाद ले खेतके

खेतके रूँ रूँ जाय ।



जखन ओ पडित अछुत घर पूजा ओ कबाले
तखने पडित अछुत घरक प्रसाद ले खेतके
पडितक लेठी कि कछ ले पबि जाग ।
पठन-निखन तनि गौर कबियो रबृथ ।

२.



सन्तान रुयाव मित्र, काठमान्डू, नेपाल

गुनायी छे

अराद छनहूँ
रबराद भेनहूँ
झाद जेनहूँ तबकाबीके
लोकबी तँ निके छन
झदा नहि छन सबकाबीके ।

अराद छनहूँ
रबराद भेनहूँ

झाद जेनहूँ तबकाबीके
लोकबी तँ निके छन
तेयो, गडियष्ट
अनुवर्ता नरक
देननि छाप गुनायीके
लोकबी तँ निके छन
झदा नहि छन सबकाबीके ।

अराद छनहूँ
रबराद भेनहूँ
झाद जेनहूँ तबकाबीके
अर्छ रठन
छर्छ रठन
खानियो जेर केव सर्छ रठन
झदा, नग रठन राठ आमन्त्रिके
लोकबी तँ निके छन
झदा नहि छन सबकाबीके ।



श्रवाद छनहुँ
रबरवाद भैतहुँ
नाज कम
समाज कम
रान रचा दर्जनमे छन
देख-भान करैत-करैत रितन दिन गुनायीमे
लोकरी तँ निके छन
झुदा नहि छन सबकारीके ।

कजन सभ दर्जनमे छन
गर्जन करैत दिन आ बाति
अपन सेहो थप-थाप भऽकऽ
गनती छनि गेन सोबहीमे
छैन परिवर्त भऽ गेन रैछैनी ये
लोकरी तँ निके छन
झुदा नहि छन सबकारीके ।

जनम दिन किनको,
मबन दिन किनको
पारनि-तिहावक नागन छलैत
अपनो एक रैब रबरानी डे
लोकरी छोटि धूमधामसँ
मना बहन छी रबरानी डे
आशीर्वाद देनिहाव सरहे लोक कहनि
आग-कान्ति आ नित दिन,
सरहे महिना, सरहे शान आ सरहे जूगमे
मलैरैत बहू गुनायी डे
लोकरी तँ निके छन
झुदा नहि छन सबकारीके ।

३



जितेंद्र 'जितु' - गवरीक जाड/ कथी नथ... ?

गवरीक जाड

—
आबिपव ठाठ रूचलन रावू
देख बहन छथि ननुराकेँ
ननुरा हनक हवराठ
काज कऽ बहन अछि
अपन कमिया आ रानरचाक संग



प्रसक कहैसा आ रिसरिसरीक रिच
काठेन छेवक रनपर थटैत ओकव परिवार

अनायास अपना दिन ताके छथि ओ
मोठ-मोठ डुनी कपड़ १, कोठे गनरन्द आ ठैसी
तगपर ओसरानक डुनी चादव
झुदा तैयो हराक प्रेक लेगस
शिवीबमे उपेन भू बहन कम्पन
हूनका सोचराक जेन राधा करैत अछि
जे केना छेवक रनपर थटै बहन अछि
ननुरा आ ओकव लेना सभ

सुद्ध नजबिस ओ देखे छथि पुनः ननुरा दिस

आ ननुरा सेहो नजब उठा देखैत अछि हूनका दिस
ननुराक हंसमुख झुकाव बृन्द
आ सल्लु नजबि
जेना कहि बहन हो
मानिक आ तँ गवरीक जाड थिके
अलिना आरैत छै, अलिना कटैत छै
अलिना आरैत छै, अलिना कटैत छै

२

कथी तथ... ?

ओ किअक आ बन्दूक... ?
आ नाठी कथी तथ... ?
किअक मशीन... ?
आ आन्दान कथी तथ... ?

अहाँकेँ मपेसि आ थकरुठे अहाँ क ?
अहाँक छेलेबारव आ थयू निगू अहाँक ?
आथिब किअ आ मावि ?
आ आ आन्दान कथी तथ... ?

अस्तिन्नक जेन सघीयता
झुदा ओतह रिभाजन
अधिकारक नामपर किअक आ द्रुद्ध... ?
आ द्रुद्धपूर्ण आन्दान कथी तथ... ?

ओ आ तँ कूसीक थैन थिके,
सुताक जेन थिके
बाजलेताक दर थिके
बाजनीतिक घर थिके
ओ तँ नङ्ग ले कवताह
ओ तँ भिङ्ग ले कवताह
हूनकव तँ राते छोड़ू
ओ तँ ओमलेले कवताह
झुदा अहूँ स्वरिकी छी



अपन बिरैक कथी नए... ?

कथी नए रन्दुक... ?

किए मशान... ?

हे हो बिखुन्दन कथी नए... ?

हम मैथिन छी, ले पहिले नेपाली

हम थाक छी, ले पहिले नेपाली

हम पहाडी, ले पहिले नेपाली

हम मधेशी, ले पहिले नेपाली

हमहुँ नेपाली, अहुँ नेपाली

तखन बिभेद कथी नए... ?

कथी नए रन्दुक... ?

किए मशान... ?

हे हो बिखुन्दन कथी नए... ?

प्रसन्न भेल अरुगानकेँ देखू

ऊँझडि गेल अवाक ओतए

मिठा बरन ओग पाककेँ देखू

भातिद्वन्द्वक रिज तब

अपन बाहूँ धिक, अपन धरोलब

तखन अ मगड़ १ कथी नए... ?

कथी नए रन्दुक... ?

किए मशान... ?

हे हो बिखुन्दन कथी नए... ?

भागलै बाजा गगतत एलै हो

जाग जाग पवतत गेलै हो

छः कि तैवा... ?

राष्ट्र र तै की... ?

कि अवजनता... ?

काष्ट्र र तै की... ?

जेहने ओ अट्टि, तेहने हमहुँ

तखन अ बगड़ १ कथी नए... ?

कथी नए रन्दुक... ?

किए मशान... ?

हे हो बिखुन्दन कथी नए... ?

ओकर रपौती नेपाल ले छिउँ

रएत ठा कोला नेपाली ले छिउँ

हमव नेपाल छी हमहुँ नेपाली

तखन रिभाजन कथी नए... ?

कथी नए रन्दुक... ?

किए मशान... ?

हे हो बिखुन्दन कथी नए... ?

मिति समुद्र नेपाल बनारी

अपन नरीन गतिहास बचारी

ऊँच जागू बहा जाऊ एक सूत्रमे

एकतक संस्कार जगारी



नर नेपालमे सभ नेपाली
जेहने मपेसी, ओहने पहाडी
ककरो रिट ले बहत रिखन्डन
रिभेद, रिभाजन कथी नए... ?
कथी नए बन्दूक... ?
किए मशान... ?
हे हो रिखन्डन कथी नए... ?

३



बाजेश कुमार मा- जो अहाँ ले छी

जो अहाँ ले छी, दिनमे धक्कन ले यः
मवन समान नाछी छी, शरीरमे जाले ले यः
निठना रिसन बँह छी, किछु कबगक जोशे ले यः

जो अहाँ ले छी, कृष्ण मे मलक ले यः
दिन रजव समान नछै, बातियोमे नीद ले यः
मोसम ठहरि सन गेल, रताव मे खूनी ले यः

जो अहाँ ले छी, आँखिमे ओ चमक ले यः
झुन्डवागक कोशिशि करै छी, ठाँव पब ठसी ले यः
अहाँ सँ दूर बँहक, ज़िन्दगी छहत ले यः

जो अहाँ ले छी, घर मे ओ दमक ले यः
कान तबसि गेलह, ओ पायनक आराज ले यः
हव पन रिबान नछै, कतौ रिबलक उदासी तँ ले यः

जो अहाँ ले छी, अ जिन्दगी- जिन्दगी ले यः

ई कनास अमन यतन ggaj_endra@videha.com पब पठाउ ।



१. बिनैता मा- अही देखि लेखी हय २.



कामिनी कार्मायनी -बिहोत गतल बन्.



ज्योति मा टोपरी- शिष्टमे उमेर

१



बिनैता मा

अही देखि लेखी हय

अही देखि लेखी हय

ले होमए देखि ककरो अपमान

किए क्षमा कबिँ ओकवा

जे ले कए सकैत अछि नारीक सम्मान ?

किए भरोस कबिँ ओकवा पर

जे ले भऽ सकत मनुखक सतन ?

ले होगतथि नारी

तँ जन्म केना जेतै,

ले होगतथि नारी

तँ रहल के होगतथि

ले होगतथि नारी

तँ कमियाँ कतएँ तकिबै

ले होगतथि नारी

तँ लेखी ककवा कहितै

ले होगतथि नारी

तँ सृष्टि कि छलैत ?

जागू, सोचू, रिचाक

सब नव, नारी

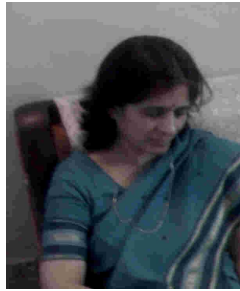
की होमए देखि

अहाँ नारीक अपमान ?



अही देशिक छैथी हय
ले छप लेसि कानर,
कवर ओकर प्रतिकाव
जे कबत हमरा संग अतिटाव
ऐ नइ गमे हय एकसले ले
सगे छथि हमर सखी, सखा
जे करै छथि
नारीक सम्मान ।

२.



कामिनी कार्यालयी

बिछैत पतास बन

बिछैत पतास बन ।

धवती सँ डनटास तथ डुपव/

डूठन जे /प्रदीप्त मशान/

भक, भक, करैत/ मिसा गेल हूँ/

तँ ऐ मे रसातक कौन दोष ?

ओकर तँ अप्पन प्रवृत्ति/

ओ, समर्थ/ ओ गिज्जमान ।

झुदा, मियेन मशान/

ठाठ तँ ओहिना/

अप्पन, दूआतिक पिछा कहैत/

थसा बहन अछि/ दुनू आँखि सँ सब-सब नोब/

अ केहेन गजोब/



ले बाति/ ले भोव/
टाक दिस / रिछन/ रक्कस सकेद टादवि/
छोठ छोठ/मोमक रात्री/
आ कठक पैघ उदासी/
अ कोन ब्रत/ अ कोन उपास/
झुदा तैयो/ मोनमे जमन जा बहन छै आस/
कि जे देरता/ पितर के /अपन मित्रा आ प्रेम स/
गोहबारेत /आस्था के जीरित राखन /
मानरीय सभ के /मन प्राण मे सगतले /
जुग जुग स ओकर कृतिन भाथेत/
आग लेव ओ जागि उठन अछि/
मनले ले ब्रता के/
छाली ओ बका करट/
निखन ताड पत्र पत्र/
जे दनुज, दैव, बाकस के दड त्थ निश्चित/
नारीक टाव हवण/ करे ले दुष्ट जन/
कस दिख दुर्गा के / शिख दिख काली के /
कापि उठैक सोचि कऽ धृष्टता अप्रव जन /
कतरौ अनल त्थ/ रिश्यास आर सग छै/
पात पात मडन /जाति पत्र/ धिनते पनास बन/
एतले मे/
आर राता भूत / कहि गेलै कान मे/
पाछा कक ले आर अपन राग/
तैयार दर्पाटि ओ छुथि/



देरए लेब सँ/ अपन अस्थि दानये ।

३



जाति मा ठौरबी

शेछमे उमेर

प्रयासक अमृत बससँ सीटित
बहय सँदेर रिदेल्क कुनराडी
आखर ये अतिराज कय
उमेर केँ शेछ ये उतारी
तिना सँराजितक घृव तापैत
थोती नर स्रराधक पेठौबी
रसलुक धरन आरवण पव
प्रार्थनाक सुमन समरु सराबी
साहित्यक रिक्ति शीती भवले
गर्दधन्यबी कथुआक पिचकारी
शीतन शेछक ओषधि नः
गवर्मीक सृवज पन्ना ये निहाबी
रवसातये रिचावक बूँद बूँदी
सँ अपन जेखनी सिऊ कबी
जाडक त्राहि सँ त्राण पाँले जेन
नरन उमोहक डुम्या पसाबी



ई कनास अगन यतव ggajendra@videha.com पब पछि ।

रानना छते



पंकज टोषरी (नरनरी)

रान गजन

लोकन के लेव डै रूँआ ओबियेले जखत छन
कुकना निख कुकना निख टिठियेले जखत छन

सठठा कुकना के कूकि-कूकि डोवा नए राहि-राहि
ओकरा ठेगामे थोसि-थोसि सवियेले जखत छन

मगन मस्त भेन सृमि-सृमि गामे-गाम घूमि-घूमि
कूनन - कूनन कुकना के उडियेले जखत छन

गलिकीक रड् भिड् छले लेला सभ अश्वि छले
तगयो सौदा सभसँ धरि करियेले जखत छन

अमन नाछेत डैक सँग पुछरी आ पाथि सन
एना कुकनामे कुकने के सहियेले जखत छन

रैसी नमलव कुनारयमे कुकना जे कूष्ट गेलै
ओ मोले-मोन सभके आर गवियेले जखत छन

एकठा कुकना के कूठनासँ टारि आना छुटि गेलै
बहि - बहिक केने "नरन" रुडियेले जखत छन

*आश्व-१६ (तिथि-११.०६.२०१२)

रठा लोकन दुब सवारी ग्रीक

प्रथातः कान अरुद्रहर्त (सूर्योदयक एक घण्टा पहिले) सरप्रथम अपन दूनु हाथ देखराक चाली, आ अ ग्रीक रजराक चाली ।

कवात्रे रसते नक्षत्रीः कवमस्य सबस्यती ।



अग्निहोत्रा, रति, रास, तनूमान, रितीया, कृपाचार्य आऽ पञ्चवाम- अ सात ठाँ टिक्लीरी कहलैत छथि ।

+साते भरत सुधीता देरी शिखर रासिनी

उत्तम तपसा लक्ष्मी यथा पञ्चपतिः पतिः ।

सिद्धिः सत्ता सतामस्तु प्रसादास्तु भूर्जैः

जान्नीरुक्मिणीकेर यथुनि शिनिः कता ॥

९. राजाऽहं जगदानन्द न मे राना सबस्यती ।

अपूर्णे पचमे वर्से रणियामि जगत्त्रयम् ॥

१०. दूरस्थित मन्त्रिण यजुर्देव अथाय २२, मन्त्र २२)

आ अन्निवन्त प्रजापतिवन्तः । निभोकता देवताः । स्रवाङ्कृतिवन्तः । स्रजः स्रवः ॥

आ अन्निवन्त प्रजापतिवन्तः । निभोकता देवताः । स्रवाङ्कृतिवन्तः । स्रजः स्रवः ॥
दोष्टी पञ्चरोटाऽन्त्रिणाऽयः सतिः ॥ प्रवन्तिवन्तः जिह्वं वन्तः । स्रवेयो हरास्तु यजमानस्तु रीरा
जायता मिकाये-निकाये नः पृज्या रवितु कनरव नऽमन्त्रयः पचता योगेक्ष्यो नः
कम्पताम् ॥ २२ ॥

मन्त्रार्थाः सिद्धयः सत्ता पूर्तिः सत्ता मन्त्रार्थाः । शिवा रक्षिणाऽस्तु मित्राऽस्तुदयस्तु ।

३ दीर्घाभिर् । ३ सौभाग्यरती भर ।

हे भगवान् । अपन देशमे सुयोग्य आ सरित्तु क्रियायी उपेन्न होथि, आ शुक्ले नाश कएनिहार सनिक उपेन्न
होथि । अपन देशिक गाय खूँ दूध दय रानी, रवद भाव रलन कवएमे सक्षम होथि आ घोड़ । ब्रवित कपेँ दौगय
रना होथि । स्त्रीगा नगवक नेह्र कवएमे सक्षम होथि आ हरक सभामे ओजपूर्ण भाषण देरघरना आ नेह्र
देराये सक्षम होथि । अपन देशमे जखन आरथक होय रवाँ होथि आ ओमधिक-वृष्टी सरिदा पविष्क होगत
बह्य । एर एमे सत्ता तवठेँ तमवा सत्ता कनाँ होथि । शिवा रक्षिक नाश होथि आ मित्रक उदय होथि ॥

मनुष्यकेँ कोन रसुक गढा कवराक चाही तकव रणनि एहि मन्त्रमे कएन गेल अछि ।

एहिमे राचकनुपमानङ्काव अछि ।

अनुय-

अन्निवन्त - विद्या आदि गुणसँ पविष्ट अन्निवन्त

वाङ्मय - देशमे

अन्निवन्त-अन्निवन्त विद्याक तेजसँ हकत

आ जायता - उपेन्न होथि



बाँजऱ्यः-बाजा

थुलें-रिना डब रना

अथर्या- राण चलेरामे निपुण

इतिर्या-शित्के तबण दय रना

मंलबू-पैघ बय रना रीब

दोश्री-कामना(दू पृ कव रानी)

पेनुरीठान्-डरनाथः पेनुर-गो रा राणी रीठान्-डरा- पैघ रवद नाथः-आथः-ब्रवित

सष्टिः-मोड़ १

पुवन्कि-रौरा- पुवन्कि- रारतवके धाका कव रानी रौरा-मू

जि-शित्के जीत रना

बं-प्राः-बय पब हिव

सुभेयो-उत्तम सभामे

हराम-हरा जेतन

यजमान-बाजाक बाजामे

री-शित्के पवाजित कवरना

निका-निकामे-निश्चयकत कार्यमे

नः-रुम सभक

पुर्जा-मेघ

रुम-रुम ते

कन-रुम-उत्तम कन रना

उम-उमः-उमः

पछा-पाक

योगेष्ट-अनन नन करेराक तेत कन गेन योगक बका



नः-हमरा सभक हेतु

कम्पताम्-समर्थ होए

त्रिकिथक अनुवाद- हे अनुप, हमर बाजामे अनुप नीक धार्मिक क्रिया रना, बाजन्त-रीव,तीवदज, दूध दए रानी गाय, दोगय रना जन्तु, उग्रमी नारी होयि । पार्जन्य आरथकता पढना पब रम्य देयि, बन देव रना गाछ पाकए, हम सभ सशक्ति अर्जित/सबलित करी ।

8.VI DEHA FOR NON RESIDENT S

8.1 to 8.3 MATILI LITERATURE IN ENGLISH

8.1.1.The Comet -GAJENDRA THAKUR translated by Jyoti Jha chaudhary

8.1.2.The Science of Words- GAJENDRA THAKUR translated by the author himself

8.1.3.On the dice-board of the millennium- GAJENDRA THAKUR translated by Jyoti Jha chaudhary

8.1.4.NAAGPHANS (IN ENGLISH)- SHEFALI KA VERMA translated by Dr. Rajiv Kumar Verma and Dr. Jaya Verma

Send your comments to ggajendra@videha.com

बिदेह नूतन अक भाषापाक बचनलेखन-

गण्डिगिकोम-मैथिली- / मैथिलीकोम-गण्डिगि- प्रोजेक्टके आगु रह ाडु, अपन सुमार आ योगदान अ-मेन द्वारा ggajendra@videha.com पब पठाडु ।

१.भावत आ सप्तमक मैथिली भाषा-बैज्ञानिक लेखन द्वारा बनाउन मानक शैली आ २.मैथिलीमे भाषा सम्पादन पाठ्यक्रम

१.सप्तम आ भावतक मैथिली भाषा-बैज्ञानिक लेखन द्वारा बनाउन मानक शैली

१.१ सप्तमक मैथिली भाषा बैज्ञानिक लेखन द्वारा बनाउन मानक उचारण आ लेखन शैली

(भाषाशास्त्री डा. बामराताव यादरक धारणाके पूर्ण कपस सङ्ग नः निरधारित)

मैथिलीमे उचारण तथा लेखन

१.पञ्चमाक्षर आ अनुसारा. पञ्चमाक्षरानुसारत ७, ए, ण, न एर म अक्षरित अछि । संस्कृत भाषाक अनुसार शिष्टत अनुसारे जाति रज्जक अक्षर बहैत अछि ओही रज्जक पञ्चमाक्षर अक्षरित अछि । जेना-

अक्षर के रज्जक बहुराक कावणे अनुसारे ७ अक्षर अछि ।)

ଅନ୍ତ (ମ ରଜ୍ଜାକ ବହରାକ କାବଶେ ଅନ୍ତରେ ଯ୍ ଆଏନ ଅଛି ।)



सामान्यतया शिष्टक शुक्रमे ए यात्र अरित अछि । जेना एहि, एना, एकव, एलन आदि । एहि शिष्ट, सभक स्थानपर यहि, यना, यकव, यलन आदिक प्रयोग नहि कबरक चाली । यद्यपि मैथिलीभाषी थाक सहित किछु जातिमे शिष्टक आवद्धाये “ए”के य कहि उचारण कएन जागत अछि ।

ए आ “य”क प्रयोगक सम्बन्धमे प्राचीन पञ्चतक अनुसर्षण कबर उपहाङ्ग यानि एहि पुस्तकमे ओकर प्रयोग कएन गेल अछि । किएक तँ दूक लेखनमे कोनो सहजता आ दृक्कतक बात नहि अछि । आ मैथिलीक सरसभावक उचारण-शैली यक अपेक्षा एस रसी निकट छैक । “य”स क२ कएन, हएर आदि कतिपय शिष्टके केन, हएर आदि कपमे कतह-कतह निखन जएर सेहो “ए”क प्रयोगके रसी समीचीन प्रमाणित करैत अछि ।

७. हि, हू तथा एकाव, ओकाव : मैथिलीक प्राचीन लेखन-परम्परामे कोनो रातपर रन दैत कान शिष्टक पाछाँ हि, हू नगाउन जागत छैक । जेना- हुनकहि, अपनहू, ओकवहू, तकोनहि, दोहूहि, आनहू आदि । हूदा आधुनिक लेखनमे तिक स्थानपर एकाव एर हूक स्थानपर ओकावक प्रयोग करैत देखन जागत अछि । जेना- हुनके, अपनो, तकोले, दोहू, आनो आदि ।

१. य तथा थ : मैथिली भाषामे अधिकणितः यक उचारण थ गेलत अछि । जेना- यड्यन्त (थड्यन्त), मोडनी (थोडनी), थैकोण (थैकोण), वृथेश (वृथेश), सन्नाथ (सन्नाथ) आदि ।

+ प्रनि-लोप : निम्नलिखित अवस्थामे शिष्टसँ प्रनि-लोप भ२ जागत अछि:

(क) फियान्नी प्रत्य अयमे य रा ए वृत्त भ२ जागत अछि । ओहिमे सँ पहिले अक उचारण दीर्घ भ२ जागत अछि । ओकव आगाँ लोप-सूचक छिन् रा रिकारी (१ / २) नगाउन जागछ । जेना-

पूर्ण कप : पठए (पठय) गेनाह, कए (कय) जेन, उठए (उठय) पडबैक ।

अपूर्ण कप : पठ' गेनाह, क' जेन, उठ' पडबैक ।

पठ२ गेनाह, क२ जेन, उठ२ पडबैक ।

(ख) पूर्वकानिक छत आय (आए) प्रत्यमे य (ए) वृत्त भ२ जागछ, हूदा लोप-सूचक रिकारी नहि नगाउन जागछ । जेना-

पूर्ण कप : थाए (य) गेल, पठाए (ए) देर, नहाए (य) अएनाह ।

अपूर्ण कप : था गेल, पठा देर, नहा अएनाह ।

(ग) स्त्री प्रत्य एक उचारण फियापद, सङ्गा, ओ विशेषण तीनूमे वृत्त भ२ जागत अछि । जेना-

पूर्ण कप : दोसरि यानिनि छनि गेलि ।

अपूर्ण कप : दोसब यानिनि छनि गेल ।

(घ) वर्तमान ह्रदन्त अन्तिम त वृत्त भ२ जागत अछि । जेना-

पूर्ण कप : पठैत अछि, रजैत अछि, गरैत अछि ।

अपूर्ण कप : पठै अछि, रजै अछि, गरै अछि ।

(ङ) फियापदक अरसन एक, उक, एक तथा लिकमे वृत्त भ२ जागत अछि । जेना-



पूर्ण कप: छियोक, छियोक, छीक, छीक, छीक, अरितेक, गेगक ।

अपूर्ण कप : छियो, छियो, छी, छो, छै, अरिते, गेग ।

(८) क्रियापदीय प्रत्यय ह, ह् तथा लकारक रूप भन् जागछ । जेना-

पूर्ण कप : छहि, कहनहि, कहनहुँ, गेनह, नहि ।

अपूर्ण कप : छनि, कहनि, कहनौ, गेन, नग, नहि, ले ।

९. **प्रति स्नानावस्था** : कोना-कोना स्नान-प्रति अपना जगहसँ लट् क२ दोसर ठाम चलि जागत अछि । खास क२ द्रव्य ग आ उक सङ्ग्रहमे ग रात लागू भोगत अछि । मैथिलीकरण भन् गेन शिष्टक मध्य रा अन्तमे जँ द्रव्य ग रा उ आरए तँ ओकर प्रति स्नानावस्थित भन् एक अकर आगाँ आरि जागत अछि । जेना- शिनि (शिगन), पानि (पागन), दानि (दागन), माछि (मागछि), काछ (काउछ), मासु (माउस) आदि । दूदा तसेम शिष्ट, सभमे ग निश्चय लागू नहि भोगत अछि । जेना- बगिचै बग्या आ स्नानार्थक स्नानाउस नहि कहन जा सकैत अछि ।

१०. **लननु (क) प्रयोग** : मैथिली भाषामे सामान्यतया लननु (क) आरथकता नहि भोगत अछि । कावण जे शिष्टक अन्तमे अ उचारण नहि भोगत अछि । दूदा सकृद भाषासँ जलिक तलि मैथिलीमे अएन (तसेम) शिष्ट, सभमे लननु प्रयोग कएन जागत अछि । एहि गेथीमे सामान्यतया सम्पूर्ण शिष्टक मैथिली भाषा सङ्ग्रही निश्चय अनुसार लननुवर्गिन बाखन गेन अछि । दूदा बाकबा सङ्ग्रही प्रयोजनक लेन अरथक स्थानपर कतह-कतह लननु देन गेन अछि । प्रसूत गेथीमे मैथिली लेखनक प्राचीन आ नवीन दू शैलीक सबन आ समीचीन पक्ष सभकै समेष्टि क२ रण-रिवास कएन गेन अछि । स्थान आ समयमे रचित सङ्ग्रहि लननु-लेखन तथा तकनीकी दृष्टिसँ सेहो सबन लेखनका हिसारसँ रण-रिवास मिलाउन गेन अछि । वर्तमान समयमे मैथिली मातृभाषी पर्यन्तकै अन भाषाक माध्यमसँ मैथिलीक लेखन लेखन पढि बहन परिप्रेक्ष्यमे लेखनमे सहजता तथा एककपतापर ध्यान देन गेन अछि । तखन मैथिली भाषाक मूल विशेषता सभ रूपांतरित नहि भोगक, ताद्व दिस लेखन-मन्त्रन सचेत अछि । प्रसिद्ध भाषाशास्त्री डा. बाबुराव यादवक कहल छनि जे सबनतक अनुसन्धानमे एहन अरुआ किन्तु ले आर देवराक चाली जे भाषाक विशेषता छलिये पढि जए ।

-(भाषाशास्त्री डा. बाबुराव यादवक धारणाकै पूर्ण रूपसँ सङ्ग न२ निरूपित)

१.२. मैथिली अकादमी, गठना द्वारा निरूपित मैथिली लेखन-शैली

१. जे शिष्ट, मैथिली-साहित्यक प्राचीन कालसँ आग धरि जाहि रूपांतरमे प्रचलित अछि, से सामान्यतः ताहि रूपांतरमे लिखन जाय- उदाहरणार्थ-

ग्राम

एखन

ठाम

जकर, तकव

तनिकव

अछि

अग्राम

अखन, अखनि, एखन, अखनी

ठिमा, ठिना, ठमा

जेकर, तेकर



तिनकब । (रैकपिक कर्पे ग्राम)

एँछ, अहि, ए ।

२. निम्नलिखित तीन प्रकारक कप रैकपिकतया अपनाउन जाय: भ२ गेन, भय गेन रा भए गेन । जा बहन अछि, जाय बहन अछि, जाए बहन अछि । कब गेनाह, रा कबय गेनाह रा कबए गेनाह ।

३. प्राचीन मैथिलीक 'ह' प्रतिक स्थानमे 'न' निखन जाय सकैत अछि यथा कहनि रा कहन्हि ।

४. 'ई' तथा 'उ' ततय निखन जाय जत स्पष्टतः 'अ' तथा 'अँ' सदृश उच्चारण गइत हो । यथा- देखैत, छलैक, लोख, छोक गलादि ।

५. मैथिलीक निम्नलिखित शिष्ट एहि कर्पे प्रयुक्त होयत: जेह, सेह, गएह, ओह, जेह तथा देह ।

६. ह्रस्व अकारांत शिष्टमे 'ग' के वृष्ट कवर सामान्यतः अग्राम थिक । यथा- ग्राम देखि आरह, मानिनि गेन (मनुष्य मात्रमे) ।

७. स्वतंत्र द्वय 'ए' रा 'य' प्राचीन मैथिलीक उद्भवण आदिमे 'त' यथारत बाखन जाय, किंतु आधुनिक प्रयोगमे रैकपिक कर्पे 'ए' रा 'य' निखन जाय । यथा- कयन रा कयन, अयनाह रा अयनाह, जाय रा जाए गलादि ।

८. उच्चारणमे दृ श्रवक रीट जे 'य' प्रनि स्वतः आरि जागत अछि तकरा लेखमे स्थान रैकपिक कर्पे देन जाय । यथा- धीखा, अठैखा, रिखाह, रा धीया, अठैया, रियाह ।

९. सामान्यतः स्वतंत्र श्रवक स्थान यथासंभव 'अ' निखन जाय रा सामान्यतः श्रव । यथा- मैअण, कनिअण, किवतनिअण रा मैअँ, कनिअँ, किवतनिअँ ।

१०. कावकक रिभक्तिउक निम्नलिखित कप ग्राम:- तयकै, तयसँ, तयै, तयक, तयमे । 'मे' मे अनुस्वार सर्वा लाज थिक । 'क' क रैकपिक कप 'केव' बाखन जा सकैत अछि ।

११. पृथक्ताक रिवापदक बाद 'क' रा 'क' अथवा रैकपिक कर्पे नगाउन जा सकैत अछि । यथा- देखि कय रा देखि कय ।

१२. माँग, भाँग आदिक स्थानमे माँ, भाँ गलादि निखन जाय ।

१३. अर्ध 'न' ओ अर्ध 'य' क रदना अनुस्वार नहि निखन जाय, किंतु छापक सुविधार्थ अर्ध 'उ', 'ए', तथा 'ण' क रदना अनुस्वारो निखन जा सकैत अछि । यथा- अर्ध, रा अर्क, अरुन रा अरुन, कर्ठ रा कर्ठ ।

१४. लत छि निश्चयतः नगाउन जाय, किंतु रिभक्ति सग अकारांत प्रयोग कयन जाय । यथा- लीमान, किंतु लीमानक ।

१५. सब एकन कावक छि शिष्टमे सँ क' निखन जाय, तँ क' नहि, सयउ रिभक्ति हेतु कवाक निखन जाय, यथा यव पक ।

१६. अनुनासिककेँ छन्दरिन्दू द्वारा राउ कयन जाय । पर्वत छन्दक सुविधार्थ हि समान जठिन मात्राव अनुस्वारक प्रयोग छन्दरिन्दूक रदना कयन जा सकैत अछि । यथा- हि केव रदना हि ।

१७. पूर्ण रिवाय पासीस (।) सृष्टि कयन जाय ।

१८. समस्त पद सँ क' निखन जाय, रा लक्षणसँ जोडि क' , तँ क' नहि ।

१९. निश्च तथा दिश् शिष्टमे रिवायी (२) नहि नगाउन जाय ।



२०. अक देरनागरी कपमे बाखन जाय ।

२१. किछु प्रनिक छन नरीन छिह करौउन जाय । जा अ नहि बनन अछि तबत एहि दू प्रनिक बदल पुरवत् अय ।
आय/ अय/ आय/ आउ/ अउ निखन जाय । अकि ऐ बा भो मै बड कयन जाय ।

ह.१- गेरिन्द मा ११/१/१७ लौकालु अरुव ११/१/१७ सुन्द मा 'सुम' ११/१/१७

१. मैथिलीमे भाषा सम्पादन पाठक्रम

२.१. उच्चारण निर्देश (ब्लान्ड कयन कय जाय):-

दनु न क उच्चारणमे दाँतमे जीह सँठत- जेना राजू नाम, दाँदा न क उच्चारणमे जीह मूँसमे सँठत (ले सँठैत तँ उच्चारण दोस अछि)- जेना राजू गणेश । तानरा नीमे जीह तानस, सभमे मूँसि आ दनु सभमे दाँतस सँठत । निगी, सभ आ शोभा राजि कऽ देखू । मैथिलीमे स केँ रैदिक सकृत जकाँ अ सेहो उच्चरित कयन जागत अछि, जेना रया, दोस । य अलको सुनपव ज जकाँ उच्चरित होगत अछि आ न ड जकाँ (यथा संयोग आ गणेश) संयोग आ

गङ्गस उच्चरित होगत अछि । मैथिलीमे र क उच्चारण र, ने क उच्चारण स आ य क उच्चारण ज सेहो होगत अछि ।

ओहना दुस्र ग ऐशीकान मैथिलीमे पहिल राजन जागत अछि कावण देरनागरीमे आ मिथिलाक्षरमे दुस्र ग अक्षरक पहिल निखलो जागत आ राजलो ऊपरक छली । कावण जे हिन्दीमे एकव दोसपूर्ण उच्चारण होगत अछि (निखन तँ पहिल जागत अछि दाँदा राजन बादमे जागत अछि), से शिक्षा पद्धतिक दोसक कावण हय सभ ओकर उच्चारण दोसपूर्ण ठगस कऽ बहन छी ।

अछि- अ ग ट अछ (उच्चारण)

छथि- छ ग थ - छेथ (उच्चारण)

पहँटि- प हँ ग ट (उच्चारण)

आर अ आ ग जा ए ई ओ उ अ अः म ई सभ जन मात्रा सेहो अछि, दाँदा एँमे जा ई ओ उ अ अः म केँ सहायक कपमे गत कपमे प्रयुक्त आ उच्चरित कयन जागत अछि । जेना म केँ बी कपमे उच्चरित कवर । आ देखियो- ई जन देखिओ क प्रयोग अछि । दाँदा देखिई जन देखियो अछि । क सँ ह धवि अ सम्मिलित भेनासँ क सँ ह रनेत अछि, दाँदा उच्चारण कान लननु ह्यु गिहक अलुक उच्चारणक प्रवृत्ति रटन अछि, दाँदा हय जखन मनोजमे ज् अलुमे रजैत छी, तखनो पुनका लोककेँ रजैत पुनरहि- मनोज, रासुरमे ओ अ ह्यु ज् = ज रजै छथि ।

लेव ड अछि ज् आ ए क सहाय दाँदा गत उच्चारण होगत अछि- गा । ओहना फ अछि क् आ व क सहाय दाँदा उच्चारण होगत अछि छ । लेव ग् आ व क सहाय अछि ले (जेना लेयिक) आ स् आ व क सहाय अछि स् (जेना स्यिक) । तँ भेन त+व ।

उच्चारणक माँडियो कागत बिदेह आर्कगिर <http://www.videha.co.in/> पव उपलब्ध अछि । लेव केँ / मै / पव पूर अक्षरसँ सँठौ कऽ निधु दाँदा तँ / कऽ लँठौ कऽ । एँमे मै ये पहिल सँठौ कऽ निधु आ बादरना लँठौ कऽ । अकक बाद ठौ निधु सँठौ कऽ दाँदा अय ठाय ठौ निधु लँठौ कऽ जेना

लँठौ दाँदा सभ ठौ । लेव ३५ म सतम निधु- छठम सतम ले । यकरनामे रना दाँदा यकरनामे रनी प्रयुक्त कर ।

बल-

बल दाँदा सकेय (उच्चारण सके-ए) ।



झुदा कबलो कान बरु आ बहे ये अर्थ भिन्नता सेहो, जेना से कम्पा जगलमे पार्किंग कबराक अत्रास बहे
ओकरा । प्रहतापव पता नागत जे टूनटून नाम्ना अ ड्रागरव कनाठे धसक पार्किंगमे काज करैत बरु ।

हुले, हुल्य मे सेहो ए तबलक भेल । हुल्य क उचावण हुन-ए सेहो ।

सयोगने- (उचावण सजोगने)

कै/ क२

केव- क (

केव क प्रयोग गद्यमे ले कर, पद्यमे क२ सकै छी ।)

क (जेना बायक)

- बायक आ सगे (उचावण बाय के / बाय क२ सेहो)

स- स२ (उचावण)

चन्द्रिन्दु आ अनुयाव- अनुयावमे कठ धविक प्रयोग भोगत अछि झुदा चन्द्रिन्दुमे ले । चन्द्रिन्दुमे कलक एकाक
सेहो उचावण भोगत अछि- जेना बायस- (उचावण बाय स२) बायके- (उचावण बाय क२/ बाय के सेहो) ।

कै जेना बायके भेल हिन्दीक को (बाय को)- बाय को= बायके

क जेना बायक भेल हिन्दीक का (बाय का) बाय का= बायक

क२ जेना जा क२ भेल हिन्दीक कव (जा कव) जा कव= जा क२

स भेल हिन्दीक से (बाय से) बाय से= बायस

स२ , त२ , त , केव (गद्यमे) ए टाक शिष्ट सरलक प्रयोग अराद्धित ।

के दोसर अर्थे प्रयुक्त भ२ सकै- जेना, के कलक ? रिभर्जि “क”क रदना एकव प्रयोग अराद्धित ।

नहि, नहि, ले, नग, नंग, नग, नग ए सभक उचावण आ लेखन - ले

उर क रदनामे उर जेना मरुतपूर्ण (मरुतपूर्ण ले) जतए अर्थ रदनि जाय ओतहि याव तीन अक्षरक सहायकक
प्रयोग उचित । सम्पति- उचावण स स ग त (सम्पति ले- काव सली उचावण आसानीस समुह ले) । झुदा
सरोतिय (सरोतिय ले) ।

बाहिरीय (बाहिरीय ले)

सकै/ सकै (अर्थ परिवर्तन)

गोडि/ गोडि लेन/ गोडि लेन

गोडि/ गोडि/ (अर्थ परिवर्तन) गोडि/ गोडि

ओ लोकनि (लो क२, ओ मे रिकारी ले)

ओ/ ओहि



ओहिस/

ओहि छन/ ओसी नः

ऊअरों छेअरों

गच्छअर्या

देवियोक/ (देविओक ले- तल्लि अ ये द्रय अ दीर्घक मात्रक प्रयोग अर्वाचित)

ऊका / जेका

तंग/ तौ

लोएत / लूत

नहि/ नहि/ नंग/ नग/ ले

लोमि/ लोमि

बड /

बडी (मोवाउत)

गाए (गांग नहि), दूदा गांगक दू (गांगक दू ले ।)

बल्ले/ पहिले

लमेल/ अल

सर - सभ

सरलक - सभलक

धवि - तक

गग- रात

बृसर - समयसर

बृसल्लो/ समयसल्लो/ बृसनह - समयसनह

लमर आव - लम सभ

आकि- आ कि

सकेट/ करेट (गद्यमे प्रयोगक आवश्यकता ले)

लोअन/ लोमि

जाअन (जानि ले, जेना देत जाअन) दूदा जानि-बृमि (अर्थ पवित्र, तन)

गअठ/ जाअठ

आउ/ जाउ/ आउ/ जाउ



ये, ले, स, पव (गिहसं सठी क२) त क२ ध२ द२ (गिहसं लठी क२) दूदा दूठी रा लसी रिभङ्गि सग बल्लापव पहि
रिभङ्गि ठोके सठीहु । जेना एमे स ।

एकठी, दूठी (दूदा क२ ठो)

रिकावीक प्रयोग गिहक अत्रुमे, रीचमे अनारथक करे ले । आकावाउ आ अत्रुमे अ क राद रिकावीक प्रयोग ले
(जेना दिअ)

, आ/ दिय, आ, आ ले)

अणोस्ट्रॉलीक प्रयोग रिकावीक रदनामे कवर अत्रुचित आ मात्र कौंठक तकनीकी गृनताक पविचायक)- उना
रिकावीक सकृत कप २ अरग्रह कलन जागत अछि आ रतनी आ उचावण दूनु ठाम एकव जाप बहत अछि/ बहि
सकेत अछि (उचावणमे जाप बहिते अछि) । दूदा अणोस्ट्रॉली सेने अणोजीमे पसेमिर केसमे लेगत अछि आ
फ्रेचमे गिहमे जतए एकव प्रयोग लेगत अछि जेना *raison d'être* एतए सेने एकव उचावण लेजेन डेटव
लेगत अछि, माले अणोस्ट्रॉली अरकाणि ले दैत अछि रवन जोडेते अछि, से एकव प्रयोग रिकावीक रदना
देनाग तकनीकी करे सेने अत्रुचित) ।

अगमे, एहिमे/ एमे

जगमे, जालिमे

एकन/ अवन/ अगवन

के (के नहि) मे (अन्यत्र बहित)

भ२

मे

द२

त (त२, त ले)

स (स२ स ले)

गाह तव

गाह तग

सास क

जो (जो go, करे जो do)

ते/तअ जेना- ते दुखाले/ तगमे/ तगले

जे/जअ जेना- जे कावण/ जगसं/ जगले

ए/अअ जेना- ए कावण/ एसं/ अगले/ दूदा एकव एकठी आस प्रयोग- नातति कतेक दिसं कहैत बहत अग

ले/लअ जेना लेसं/ नगले/ ले दुखाले

नहं/ ले



जीरि/ जीरी/

जीव

भने/ भनली/

भनहि

ते/ तंग/ तंग

जधर/ जधर

नग/ न

हुग/ हु

नहि/ न/ नग

गग/

ले

हुनि/ हुनि

हुकन अडि/ हुन गडि

२.२. मैथिलीमे भाषा सम्पादन पाठक्रम

नीचाके सूचीमे देत विकल्पमेसँ लेखक एडीटव द्वावा कान कप हुनन जेबाक छली:

लान्ड कएन कप ग्राम:

१. होयबना/ होयबना/ होयबना/ होय बना, होय बना/ होयबाक/होयबना /होयबाक

२. अ/अ

अ

३. क जने/क जने/क जने/क जने/न/न/न/न

४. भ गेन/भ गेन/भ गेन/भ गेन/भ

गेन

५. कव गेनाह/कव

गेनाह/कव गेनाह/कव गेनाह

६.

निध/निध निध,निध,निध,निध/

७. कव बना/कव बना/ कव बना कवना/कव बना /

कवना

८. बना बना (शुक्र), रानी (सूनी) ९



आइत आइत

१०. थायः थायल

११. दुःख दुःख

१२. छति गेल छल गेल/छल गेल

१३. देतबिह देतबिह, देतबिन

१४.

देखतहि देखतनि/ देखबिह

१५. छथिह/ छतहि छथिन/ छलैन/ छतनि

१६. छलैत/छैत छतति/छैति

१७. एथलो

अबला

१८.

बठनि बठनि बठहि

१९. ओ/ओ२(सरुनाय) ओ

२०

२१. ओ (मयोजक) ओ/ओ२

२२. कागि/कागि कागि/कागि

२३.

जे जे/जे२ २३. न-बुब न-बुब

२४. केतहि/केतनि/कयतहि

२५. तखत/ तखन त

२६. जा

बलन/जाय बलन/जाय बलन

२७. निकतय/निकतय

नागन/ नगन बल्लाय/ बल्लाय नागन/ नगन निकन/बल्ले नागन

२८. ओतय/ जतय जत/ ओत/ जतय/ ओतय

२९.

की कृबन जे कि कृबन जे



३०. जे जे/जे२

३१. कृदि / यदि(योन पावर) कृगद/यागद/कृद/याद/

यदि (योन)

३२. अले/ ओले

३३.

लैय/ लैय लैय

३४. लौ आकि दम/लौ किरा दम/ लौ रा दम

३५. सस-ससुव सस-ससुव

३६. डल/ सात ड/डः/सात

३७

की की/ की२ दीधीकावतुमे २ रज्जित

३८. जराय जराय

३९. कवयताह/ कवयताह कवयताह

४०. दतान दिशि दतान दिशि/दतान दिस

४१

. गेताह गयताह/गयताह

४२. किड आव/ किड ओव/ किड आव

४३. जाग हुन/ जागत हुन जाति हुन/जेत हुन

४४. गहूँटा/ भेट जागत हुन/ भेट जाग हुन गहूँटा/ भेट जागत हुन

४५.

जवान (यरा)/ जवान(लेनजी)

४६. नय/ नय क/ क२/ नय कय / न२ क२/ न२ कय

४७. न/न२ कय/

कय

४८. एवन / एवल / एवन / एवल

४९.

गलीके गलीके

५०. गलीव गलीव

५१.



धव पाव केनाथ धव पाव केनाथ/केनाथ

३२. जेकाँ जेकाँ/

झकाँ

३३. तलिन तेलिन

३४. एकाँ अकाँ

३५. रलिन रलिन

३६. रलिन रलिन

३७. रलिन-रलिन

रलिन-रलिन

३८. नहि/ ले

३९. कबरा / कबराय/ कबराय

४०. तँ/ त २ तय/तय

४१. डेयारी ये छोट-भाय/डे, जेठ-भाय/भाय

४२. गिनतीमे दू भाग/भाय/भाय

४३. ग पौथी दू भाग/भाय/भाय/ जत । यारत जारत

४४. माय ये / याय दू भाय भाय ययत

४५. देहि/ दयन दनि/ दयहि/ दयहि दहि/ देहि

४६. द/ द२/ द

४७. ओ (संयोजक) ओ२ (संयोजक)

४८. तका कय तकाय तकाय

४९. पैल (on foot) पैल कय/ कैल

५०.

तहमे/ तहमे

५१.

पुत्रीक

५२.

रजा कय/ कय / कय

५३. रनाय/रनाय

५४. रना



१३.

दिवस दिवस

१३.

तत्त्व

११. गवराउतहि/ गवराउतहि

गवराउतहि/ गवराउतहि

१४. रात्र रात्र

१६.

छह छह(अक्षर)

+०. छे छे

+१

. मे/ के मे/के

+२. एबुका अबुका

+३. भूमिगत भूमिगत

+४. सुख

/ सुख/ सुख

+५. सख सख +६.

हुरि

+१. कवराउतहि/३ कवराउतहि स केक /कवराउतहि-कवराउतहि

+२. सुख

सुख

+३. सगड़ १-साँटी

सगड़ १-साँटी

१०. सख-सख सख-सख

११. सख

१२. सख

१३. सख

१४. सख- सख - सख



१३. ब्रूमन ब्रूमन

१४.

ब्रूमन (ब्रूमन अर्थ)

१५. ब्रूमन यथ / अथ / स / स

१६. ब्रूमन

१७. अर्थनाय- अर्थनाय / अर्थनाय / अर्थनाय

१८. ब्रूमन- ब्रूमन

१९.

ब्रूमन

२०. ब्रूमन ब्रूमन

२१.

ब्रूमन (in different sense)-last word of sentence

२२. ब्रूमन सब अर्थ ब्रूमन

२३.

ब्रूमन

२४. ब्रूमन (p/ ay/) - ब्रूमन

२५. ब्रूमन- ब्रूमन

२६.

ब्रूमन- ब्रूमन

२७.

ब्रूमन- ब्रूमन

२८. ब्रूमन/ ब्रूमन ब्रूमन

२९. ब्रूमन- ब्रूमन

३०. ब्रूमन/ ब्रूमन ब्रूमन

३१. ब्रूमन-

ब्रूमन

३२. ब्रूमन (different meaning- got understand)

३३. ब्रूमन/ब्रूमन ब्रूमन (understood himself)



११७. छल- छल/ छल छेल

११८. खय- खय

११९.

मोन गढनबिह/ मोन गढनबि/ मोन गढनबिह

१२०. कैक- कयक- कयक

१२१.

तग तग

१२२. जलनग

१२३. जलनग जबनग- जलनग/

जलनग

१२४. जलनग

१२५.

गबलनहि/ गबलननि गबलनहि/ गबलननि

१२६.

टिपेट- (to test) टिपेट

१२७. कबलनग (willing to do) कबलनग

१२८. जलनग- जलनग

१२९. तलनग- तलनग

१३०.

बिदेस गलनग/ बिदेस गलनग

१३१. कबलनग/ कबलनग/ कबलनग कबलनग

१३२.

लकिक (छलनग लकिक)

१३३. छलनग रजनग अलनग/ अलनग कलनग/ कलनग/ कलनग

१३४. अलनग भग/ अलनग-भग

१३५. पलनग / पलनग/पलनग

१३६. नग/ ल

१३७. रलनग नग

(ल) पलनग ललनग



१२१. तबन स (न१) कहेत थडि । कहे/ सुले/ देखे हुन दूदा कहेत-कहेत/ सुलेत-सुलेत/ देखेत-देखेत

१२१.

कतेक गोटे/ कतक गोटे

१२२. कयाँ-धयाँ/ कयाँ-धयाँ

१२३

न नग

१२४. खेलै (for playing)

१२५.

हुसि/ हुसि

१२६.

खेत खेत

१२७. का कियो / कउ

१२८.

कमे (hair)

१२९.

कस (court-case)

१३०

कनाँ/ कनाय/ कनाय

१३१. खलनाय

१३२. कयाँ कमी

१३३. छव छव

१३४. कय कय

१३५. डूराय/ डूराय/ डूराय डूराय/ डूराय

१३६. एयनका/

थनका

१३७. नय/ निथ (राकक अतिम गेह)- नय

१३८. कयनक/

कनक

१३९. गयनी गयी



१३.१

बबरी बरी

१३.४. सुना फोहल सुना/सुना

१३.६. एनाथ-फोनाथ

१३०.

जेना स खेबन्हि/ जेना स खेबन्हि

१३१. नहि / से

१३२.

डला डला

१३३. कतह/ कतौ कली

१३४. डमबिगब-डमबगब डमबगब

१३५. डमबगब

१३६. डोन/डोन डोन

१३७. गस/गस

१३८.

के के

१३९. दवर/दवरजा

१४०. ठाथ

१४१.

धवि डक

१४२.

घुवि छोट

१४३. खोखक

१४४. खे

१४५. खे/ खे

१४६. खेहि (अधमे धाथ)

१४७. खेहि / खेहि

१४८.

कबराथ कबराथ



१९९. लका लका

२००. देवा देवा

२०१. देवा देवा

२०२. सउवि सउव

२०३.

साले साले

२०४. गेलोह/ गेलहि/ गेलनि

२०५. लेवाक/ लेवाक

२०६. केला/ कएतह/ केला/ केव

२०७. किछ न किछ/

किछ स किछ

२०८. घयेतह/ घमउतह/ घमेलो

२०९. एताक/ अताक

२१०. अः/ अह

२११. तय/

तय (अर्थ-गविरजन) २१२. कनीक/ कलक

२१३. सयलक/ सभक

२१४. मिलाः/ मिला

२१५. कः/ क

२१६. जाः/

जा

२१७. अः/ अ

२१८. भः/ भ (कौटुक कयीक घातक)

२१९. निथय/ निथय

२२०

लेवटअ/ लेवटयव

२२१. गहिन अयव ठ/ रादक/ रादक ठ

२२२. तहि/ तहि/ तहि/ ते



२२३. कहि/ कही

२२४. तँ/

ते / तँ

२२५. नँग/ नग/ नगि/ नहि/ले

२२६. ते/ लय / एनीहें

२२७. दुपि/ दु/ डुक / दुग

२२८. दृष्टि/ दृष्टि/

२२९. आ (come)/ आ (conjunction)

२३०.

आ (conjunction)/ आ (come)

२३१. कल/ कोल/ कोना/ केन

२३२. गेलहु- गेलहि- गेलनि

२३३. लेखक- लेखक

२३४. केजो- कएजो- कएनहु/ केजो

२३५. किछ न किछ- किछ स किछ

२३६. केलेन- केलेन

२३७. आ (come)- आ (conjunction-and)/ आ । आर-आर / आरहु-आरहु

२३८. लयत-लत

२३९. घुमेनहु- घुमेनहु- घुमेनहु

२४०. एनाक- एनाक

२४१. लेनि- लेनि/ लेहि/

२४२. उ-नाम उ थामक रीति(conjunction), उ कहतक (he said)/ उ

२४३. की लय/ कोनी अनी लय/ की ते। की रग

२४४. दृष्टि/ दृष्टि/

२४५.

गोपित/ गोपित

२४६. ते / तँ/ तगि/ तहि

२४७. जो

/ जा/ जा



२४१. सभ/ सर

२४२. सभक/ सबक

२४३. कहि/ कही

२४४. कन/ कन/ कनह/

२४५. कानकती भ२ गेन/ भ३ गेन/ भ४ गेन

२४६. कन/ कन/ कन/ कन

२४७. अ/ अ

२४८. अ/ अ

२४९. अ/ अ

अ/ अ (अर्थ परिवर्तन)

२५०. कन/ कन/ कन

२५१. न/ न/ न (अर्थ परिवर्तन)

२५२. कन/ कन/ कन-मन

२५३. पठन/ पठन/ पठन/ पठन/ पठन

२५४. नि/ नि

२५५. लेख/ लेख

२५६. पहि/ पहि/ पहि/ पहि/ पहि

२५७. अकाराबुधे रिकारी प्रयोग उचित नै/ अकाराबुधे प्रयोग कष्टक तनीकी वृत्तक परिचायक ओकर रचना अरुत (रिकारी) क प्रयोग उचित

२५८. केव (पहिले छान) / -क/ क२/ के

२५९. छेहि- छेहि

२६०. न/ न

२६१. छेहि/ छेहि

२६२. छेहि/ छेहि

२६३. छेहि/ छेहि/ छेहि

२६४.

२६५. छेहि/ छेहि/ छेहि

२६६. पि/ पि/ पि

२६७. छेहि/ छेहि



१.१४

बानी/ (बनहोबानी)

१.१५. राउत/ राउत

२००. अलुबन्दीय/ अलुबन्दीय

२०१. लक्ष्मी/ लक्ष्मी

२०२. नमडक/ नमडक

२०३. नाली/ नाली (

भेदेत/ भेदेत)

२०४. नगन/ नगन

२०५. ठरा/ ठरा

२०६. बाबक/ बाबक

२०७. आ (come)/ आ (and)

२०८. पछाताप/ पछाताप

२०९. २ केव राउतव गेहक अलुमे मान, यथासंभव रीटमे ले।

२१०. कहेत/ कहे

२१०.

बल (हल)/ क (हल) (meaning different)

२११. तगति/ तगति

२१२. खरा/ खरा

२१३. लावन/ लानि/ लागनि

२१४. जार्ति/ जार्ति

२१५. कागज/ कागज/ कागज

२१६. गिले (meaning different - swallow)/ गिले (बस)

२१७. बाह्दीय/ बाह्दीय

DATE-LIST (year - 2012-13)

(१४४० कसती ज्ञान (

Marriage Days:



Nov.2012- 25, 26, 28, 29, 30

Dec.2012- 5,9, 10, 13, 14

January 2013- 16, 17, 18, 23, 24, 31

Feb.2013- 1, 3, 4, 6, 8, 10, 14, 15, 18, 20, 24, 25

April 2013- 21, 22, 24, 26, 29

May 2013- 1,2,3,5,6,9,12,13,17,19,20,22,23,24,26,27,29,30,31

June 2013- 2,3

July 2013- 11, 14, 15

Upanayana Days:

January 2013- 16

February 2013- 14, 15, 20, 21

April 2013- 22

May 2013- 20, 21

Di ragaman Din:

November 2012- 25, 26, 28, 29

December 2012- 2, 3, 14

February 2013- 14, 15, 18, 20, 21, 22, 27, 28

March 2013- 1

April 2013- 18, 22, 24, 26, 28, 29

May 2013- 12, 13

Mandan Din:

November 2012- 26, 30

December 2012- 3

January 2013- 18, 24



February 2013– 1, 14, 15, 20, 28

April 2013– 17

May 2013– 13, 23, 29

June 2013– 13, 19, 26, 27, 28

July 2013– 10, 15

FESTIVALS OF MITHILA (2012–13)

Mauna Panchami –08 July

Madhushravani – 22 July

Nag Panchami – 24 July

Raksha Bandhan– 02 Aug

Krishnastami – 10 August

Kushi Amavasya / Somvati Vrat – 17 August

Vishwakarma Pooja– 17 September

Hartalika Teej – 18 September

ChauthChandra–19 September

Karma Dharma Ekadashi –26 September

Indra Pooja Aarambh– 27 September

Anant Caturdashi – 29 Sep

Agastyar ghadaan– 30 Sep

Pitri Paksha begins– 30 Sep

Jimootavahan Vrata/ Jitima–08 October

Matri Navami – 09 October

Somvati Amavasya Vrat – 15 October



Kalashsthan - 16 October

Belnauti - 20 October

Patrika Pravesh - 21 October

Mahastami - 22 October

Maha Navami - 23 October

Majaya Dashami - 24 October

Kojagara - 29 Oct

Dhanteras - 11 November

Diyaoti, shyama pooja - 13 November

Anakoota/ Govardhana Pooja - 14 November

Bhratridwitiya/ Chitragnat Pooja - 15 November

Chhatthi - 19 November

Devottan Ekadashi - 24 November

ravi vratarambh - 25 November

Navanna parvan - 25 November

Kartik Purnima - Sama V sarjan - 28 November

Mivaha Panchmi - 17 December

Makara/ Teela Sankranti - 14 Jan

Naraknavaran chaturdashi - 08 February

Basant Panchmi / Saraswati Pooja - 15 February

Achla Saptmi - 17 February

Mahashivaratri - 10 March

Holikadahan - Fagua - 26 March

Holi - 28 March



Varuni Trayodashi -07 April

Chaiti Navaratri Arambh - 11 April

Jurishital -15 April

Chaiti Chhatthi Vrata -16 April

Ram Navami - 19 April

Ravi Brat Ant - 12 May

Akshaya Tritiya -13 May

Janaki Navami - 19 May

Vat Savitri -barasait - 08 June

Ganga Dashhara -18 June

Somavati Amavasya Vrata - 08 July

Jagannath Rath Yatra - 10 July

Hari Sayan Ekadashi - 19 July

Aashadhi Guru Poornima -22 Jul

VI DEHA ARCHI VE

पत्रिकाक सबटा पुरान अंक ब्रैल-रिदेह अ, तिरहुता आ देवनागरी कसमे Videha e journal's all old issues in Braille Tirhuta and Devanagari versions

रिदेह अंक ३० पत्रिकाक पहिल -

रिदेह अंक सँ आगाँक अंक ३० पत्रिकाक -

<http://sites.google.com/a/videha.com/videha/>

<https://sites.google.com/a/videha.com/videha-archi-ve-part-i/>

<https://sites.google.com/a/videha.com/videha-archi-ve-part-ii/>

मैथिली पोथी डाउनलोड Maithili Books Download

<http://sites.google.com/a/videha.com/videha-pothi>

इडियो संकलन मैथिली, Maithili Audio Downloads



<http://sites.google.com/a/videha.com/videha-audio>

[४. मैथिली रेडियो क संकलन Maitihli Videos](http://sites.google.com/a/videha.com/videha-audio)

<http://sites.google.com/a/videha.com/videha-video>

[३. आधुनिक चित्रकला आ चित्र /मिथिला चित्रकला.Mithila Painting/ Mbdern Art and Photos](http://sites.google.com/a/videha.com/videha-paintings-photos)

<http://sites.google.com/a/videha.com/videha-paintings-photos/>

‘बिदेह’क एहि सब संस्थागर्भी लिंक सब ताले एक छत्र छोट ।

३. बिदेह मैथिली ब्लिज :

<http://videhaquiz.blogspot.com/>

१. बिदेह मैथिली ज्ञानरुत एग्रीगेटर :

<http://videha-aggregator.blogspot.com/>

४. बिदेह मैथिली साहित्य अंग्रेजीमे अनूदित

<http://madhubani-art.blogspot.com/>

६. बिदेहक पूर्व-कप ‘भातसबिक गाछ’ :

<http://gajendratyakur.blogspot.com/>

१०. बिदेह गडेर :

<http://videha123.blogspot.com/>

११. बिदेह कागत :

<http://videha123.wordpress.com/>

१२. बिदेह: सदेह : पहिल तिवृता (मिथिला-सुब) ज्ञानरुत (ब्लॉग)

<http://videha-sadeha.blogspot.com/>

१३. बिदेह:ब्रेन: मैथिली ब्रेनमे: पहिल छत्र बिदेह द्वारा

<http://videha-braille.blogspot.com/>

१४. VIDEHA IST MAITHILI FORTNIGHTLY EJOURNAL ARCHIVE

<http://videha-archive.blogspot.com/>

१५. बिदेह प्रथम मैथिली पत्रिका बिदेह' १२१ मासिक मैथिली पोथीक आर्काइव

<http://videha-pothi.blogspot.com/>



१७. बिदेह प्रथम मैथिली पत्रिका ऑडियो आर्काइव

<http://videha-audio.blogspot.com/>

१९. बिदेह प्रथम मैथिली पत्रिका वीडियो आर्काइव

<http://videha-video.blogspot.com/>

२०. बिदेह प्रथम मैथिली पत्रिका मिथिला चित्रकला, आधुनिक कला आ चित्रकला

<http://videha-paintings-photos.blogspot.com/>

२१. मैथिल आर मिथिला (मैथिलीक सम्पूर्ण लोकप्रिय ज्ञानरत्न)

<http://maitthilaurmaitthila.blogspot.com/>

२२. श्रुति प्रकाशन.

<http://www.shruti-publication.com/>

२३. <http://groups.google.com/group/videha>

२४. <http://groups.yahoo.com/group/VIDEHA/>

२५. गजेन्द्र ठाकुर गडेर

<http://gajendrat hakur123.blogspot.com>

२६. मना भुठका

<http://mangan-khabas.blogspot.com/>

२७. बिदेह रेडियोकारिता आदिक पत्रिका गोडकान्ठ सागठ-मैथिली कथा:

<http://videha123radio.wordpress.com/>

२८.  Videha Radio

२९.  Join official Videha facebook group.

३०. बिदेह मैथिली नाट्य ड्रेस

<http://maitthili-drama.blogspot.com/>

३१. समदिया



<http://esamaad.blogspot.com/>

३०. मैथिली फिल्म

<http://maithilifilms.blogspot.com/>

३१. अन्तरिक्ष आखर

<http://anchinharakharakolkata.blogspot.com/>

३२. मैथिली हाकु

<http://maithili-hai-ku.blogspot.com/>

३३. मानक मैथिली

<http://manak-maithili.blogspot.com/>

३४. विहानि कथा

<http://vihani-katha.blogspot.in/>

३५. मैथिली कविता

<http://maithili-kavita.blogspot.in/>

३६. मैथिली कथा

<http://maithili-katha.blogspot.in/>

३७. मैथिली समालोचना

<http://maithili-samalochna.blogspot.in/>

महत्वपूर्ण सूचना: The Maithili pdf books are AVAILABLE FOR free PDF DOWNLOAD AT

<https://sites.google.com/a/videha.com/videha/>

<http://videha123.wordpress.com/>

<http://videha123.wordpress.com/about/>



मैथिली साहित्यिक अ पत्रिका बिदेह १२१ म अंक ०१ जनवरी २०१३ (वर्ष ६ मास ६१ अंक १२१)

मानक संख्या ISSN 2229-547X **VIDEHA**



बिदेह:सदस्य: २: ३: ४: ५: ६: ७: ८: ९: १० बिदेहक थिष्टे सम्बन्ध: बिदेह-अ-पत्रिका (<http://www.videha.co.in/>) क छन बच्चा सम्मिलित ।

बिदेह



मैथिली साहित्य आम्दान



(c) २००४-१२. सराधिकार लेखकधीन आ जतए लेखकक नाम नहि अछि ततए संपादकधीन । बिदेह- प्रथम मैथिली पाश्चिक अ पत्रिका । SSN 2229-547X VI DEHA संपादक: गजेन्द्र ठाकुर । सह-संपादक: उमेश मंडल । सहायक संपादक: शिव कुमार सा आ झुआजी मेनोअर कुमार कर्ण । भाषा-संपादन: नरेंद्र कुमार सा आ पद्मकाव्य प्रियानन्द सा । कला-संपादन: ज्ञाति सा टोषरी आ बगि लखा सिद्ध । संपादक-लोह-अक्षरशिल्प डा जय रमा आ डा. बाजरीर कुमार रमा । संपादक-नाटक-व्यंग्य-चलचित्र-लेखन ठाकुर । संपादक-सूचना-संपर्क-समाद-पुन्य मंडल आ प्रियका सा । संपादक-अनुवाद विभाग- विनीत उषेत ।

बचनाकाब अपन यौनिक आ अंधकाशित बचना (जकर यौनिकताक संपूर्ण उत्तरदायित्व लेखक गणक मया छहि) ggajendra@videha.com केँ येन अटैचमेण्टक रूपमें .doc, .docx, .rtf वा .txt कौंमैथे पठा सकैत छथि । बचनाक संग बचनाकाब अपन सक्षिप्त परिचय आ अपन स्न कएन गेल फोटो पठैताह, से अशा करैत छी । बचनाक अंतमें ठागप बहय, जे अ बचना यौनिक अछि, आ पहिन प्रकाशिक तेत बिदेह (पाश्चिक) अ पत्रिकालेँ देन जा बहन अछि । येन प्राप्त होयराक बाद यथासंभव शीघ्र (सात दिनक भीतव) एकव प्रकाशिक अंकक सूचना देन जायत । बिदेह प्रथम मैथिली पाश्चिक अ पत्रिका अछि आ एये मैथिली, संस्कृत आ अंग्रेजीमें मिथिला आ मैथिलीसँ सरचित बचना प्रकाशित कएन जागत अछि । एहि अ पत्रिकालेँ प्रीमति नक्का ठाकुर द्वारा मासक ०१ आ १३ तिथिलेँ अ प्रकाशित कएन जागत अछि ।

(c) 2004-12 सराधिकार सुरक्षित । बिदेहमें प्रकाशित सभ्ठा बचना आ आर्काइवरक सराधिकार बचनाकाब आ संग्रहकतुकि नगमें छहि । बचनाक अनुवाद आ पुनः प्रकाशिन किरा आर्काइवरक उपयोगक अधिकार किनराक तेत ggajendra@videha.com पव संपर्क कर । एहि सांगलेँ प्रीति सा ठाकुर, मधुनिका टोषरी आ बगि प्रिया द्वारा डिजाइन कएन गेल ।



सिद्धिबद्ध